सूर्योदय 5:18 सूर्यास्त 7:28

आज का तापमान

शिमला	17.6 न्यू	26.6 अधि
धर्मशाला	16.0 न्यू	33.1 अधि

बाजार

सेंसेक्स	77,094
निफ्टी	24,102
सोना 1,46,000	चांदी 2,37000

www.anantgyaan.in

अनंत ज्ञान

आरएनआई नं. HPHIN/25/A0284 | कांगड़ा | मंगलवार, 23 जून 2026 | 9 आषाढ़, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 3, अंक 175, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | डाक पंजीकरण संख्या : HP/DO/DEHRA/01/2026-2028 follow us on: | 8894521702

MODGIL DIAGNOSTIC LAB 24 घंटे सेवा
Sample Collection Service From Home
KANGRA (TANDA) CHAMBA PAPROLA
MODGIL DIAGNOSTIC LAB
CHAMBA, (Near Pt. JLN Govt. Medical College)
Contact No.: 01899-350129 62305-18484, 70189-50289
Email: modgildiagnosticlabchamba@gmail.com

न्यूज शॉर्ट्स

पिकअप व ट्रक में भिड़ंत, पांच मजदूरों की मौत व 18 घायल

एजेंसी, छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में नेशनल हाइवे पर सावरी पुलिस चौकी क्षेत्र में सोमवार को मजदूरों से भरे पिकअप वाहन और बेकाबू ट्रक के बीच सीधी भिड़ंत हो गई। इस हादसे में पांच मजदूरों की मौत हो गई जबकि 18 से ज्यादा घायल हैं, जिन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, हादसा छिंदवाड़ा-बैतूल नेशनल हाइवे पर ग्राम टेमनी खुर्द के पास सोमवार सुबह करीब 10 बजे हुआ। यहां पिकअप वाहन सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गया। हादसा इतना भीषण था कि पिकअप के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार मजदूर दूर जा गिरे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस एवं प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। मृतकों में तीन महिलाएं भी शामिल हैं। (अनंत ज्ञान)

रास लाफान इंडस्ट्रियल सिटी में धमाका: 54 घायल, 18 लापता

एजेंसी, इस्तांबुल। कतर के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र रास लाफान इंडस्ट्रियल सिटी में सोमवार सुबह एक फैक्टरी में बड़ा धमाका हुआ है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस घटना में 54 लोग घायल हुए हैं, जबकि 18 अभी लापता बताए जा रहे हैं। माना जा रहा है कि यह धमाका एक तकनीकी खराबी के कारण हुआ था और सिविल डिफेंस की टीमें लगातार राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। तुर्किए की सरकारी संवाद समिति अनाडोलू एजेंसी व अन्य मीडिया ने कतर के गृह मंत्रालय के हवाले से बताया कि प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र रास लाफान इंडस्ट्रियल सिटी में एक फैक्टरी में हुए धमाके के बाद हालात गंभीर बने हुए हैं। शुरुआती जानकारी के मुताबिक इस घटना में कम से कम 54 लोग घायल हुए हैं और 18 लोग अभी लापता बताए जा रहे हैं। सिविल डिफेंस और कतरी इंटरनेशनल सर्च एंड रेस्क्यू ग्रुप की टीमें मौके पर तलाशी अभियान चला रही हैं। (अनंत ज्ञान)

धनबाद में एसबीआई से धोखाधड़ी मामले में दो फरार आरोपी काबू

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 1.25 करोड़ रुपए की बैंक धोखाधड़ी के मामले में फरार घोषित दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपी बृजभूषण प्रसाद व करतार सिंह पर झारखंड के धनबाद की भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की मुख्य शाखा से नवंबर 2002 से जून 2005 के बीच 1,25,47,950 रुपए की धोखाधड़ी का आरोप है। सीबीआई ने बताया कि दोनों आरोपी जांच के दौरान नेपाल भाग गए थे, जिसके बाद न्यायालय ने उन्हें भगोड़ा घोषित किया और उनके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस भी जारी किए गए। दोनों आरोपियों को रविवार को दो अलग-अलग कार्रवाइयों में गिरफ्तार किया गया। एजेंसी ने बताया कि बृजभूषण प्रसाद को महाराष्ट्र में अहमदनगर जिले के कोपरगांव से जबकि करतार सिंह को छत्तीसगढ़ के रायपुर से गिरफ्तार किया गया। (अनंत ज्ञान)

हिमाचल में 19 नए बिजली प्रोजेक्टों पर एमओयू

राज्य की ऊर्जा क्षमता का होगा बेहतर उपयोग और अर्थव्यवस्था को मिलेगी मजबूती: सीएम सुक्खू

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल सरकार ने राज्य में जल विद्युत उत्पादन बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए इस वर्ष 278 मेगावाट क्षमता की 19 नई जल विद्युत परियोजनाओं के लिए कार्यान्वयन समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। इन परियोजनाओं पर करीब 3336 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। सरकार का कहना है कि इन परियोजनाओं के माध्यम से राज्य की ऊर्जा क्षमता का बेहतर उपयोग किया जाएगा और इससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

सरकार द्वारा जिन परियोजनाओं के लिए समझौते किए गए हैं उनमें सोयल डाशल, खौली-2, ग्रामांग, उमली, भरमौर चरण-1 और चरण-2, हरसर चरण-2 और चरण-3, टुंडह चरण-2, जंगलिक, रूपिन चरण-2, दुनाली-1 एवं 2, जरी, तोरल कुंडली, टुंडन, कोट डोगरी, अप्पर कुर्मी, कलाल खोल और मेलन जल विद्युत परियोजनाएं शामिल हैं।

इसके साथ ही सरकार ने पहले से आवंटित 15 जल विद्युत परियोजनाओं का आवंटन रद्द कर दिया है। सरकार का कहना है कि संबंधित निर्माणकर्ताओं ने इन परियोजनाओं को आगे बढ़ाने में रुचि नहीं दिखाई, जिसके कारण यह फैसला लिया गया। अब इन परियोजनाओं के जल्द कार्यान्वयन के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निविदाएं आमंत्रित करने की तैयारी की जा रही है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि राज्य में मौजूद जल विद्युत क्षमता का दोहन सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है और इसके लिए लगातार कदम उठाए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार ने ऊर्जा नीति में संशोधन करते हुए 25 मेगावाट तक की जल विद्युत परियोजनाओं के लिए रॉयल्टी की दर को बदलकर 40 वर्षों के लिए एक समान 12 प्रतिशत कर दिया है। उनका कहना है कि इससे ऊर्जा क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने यह भी बताया कि 150 मेगावाट क्षमता की टिडोंग चरण-1 जल विद्युत परियोजना का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। इसके अलावा प्रदेश में जियोथर्मल ऊर्जा की संभावनाओं को तलाशने के लिए जियो ट्रॉपी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन भी हस्ताक्षरित किया गया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार हिमाचल प्रदेश में लगभग 24 हजार मेगावाट जल विद्युत क्षमता मौजूद है। इनमें से 12,588 मेगावाट क्षमता की 189 परियोजनाओं का निर्माण पूरा हो चुका है। वहीं 1,528 मेगावाट क्षमता की 54 परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं, जबकि 7,539 मेगावाट क्षमता की 526 परियोजनाएं विभिन्न स्वीकृति चरणों में हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार प्रदेश के हितों को सुरक्षित रखते हुए ऊर्जा क्षेत्र के विकास को आगे बढ़ा रही है।

शिमला स्थित ओकओवर में सीएम सुक्खू को स्मृति चिन्ह देते सराज विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस प्रतिनिधि। अनंत ज्ञान

सराज के विकास को प्राथमिकता, चैल-चौक-जंजैहली सड़क चौड़ीकरण को 137.40 करोड़ मंजूर: मुख्यमंत्री

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार सभी क्षेत्रों के संतुलित एवं समान विकास के लिए प्रतिबद्ध है तथा सराज विधानसभा क्षेत्र के विकास को भी प्राथमिकता दी जा रही है। ओक ओवर में सराज क्षेत्र के प्रतिनिधिमंडलों से मुलाकात के दौरान उन्होंने बताया कि 83 किलोमीटर लंबी चैल-चौक-जंजैहली सड़क के चौड़ीकरण के लिए 137.40 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता स्वीकृत हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना से क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और लोगों को बेहतर परिवहन सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने क्षेत्र की विभिन्न संपर्क सड़कों के रखरखाव एवं सुदृढ़ीकरण के लिए भी धनराशि मंजूर करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि आपदा प्रभावित परिवारों को राहत पहुंचाने के लिए सरकार ने राहत राशि में बढ़ोतरी की है। पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त मकानों के लिए सहायता राशि 1.30 लाख रुपये से बढ़ाकर 7 लाख रुपये कर दी गई है, जबकि अन्य सहायता सहित प्रभावित परिवारों को 8 लाख रुपये तक की आर्थिक मदद प्रदान की जा रही है।

शराब के नशे में बेटे ने डंडे से पीट-पीटकर मार डाली मां

- सुंदरनगर के जयदेवी क्षेत्र में पेश आया मामला
- सचिवालय में कार्यरत थी महिला, आरोपी गिरफ्तार

अनंत ज्ञान

सुंदरनगर। उपमंडल सुंदरनगर के जयदेवी क्षेत्र के गांव गहरी में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां एक कलयुगी बेटे ने अपनी ही मां की हत्या कर दी। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। पुलिस थाना बीएसएल कॉलोनी ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी पुत्र को गिरफ्तार कर लिया है तथा मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतका की पहचान पार्वती देवी (51) पत्नी फागणु राम, निवासी गांव गहरी, डाकघर जयदेवी, तहसील सुंदरनगर, जिला मंडी के रूप में हुई है। पार्वती देवी सचिवालय शिमला में कार्यरत थीं। बताया जा रहा है कि वह अपने पुत्र के साथ शिमला में रहती थीं और इन दिनों गांव में मक्की की बिजाई के लिए आई हुई थीं।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि घटना वाले दिन आरोपी खेमा राम ने अपने पिता फागणु राम के साथ शराब का सेवन किया था। शराब पीने के बाद दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इसके कुछ समय बाद आरोपी की अपनी मां के साथ भी कहासुनी हो गई। आरोप है कि गुस्से में आकर उसने डंडे से अपनी मां के सिर पर वार कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल पार्वती देवी को संभलने का मौका भी नहीं मिला और उनकी मौके पर मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने आरोपी पुत्र खेमा राम को हिरासत में लेकर पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया। जानकारी देते हुए एसपी मंडी विनोद कुमार ने बताया कि पुलिस थाना बीएसएल कॉलोनी ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की हत्या संबंधी धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। उन्होंने कहा कि मामले के सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है और नियमानुसार आगामी कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

हिमाचल सरकार ने किए 8 एसपी और 2 एचपीपीएस के तबादले

अभिषेक दुल्लर आईजी लॉ एंड ऑर्डर इल्मा नूरपुर और धवल एसपी देहरा

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार ने पुलिस विभाग में व्यापक प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 8 आईपीएस और 2 एचपीएस अधिकारियों के तबादले व नई नियुक्तियां की हैं। इस बदलाव के तहत चार पुलिस जिलों— बिलासपुर, कांगड़ा, देहरा और नूरपुर— को नए पुलिस अधीक्षक (एसपी) मिले हैं। वरिष्ठ स्तर पर आईजी रैंक के अधिकारियों की जिम्मेदारियों में भी बदलाव किया गया है।

जारी आदेशों के अनुसार बिलासपुर के एसपी रहे संदीप कुमार धवल को देहरा का नया एसपी नियुक्त किया गया है। उनकी जगह 2021 बैच के आईपीएस अधिकारी अभिषेक को बिलासपुर की कमान सौंपी गई है। अभिषेक इससे पहले अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिमला के पद पर कार्यरत थे। वहीं नूरपुर के एसपी कुलभूषण वर्मा को कांगड़ा का एसपी बनाया गया है। उन्हें एसटीएफ धर्मशाला जोन का अतिरिक्त कार्यभार भी दिया गया है। विदेश अध्ययन अवकाश से लौटी आईपीएस अधिकारी इल्मा अफरोज को नूरपुर का नया एसपी नियुक्त किया गया है।

वहीं अभिषेक दुलर को आईजीपी (लॉ एंड ऑर्डर) शिमला, डॉ. डीके चौधरी को आईजीपी कम्युनिकेशन एंड टेक्निकल सर्विसेज हमीरपुर लगाया है। गौरवजीत सिंह को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिमला तथा एचपीपीएस अधिकारी रमन शर्मा को राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (उत्तरी रेंज) धर्मशाला का एसपी नियुक्त किया गया है। मुख्य सचिव कमलेश कुमार पंत द्वारा जारी ये आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिए गए हैं।

इल्मा अफरोज संदीप धवल

छह माह बाद विकास कार्यों को मिली रफ्तार

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। प्रदेश के 68 विधानसभा क्षेत्रों में लंबे समय से रुके विकास कार्यों को नई गति मिलने जा रही है। सुक्खू सरकार ने करीब छह माह बाद विधायक क्षेत्र विकास निधि की पहली किस्त जारी कर दी है। योजना विभाग ने सभी विधायकों के लिए 18.70 करोड़ रुपये जारी किए हैं। पहली किस्त के तहत प्रत्येक विधायक को 27.50 लाख रुपये उपलब्ध कराए गए हैं। इस राशि से सड़क, पेयजल, सामुदायिक भवन, संपर्क मार्ग और अन्य जनसुविधाओं से जुड़े लंबित कार्यों को पूरा किया जाएगा। सरकार ने निधि वितरण व्यवस्था को दो के बजाय चार किस्तों में बांटने का निर्णय लिया है, जबकि वार्षिक निधि राशि 2.20 करोड़ से घटाकर 1.10 करोड़ रुपये कर दी गई है।

कोचिंग सेंटर में लगी आग, 15 छात्रों की मौत

बचने के लिए बाथरूम में छिपे, दम घुटने से गई जान, शॉर्ट सर्किट की आशंका

एजेंसी, लखनऊ

यूपी की राजधानी लखनऊ में सोमवार दोपहर 2:15 बजे एक इमारत में आग लग गई। हादसे में अब तक 15 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें 3 महिलाएं और 12 पुरुष हैं। इनमें ज्यादातर स्टूडेंट्स हैं, जिस बिल्डिंग में आग लगी, वह अलीगंज इलाके में है।

बेसमेंट, ग्राउंड और पहले फ्लोर पर पेट शॉप और क्लीनिक है। दूसरे फ्लोर पर लर्निंग स्पेस नाम की लाइब्रेरी (कोचिंग) और हेड हॉपर स्टूडियो है, जिसमें 3डी आर्ट प्रोडक्शन और गेम एसेट आउटसोर्सिंग का काम होता है। जानकारी के मुताबिक, आग फैलने के बाद दूसरे फ्लोर पर चल रही कोचिंग में छात्रों ने खुद को बाथरूम में बंद कर लिया था। एक बच्चे ने पहले फ्लोर से कूद कर जान बचाई, लेकिन वह नीचे ग्रिल पर गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। अभी आग लगने की वजह सामने नहीं आई है, लेकिन बेसमेंट में लगे एसी में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका है। घटनास्थल पर मृतकों और घायलों के लिए एंबुलेंस कम पड़ गईं। मौके पर मौजूद डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक इस मंजर को देखकर रो पड़े। उन्होंने कहा- मैंने अपनी आंखों के सामने लाशें निकलती देखी हैं।

लखनऊ के कोचिंग सेंटर अग्निकांड में अब तक 6 मृतकों के शव पोस्टमार्टम हाउस लाए गए हैं। अब तक सामने आई जानकारी के अनुसार मृतकों की उम्र 25 से 30 साल के बीच है। पोस्टमार्टम हाउस भेजे गए मृतकों में सागर (27), नीलेश (27), अनामिका (28), श्याम (30), अनुचा (25) व सोमलया (30) शामिल हैं। मृतकों की पहचान और अन्य औपचारिक प्रक्रिया जारी है।

पीएम ने जताया शोक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में हुई आग की घटना में लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी संदेश में कहा कि लखनऊ में आग की दुर्घटना में हुई जनहानि से प्रधानमंत्री व्यथित हैं।

उद्धव ठाकरे के 6 सांसद एकनाथ शिंदे की शिवसेना में हुए शामिल

एजेंसी, मुंबई

महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना के 6 सांसद सोमवार को एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हुए। बागी सांसदों ने उपमुख्यमंत्री शिंदे के साथ उनके नंदनवन बंगले पर बैठक की। इसके बाद बागी सांसदों ने शिंदे के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

इधर, उद्धव ठाकरे ने मुंबई में अपने विधायकों और विधान परिषद सदस्यों (एमएलसी) के साथ बैठक की, जिसमें मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रम पर चर्चा हुई। हालांकि, बैठक में उद्धव गुट के 3 से 4 विधायक नहीं पहुंचे। इससे पार्टी में नई टूट की अटकलें तेज हैं। पार्टी ने 2024 के चुनाव में 288 में 20 सीटें जीती थीं।

वहीं उद्धव के बेटे आदित्य ठाकरे ने एक्स पर लिखा- पार्टी छोड़ने वाले सांसदों ने साबित कर दिया है कि उनकी वफादारी बिकाऊ है। कम से कम यह मान लीजिए कि लालच की वजह से आपने रातोंरात बिना किसी शर्म के यह सब छोड़ दिया।

राउत बोले- शिंदे ने पैदा किए छह गद्दार

उद्धव ने विधायकों और विधान परिषद सदस्यों के साथ बैठक के बाद मीडिया से कहा- उन्हें (बागी सांसदों को) अपना पक्ष रखने दीजिए। सही समय आने पर हम अपना पक्ष रखेंगे। वहीं पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने कहा- शिंदे ने 6 गद्दार पैदा किए हैं। हालात संभालने के लिए अब सर्जरी करनी पड़ेगी। इससे पहले संजय राउत ने एक्स पर बताया था कि उद्धव 27 जून से महाराष्ट्र में जनसंपर्क अभियान शुरू करने जा रहे हैं।

जिस पल पानी पर खतरा लगा, हम जंग शुरू कर देंगे: ख्वाजा

एजेंसी, इस्लामाबाद। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सिंधु जल संधि स्थगित रहने को लेकर भारत को धमकी दी है। पाकिस्तानी चैनल आर्य न्यूज से बातचीत में आसिफ ने कहा कि अगर पाकिस्तान को लगा कि उसकी जल सुरक्षा खतरे में है, तो वह भारत के खिलाफ जंग छेड़ सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत पाकिस्तान के हिस्से के पानी के प्रवाह में दखल दे रहा है व रणनीतिक हथियार के तौर पर इसका इस्तेमाल कर रहा है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि पिछले एक साल में इस मामले में क्या नए घटनाक्रम हुए हैं, इसकी उन्हें पूरी जानकारी नहीं है। भारत का कहना है कि जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं करता, तब तक संधि बहाल नहीं की जाएगी।

अमेरिका-भारत ट्रेड डील में सेब पर रियायतें बनीं चिंता का कारण

प्रदेश फल, सब्जी एवं फूल उत्पादक संघ ने पीएम मोदी को भेजा एक खुला आग्रह पत्र

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते को लेकर हिमाचल प्रदेश के सेब उत्पादकों की चिंताएं बढ़ गई हैं। राज्य फल, सब्जी एवं फूल उत्पादक संघ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक खुला आग्रह पत्र भेजकर मांग की है कि किसी भी व्यापारिक समझौते में देश के बागवानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। संघ का कहना है कि सेब, अखरोट, बादाम और अन्य बागवानी उत्पादों पर आयात शुल्क में संभावित कटौती से हिमाचल सहित पर्वतीय राज्यों की अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

बता दें कि प्रदेश में सेब उत्पादन लाखों परिवारों की आजीविका का प्रमुख आधार है। राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा बागवानी पर टिका हुआ है। वर्तमान समय में बागवान पहले ही बढ़ती उत्पादन लागत, जलवायु परिवर्तन, अनियमित वर्षा, ओलावृष्टि व प्राकृतिक आपदाओं जैसी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। ऐसे में विदेशी उत्पादों को अतिरिक्त व्यापारिक रियायतें मिलने से स्थानीय उत्पादकों की आर्थिक स्थिति और अधिक प्रभावित होने की आशंका है। संघ ने अपने आग्रह पत्र में कहा है कि अमेरिकी कृषि उत्पादों को विभिन्न प्रकार की सरकारी सहायता और सब्सिडी प्राप्त होती है, जिसके कारण वे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कम लागत पर उपलब्ध होते हैं। यदि ऐसे उत्पादों को भारतीय बाजार में कम शुल्क के साथ प्रवेश मिलता है तो स्थानीय बागवानों के लिए प्रतिस्पर्धा करना कठिन हो जाएगा। इसका असर सीधे तौर पर किसानों की आय, रोजगार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर दिखाई देगा।

जानकारों का मानना है कि भारत के पर्वतीय क्षेत्रों में बागवानी केवल आर्थिक गतिविधि नहीं बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का भी महत्वपूर्ण हिस्सा है। हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड के लाखों परिवार इस क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। इसलिए किसी भी अंतरराष्ट्रीय व्यापार समझौते में इन क्षेत्रों की विशेष परिस्थितियों और चुनौतियों को ध्यान में रखा जाना आवश्यक है। संघ ने मांग की है कि बागवान संगठनों से व्यापक परामर्श के बाद ही कोई अंतिम निर्णय लिया जाए।

बागवानों की सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता: चौहान

हिमाचल प्रदेश फल, सब्जी एवं फूल उत्पादक संघ के अध्यक्ष हरीश चौहान ने कहा कि न्यूनतम आयात मूल्य जैसी व्यवस्थाएं भारतीय बागवानों को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान नहीं कर सकतीं, क्योंकि वर्तमान में भी अमेरिकी सेब निर्धारित न्यूनतम मूल्य से अधिक कीमत पर भारत में आयात हो रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह किया कि सेब, अखरोट, बादाम तथा अन्य संवेदनशील बागवानी उत्पादों पर मौजूदा आयात शुल्क को यथावत रखा जाए। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश के लाखों बागवानों और उनके परिवारों का भविष्य इस निर्णय से जुड़ा हुआ है तथा उन्हें विश्वास है कि केंद्र सरकार भारतीय बागवानों के हितों की रक्षा करते हुए कोई भी अंतिम फैसला लेगी।

संचालन लंबे इंतजार के बाद मिनी सचिवालय परिसर में शुरू हुआ बोर्ड का संचालन

अब हमीरपुर से चलेगी नशा विरोधी मुहिम

अनंत ज्ञान

विक्रम ढटवालिया, हमीरपुर। लंबे इंतजार के बाद आखिर शिमला से हमीरपुर स्थानांतरित किए गए राज्य नशा निवारण बोर्ड के कार्यालय का संचालन सोमवार से मिनी सचिवालय परिसर के बचत भवन में आरंभ हो गया। बोर्ड के संयोजक एवं सलाहकार नरेश ठाकुर ने सोमवार को मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार सुनील शर्मा बिट्टू और अन्य गणमान्य लोगों की उपस्थिति में इस नए कार्यालय में विधिवत रूप से कार्यभार संभाल लिया।

बोर्ड के कार्यालय की स्थापना के लिए नरेश ठाकुर को बधाई देते हुए सुनील शर्मा बिट्टू ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने प्रदेश में नशे के खिलाफ एक बहुत बड़ा अभियान शुरू किया है। इस अभियान को गति प्रदान करने में बोर्ड का यह कार्यालय महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा। सुनील बिट्टू ने कहा कि नरेश ठाकुर ने विद्यार्थी जीवन से ही विभिन्न संगठनों में कई बड़ी जिम्मेदारियों का बखूबी निर्वहन किया है और राज्य नशा निवारण बोर्ड के संयोजक एवं सलाहकार के रूप में भी वह सरकार, प्रशासन, मीडिया और आम लोगों के सहयोग से नशा विरोधी मुहिम को आगे बढ़ा रहे हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री सुक्खू और सुनील बिट्टू का आभार व्यक्त करते हुए नरेश ने कहा कि हमीरपुर में राज्य नशा निवारण बोर्ड के कार्यालय की स्थापना प्रत्येक हमीरपुरवासी के लिए गर्व का विषय है।

कार्यक्रम में एपीएमसी के अध्यक्ष अजय शर्मा, एसडीएम संजीत सिंह, एचपीएमसी के बीओडी मैंबर राजेश ठाकुर, कौशल विकास निगम की जिला समन्वयक निशा कटोच, कांग्रेस नेता राजेश आनंद, शहनशाह, राजेश चौधरी, मनोज शर्मा, एडवोकेट भाटिया सहित कई उपस्थित थे।

चिट्टे के खिलाफ जंग में लोगों की भागीदारी जरूरी: नरेश

कार्यालय में पहुंचने से पहले नरेश और सुनील बिट्टू समर्थकों के साथ।

इस मौके पर संयोजक नरेश ठाकुर ने कहा कि निश्चित रूप में यह कार्यालय नशा निवारण के क्षेत्र में खासकर चिट्टे को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए हर संभव प्रयास करेगा, लेकिन इसमें लोगों का सहयोग भी मिलना बहुत अहम होगा। वहीं मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार ने भी इस कार्यालय के खुलने पर खुशी जताई और कहा की क्षेत्र वासियों की उम्मीद पर यह कार्यालय खरा उतरेगा।

हिमाचल को मिला पहला एनक्यूएएस पीएचसी

उपलब्धि: चंबा का चनेड़ पीएचसी राष्ट्रीय गुणवत्ता मानक से प्रमाणित

अनंत ज्ञान

चंबा। स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में चंबा जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चनेड़ ने इतिहास रचते हुए हिमाचल का पहला राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एनक्यूएएस) प्रमाणित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनने का गौरव हासिल किया है। इससे पहले भी चनेड़ ने राज्य स्तर पर गुणवत्ता प्रमाणन प्राप्त कर प्रदेश का पहला राज्य-प्रमाणित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनने का कीर्तिमान स्थापित किया था।

इस उपलब्धि को और अधिक गौरवशाली बनाते हुए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चनेड़ ने लगातार छह बार 'कायाकल्प पुरस्कार' प्राप्त किया है। यह सम्मान स्वच्छता, संक्रमण नियंत्रण, रोगी-अनुकूल वातावरण तथा उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति संस्थान की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। राष्ट्रीय मूल्यांकन के दौरान केंद्र ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित किए, जो गुणवत्ता मानकों, रोगी संतुष्टि, संक्रमण नियंत्रण, चिकित्सीय सेवाओं, प्रबंधन व्यवस्था तथा सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाओं में इसके उत्कृष्ट प्रदर्शन का प्रमाण है। यह सफलता स्वास्थ्य विभाग और केंद्र के चिकित्सकों व कर्मचारियों की समर्पित टीम के अथक प्रयासों का परिणाम मानी जा रही है।

राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली के अंतर्गत स्वास्थ्य संस्थानों का मूल्यांकन सेवा प्रदायगी, रोगी अधिकार, मानव संसाधन, आधारभूत संरचना, सहायक सेवाएं, चिकित्सीय सेवाएं, संक्रमण नियंत्रण, गुणवत्ता प्रबंधन तथा स्वास्थ्य परिणामों जैसे विभिन्न मानकों पर किया जाता है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चनेड़ द्वारा 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर राष्ट्रीय स्तर का प्रमाणन हासिल करना न केवल चंबा जिले बल्कि पूरे हिमाचल प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों में भी उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावी ढंग से उपलब्ध कराई जा सकती हैं।

ड्यूटी में लापरवाही करने पर न्यू शिमला थाना प्रभारी को हटाया

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। शिमला पुलिस ने ड्यूटी में कथित लापरवाही और अन्वेषण कार्य में ढिलाई को गंभीरता से लेते हुए, न्यू शिमला थाना के एसएचओ को उनके पद से हटा दिया है। पुलिस विभाग की इस कार्रवाई को प्रशासनिक सख्ती और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार संबंधित अधिकारी को थाना प्रभारी के पद से हटाकर अन्य स्थान पर तैनात किया गया है। बताया जा रहा है कि थाना स्तर पर कार्यों की समीक्षा के दौरान कुछ मामलों में संतोषजनक प्रगति न मिलने और कार्यप्रणाली को लेकर उठे सवालों के बाद यह निर्णय लिया गया। इस कार्रवाई के बाद जिला पुलिस महकमे में स्पष्ट संदेश गया है कि जनता से जुड़े मामलों और जांच कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही को स्वीकार नहीं किया जाएगा। जिला पुलिस लगातार अधिकारियों और कर्मचारियों के कामकाज की समीक्षा कर रही है तथा लंबित मामलों के निपटारे पर विशेष जोर दिया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार अन्वेषण कार्य से जुड़े कुछ मामलों को लेकर यह कार्रवाई की गई है। वहीं हाल के दिनों में सामने आए कुछ घटनाक्रमों के बाद भी पुलिस विभाग ने कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में कदम तेज किए हैं।

◆ एसएसपी बोले- किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं होगी कोताही

उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ जांच की गुणवत्ता और जनता की शिकायतों के समयबद्ध समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। एसएसपी शिमला गौरव सिंह ने कार्रवाई की पुष्टि करते हुए कहा कि पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के कार्यों की नियमित समीक्षा की जा रही है तथा पेशेवर और जवाबदेह पुलिस व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि ड्यूटी के दौरान किसी भी स्तर पर कोताही पाए जाने पर भविष्य में भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

कोटखाई नपं में अध्यक्ष-उपाध्यक्ष के चुनाव में देरी पर भाजपा तल्ख

चेतन बरागटा बोले- जनादेश का सम्मान करते हुए शीघ्र पूरी हो चुनाव प्रक्रिया

कोटखाई नगर पंचायत में अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष चुनाव शीघ्र करवाने की मांग को लेकर एसडीएम को ज्ञापन सौंपते भाजपा नेता चेतन सिंह बरागटा। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। कोटखाई नगर पंचायत में अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के चुनाव में हो रही देरी को लेकर भाजपा नेता एवं प्रदेश आईटी एवं सोशल मीडिया प्रभारी चेतन सिंह बरागटा ने कांग्रेस सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सोमवार को उन्होंने इस संबंध में एसडीएम कोटखाई से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि नगर पंचायत कोटखाई के चुनाव 17 मई 2026 को सफलतापूर्वक सम्पन्न हो चुके हैं और चुनाव परिणाम घोषित हुए भी एक माह से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन अब तक अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव नहीं करवाया गया है। बरागटा ने कहा कि प्रदेश के अन्य नगर निकायों में यह प्रक्रिया समय पर पूरी कर ली गई है, जबकि कोटखाई में चुनाव लंबित रखे गए हैं, जिससे लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनता अपना स्पष्ट जनादेश दे चुकी है और निर्वाचित पार्षद अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए तैयार हैं। ऐसे में अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के चुनाव में लगातार हो रही देरी के कारण नगर पंचायत के नियमित कार्यों और विकास गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। बरागटा ने कहा कि लोकतंत्र में जनता के जनादेश का सम्मान सर्वोपरि होता है तथा सभी संवैधानिक और प्रशासनिक प्रक्रियाएं समयबद्ध तरीके से पूरी की जानी चाहिए। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि नगर पंचायत कोटखाई में अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के चुनाव बिना किसी और विलंब के शीघ्र सम्पन्न करवाए जाएं, ताकि निर्वाचित निकाय पूरी तरह कार्यशील होकर क्षेत्र के विकास कार्यों को गति दे सके। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रशासन इस विषय को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्रवाई करेगा।

सरकार पर एरियर और डीए में भेदभाव करने का आरोप

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश कर्मचारी संघर्ष मोर्चा के संस्थापक प्रवीण शर्मा ने राज्य सरकार पर कर्मचारियों के विभिन्न वर्गों के साथ असमानता बरतने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि पीटीए से नियमित हुए शिक्षकों को उनके एरियर की तीसरी किस्त तक जारी कर दी गई है, जबकि वर्ष 2008 से डीम्ड रेगुलर माने गए शिक्षकों को अब तक केवल एक किस्त ही मिली है। दो वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बावजूद शेष एरियर का भुगतान नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में नियुक्त टीजीटी शिक्षकों को न्यायालय के आदेशों के अनुसार नियुक्ति तिथि से नियमित माना गया था, लेकिन उन्हें अब तक पूरा वित्तीय लाभ नहीं मिल पाया है, जो न्यायालय के आदेशों की भावना के विपरीत है। प्रवीण शर्मा ने कहा कि कर्मचारियों के बीच भेदभाव की यह नीति समाप्त होनी चाहिए और सभी को समान अधिकार एवं सुविधाएं मिलनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के अंतर्गत आने वाले कर्मचारियों को 60 प्रतिशत महंगाई भत्ता दिया जा रहा है, जबकि जीपीएफ कटवाने वाले कर्मचारियों को केवल 45 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार एनपीएस कर्मचारियों के पेंशन फंड में हर माह 14 प्रतिशत अंशदान भी कर रही है, ऐसे में विभिन्न श्रेणियों के कर्मचारियों के साथ अलग-अलग व्यवहार उचित नहीं है। मोर्चा ने सरकार से सभी प्रकार की विसंगतियों और भेदभाव को समाप्त कर समानता का अधिकार सुनिश्चित करने की मांग की।

◆ डीम्ड रेगुलर शिक्षकों को दो वर्ष से नहीं हुआ एरियर का भुगतान

इस अवसर पर वरिष्ठ सलाहकार भारत भूषण, महिला विंग अध्यक्ष रीता डोगरा, अध्यक्ष अमन शर्मा, डॉ. अरुण दत्त, मीनाक्षी हांडा, अजय शर्मा, संजीव मलगोत्रा, शैलेंद्र सूद सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

स्व. वीरभद्र सिंह की 93वीं जयंती पर रिज मैदान में होगा कार्यक्रम

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता स्वर्गीय राजा वीरभद्र सिंह की 93वीं जयंती के अवसर पर 23 जून को शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान में एक भव्य श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। राजा वीरभद्र सिंह फाउंडेशन की ओर से जारी सूचना के अनुसार कार्यक्रम में प्रदेश के राज्यपाल, मुख्यमंत्री सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति भाग लेंगे और स्वर्गीय राजा वीरभद्र सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे। कार्यक्रम को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं तथा बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की संभावना है। जारी समय-सारिणी के अनुसार प्रातः 9:05 बजे राज्यपाल का आगमन होगा, जिसके बाद 9:07 बजे राजा वीरभद्र सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जाएगा। वहीं मुख्यमंत्री का आगमन 10:30 बजे निर्धारित है तथा 10:32 बजे वह प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। इसके बाद 10:35 बजे अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा भी श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। राजा वीरभद्र सिंह फाउंडेशन के मैनेजिंग ट्रस्टी राज पाल मच्छान ने ट्रस्ट के सदस्यों और शिमला शहरवासियों से कार्यक्रम में भाग लेकर स्वर्गीय राजा वीरभद्र सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करने का आग्रह किया है।

◆ मुख्यमंत्री आज सुबह 10:32 बजे प्रतिमा पर करेंगे माल्यार्पण

पीएमजेजेबीवाई के तहत परिवार को मिली 2 लाख की मदद

अनंत ज्ञान, ब्यूरो, शिमला। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत यूको बैंक की दुर्गापुर शाखा ने मृतक खाताधारक स्वर्गीय मोहन लाल की नामिती राधा देवी को 2 लाख की बीमा दावा राशि प्रदान कर सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की उपयोगिता का सशक्त उदाहरण प्रस्तुत किया है। दावा राशि का वितरण वित्तीय सेवा विभाग, भारत सरकार के निदेशक विवेक गुप्ता तथा एसएलबीसी संयोजक एवं यूको बैंक शिमला के अंचल प्रमुख कमल शर्मा की उपस्थिति में किया गया। अधिकारियों ने कहा कि ऐसी योजनाएं जरूरत के समय प्रभावित परिवारों को आर्थिक संबल प्रदान कर उनके जीवन में राहत का माध्यम बन रही हैं। इस अवसर पर कमल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना देश में वित्तीय समावेशन को मजबूत करने वाली महत्वपूर्ण पहल हैं। उन्होंने बैंकों से मिशन मोड में कार्य करते हुए प्रत्येक पात्र नागरिक तक इन योजनाओं का लाभ पहुंचाने का आह्वान किया, ताकि सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का पूर्ण संतृप्तिकरण सुनिश्चित हो सके।

किराये के कमरे से 6 ग्राम चिट्टा बरामद, तीन युवक गिरफ्तार

अनंत ज्ञान

शिमला। ढली क्षेत्र में पुलिस ने मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक किराये के कमरे से करीब 6 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) बरामद किया है। इस मामले में तीन युवकों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 21 जून को ढली थाना की टीम क्षेत्र में गश्त और नशे की रोकथाम के अभियान पर थी। इसी दौरान पुलिस को विश्वसनीय सूचना मिली कि विकास कॉलोनी, ढली में एक किराये के कमरे में कुछ युवक मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त में शामिल हैं और उनके पास चिट्टा मौजूद है। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर दबिश दी। तलाशी के दौरान कमरे से करीब 6 ग्राम चिट्टा, एक डिजिटल वजन मशीन और एक सिरिंज बरामद की गई। पुलिस का कहना है कि डिजिटल वजन मशीन की बरामदगी से यह आशंका जताई जा रही है कि मादक पदार्थों की तौल कर उनकी खरीद-फरोख्त की जा रही थी। मौके पर मौजूद तीन युवकों को पुलिस ने हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया। उनकी पहचान 23 वर्षीय सौरभ, निवासी गांव पुणग, तहसील ननखड़ी, 30 वर्षीय पंकज कुमार, निवासी गांव धारन, तहसील ननखड़ी और 27 वर्षीय विक्रांत, निवासी ननखड़ी, जिला शिमला के रूप में हुई है। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ पुलिस थाना ढली में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 और 29 के तहत मामला दर्ज किया है। मामले की जांच जारी है और यह पता लगाया जा रहा है कि चिट्टा कहां से लाया गया था तथा इसमें और कौन-कौन लोग शामिल हो सकते हैं।

मुख्यमंत्री सुक्खू से लगाई खाली पद जल्द भरने की गुहार

खुचनची स्कूल में अध्यापकों की कमी पर एसएमसी ने जताई चिंता

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला खुचनची, जिला मंडी में आधारभूत सुविधाओं की कमी और लंबे समय से रिक्त पड़े शिक्षकों व कर्मचारियों के पदों को लेकर स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपकर त्वरित हस्तक्षेप की मांग की है। समिति का कहना है कि विद्यालय में प्रधानाचार्य, प्रवक्ता गणित, कला अध्यापक, शारीरिक शिक्षक, कार्यालय सहायक और क्लर्क सहित कई महत्वपूर्ण पद खाली हैं, जिससे विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। एसएमसी ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए इन पदों को शीघ्र भरना आवश्यक है। शिमला से जारी प्रेस बयान में समिति ने ज्ञापन में विद्यालय परिसर की सुरक्षा और विद्यार्थियों की सुविधाओं से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दे भी उठाए हैं। एसएमसी के अनुसार स्कूल में रिटेनिंग वॉल और बाउंड्री वॉल का निर्माण अत्यंत जरूरी है, ताकि परिसर को सुरक्षित बनाया जा सके। इसके अलावा विद्यार्थियों और स्टाफ के लिए अतिरिक्त शौचालय, मिड-डे मील व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए किचन शेड तथा खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए खेल मैदान के विकास हेतु पर्याप्त बजट उपलब्ध करवाने की मांग भी की गई है। समिति का कहना है कि इन सुविधाओं के अभाव में विद्यार्थियों को रोजमर्रा की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। एसएमसी ने विद्यालय के नए भवन निर्माण कार्य को जल्द पूरा करने के लिए आवश्यक धनराशि जारी करने का भी आग्रह किया है। समिति का कहना है कि बेहतर शैक्षणिक वातावरण और आधुनिक सुविधाएं विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए बेहद जरूरी हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से विद्यार्थियों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की है। स्कूल प्रबंधन समिति को उम्मीद है कि सरकार के हस्तक्षेप से विद्यालय की वर्षों पुरानी समस्याओं का समाधान होगा और क्षेत्र के विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा।

नशे के इंजेक्शन के बाद युवक की मौत, दोस्त पर एफआईआर

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद चिट्टे के सेवन को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। आरोप है कि युवक ने अपने दोस्त के साथ मिलकर कथित तौर पर चिट्टे का इंजेक्शन लिया था, जिसके कुछ समय बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई और उसकी मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने मृतक के दोस्त के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह मामला शिमला जिले के ठियोग क्षेत्र का है। पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार 21 वर्षीय हरदीप सिंह ने बताया कि वह एक निजी होटल में सर्विस ब्वॉय (वेटर) के रूप में काम करता है। वह होटल की ओर से उपलब्ध कराए गए आवास में अपने दो साथियों उमेश और करण के साथ रह रहा था। हरदीप के मुताबिक 19 जून की रात करण का दोस्त बलवंत उर्फ रवि रावत उनके कमरे में आया। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि आधी रात को करण और बलवंत ने एक सफेद गांठ जैसी सामग्री को पानी के साथ चम्मच में गर्म किया। शिकायतकर्ता के अनुसार इसके बाद उस पदार्थ को सिरिंज में भरकर इंजेक्शन तैयार किया गया। आरोप है कि सबसे पहले करण को इंजेक्शन लगाया गया और फिर बलवंत ने खुद को इंजेक्शन लगाया। कुछ समय बाद दोनों ने दोबारा इंजेक्शन का इस्तेमाल किया। हरदीप सिंह ने शिकायत में कहा है कि इंजेक्शन लेने के बाद करण की तबीयत बिगड़ने लगी और बाद में उसकी मौत हो गई। शिकायतकर्ता का आरोप है कि जिस पदार्थ का इंजेक्शन लगाया गया, उसकी प्रतिक्रिया के कारण करण की जान गई। पुलिस शिकायत में इस पदार्थ को चिट्टा बताया गया है, हालांकि इसकी पुष्टि जांच और फोरेंसिक रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर बलवंत उर्फ रवि रावत के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 105 और 351(2) के तहत मामला दर्ज किया है। मामले की जांच की जा रही है और पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई।

होटल रॉयल रिजेंसी में भरे जाएंगे तीन पद

उपरोजगार कार्यालय मशोबरा में कल होंगे साक्षात्कार

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। जिला शिमला के युवाओं के लिए निजी क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने का एक महत्वपूर्ण अवसर सामने आया है। क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय शिमला द्वारा 24 जून को उप रोजगार कार्यालय मशोबरा में कैंपस इंटरव्यू का आयोजन किया जा रहा है। इस भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से ढली बाईपास स्थित होटल रॉयल रिजेंसी में यूटिलिटी वर्कर, वेटर और स्टीवर्ड के कुल तीन पद भरे जाएंगे। क्षेत्रीय रोजगार अधिकारी प्रवीन नगराइक ने बताया कि 19 से 25 वर्ष आयु वर्ग के पुरुष एवं महिला अभ्यर्थी इस इंटरव्यू में भाग ले सकते हैं। इंटरव्यू का आयोजन प्रातः 10:30 बजे से शुरू होगा और चयनित उम्मीदवारों को आतिथ्य क्षेत्र में कार्य करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि इन पदों के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता बारहवीं पास तथा स्नातक निर्धारित की गई है। चयनित अभ्यर्थियों को 12 हजार से 14 हजार रुपए प्रतिमाह मानदेय प्रदान किया जाएगा। रोजगार अधिकारी ने स्पष्ट किया कि इंटरव्यू में भाग लेने के लिए आवेदक का नाम रोजगार कार्यालय में ऑनलाइन पंजीकृत होना अनिवार्य है। जिन युवाओं ने अभी तक पंजीकरण नहीं करवाया है, वे ईएमआईएस पोर्टल के माध्यम से घर बैठे ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। उन्होंने अधिक से अधिक पात्र युवाओं से इस अवसर का लाभ उठाने का आह्वान करते हुए कहा कि भर्ती प्रक्रिया संबंधी किसी भी अतिरिक्त जानकारी के लिए 98173-96834 पर संपर्क किया जा सकता।

डेवलपमेंट मैनेजर के दो और लाइफ मित्र के 10 पदों के लिए आज और कल होंगे इंटरव्यू

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय शिमला द्वारा भारतीय स्टेट बैंक लाइफ, रोहड़ू के सहयोग से डेवलपमेंट मैनेजर और लाइफ मित्र (वित्तीय सलाहकार) के पदों को भरने के लिए 23 और 24 जून को कैंपस इंटरव्यू आयोजित किए जा रहे हैं। क्षेत्रीय रोजगार अधिकारी प्रवीण नगराईक ने बताया कि 23 जून को उपरोजगार कार्यालय चिड़गांव तथा 24 जून को उपरोजगार कार्यालय रोहड़ू में प्रातः 10:30 बजे से साक्षात्कार प्रक्रिया शुरू होगी। यह भर्ती पुरुष एवं महिला दोनों वर्गों के लिए होगी, जिससे क्षेत्र के शिक्षित युवाओं को निजी क्षेत्र में करियर बनाने का अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि नियमित आधार पर डेवलपमेंट मैनेजर के दो पद भरे जाएंगे, जिनके लिए स्नातक उत्तीर्ण अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। चयनित उम्मीदवारों को प्रतिमाह 20 हजार रुपए मानदेय के साथ अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की जाएगी। वहीं, 30 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए पार्ट टाइम आधार पर लाइफ मित्र (वित्तीय सलाहकार) के 10 पद उपलब्ध हैं, जिनके लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता बारहवीं पास निर्धारित की गई है। इन पदों पर मानदेय कमीशन एवं लक्ष्य आधारित रहेगा। इच्छुक उम्मीदवारों का पंजीकरण भी है, वे ईईएमआईएस पोर्टल पर घर बैठे ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी 98174-09101 पर संपर्क कर सकते हैं।

दिशा बैठक शिमला से लोकसभा सांसद सुरेश कश्यप की अध्यक्षता में हुई दिशा की बैठक में बनी सहमति

40 से अधिक केंद्रीय योजनाओं को रफ्तार देने का खाका तैयार

अनंत ज्ञान

दिशा समिति की बैठक की अध्यक्षता करते लोकसभा सांसद सुरेश कश्यप। अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। राजधानी शिमला में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक केवल योजनाओं की समीक्षा तक सीमित नहीं रही, अपितु यह विकास कार्यों की रफ्तार, जवाबदेही और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का महत्वपूर्ण मंच बनकर उभरी। सांसद सुरेश कश्यप की अध्यक्षता में हुई बैठक में केंद्र सरकार की विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं की प्रगति का विस्तृत आकलन किया गया तथा अधिकारियों को स्पष्ट संदेश दिया गया कि विकास कार्यों में अनावश्यक विलंब किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता करते हुए सांसद सुरेश कश्यप ने कहा कि वर्षों से लंबित परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए तथा विकास कार्यों को किसी भी कारण से अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए। उन्होंने कहा कि पिछली दिशा बैठक में दिए गए निर्देशों का अधिकांश विभागों ने प्रभावी पालन किया है, जिसके सकारात्मक परिणाम धरातल पर दिखाई देने लगे हैं। उन्होंने सभी विभागों से केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक समयबद्ध ढंग से पहुंचाने का आह्वान किया। बैठक में विशेष रूप से प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, जल जीवन मिशन, अमृत योजना, सांसद निधि, पंचायती राज संस्थाओं के तहत 15वें वित्त आयोग के कार्यों सहित अनेक केंद्रीय योजनाओं की समीक्षा की गई। सड़क संपर्क के क्षेत्र में शिमला, रोहड़ू और रामपुर सर्किलों में चल रही परियोजनाओं की प्रगति का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया। सांसद ने विशेष रूप से उन परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करने पर बल दिया जिनका सीधा संबंध ग्रामीण क्षेत्रों की आवाजाही और आर्थिक गतिविधियों से है। विद्युत क्षेत्र की समीक्षा के दौरान पुनर्गठित वितरण क्षेत्र योजना के तहत चल रहे कार्यों पर चर्चा हुई। अधिकारियों ने बताया कि बिजली वितरण तंत्र के आधुनिकीकरण, स्मार्ट मीटर स्थापना तथा तकनीकी हानियों में कमी लाने के लिए करोड़ों रुपये की परियोजनाओं क्रियान्वित की जा रही हैं। सांसद ने सभी विद्युत सर्किलों में निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने तथा उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कृषि, पशुपालन, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, उद्योग, सामाजिक सुरक्षा और आजीविका मिशन जैसी योजनाओं की समीक्षा के दौरान विभागों ने उपलब्धियों का विवरण प्रस्तुत किया। बैठक में बताया गया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, आयुष्मान भारत, टीबी उन्मूलन कार्यक्रम, मनरेगा तथा स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी योजनाओं में जिला शिमला ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। सांसद ने कहा कि विकास की वास्तविक सफलता तभी मानी जाएगी जब योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और लोगों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव दिखाई दे। बैठक में विधायक बलबीर वर्मा, विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष फोकस

बैठक में स्मार्ट सिटी मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, पोषण अभियान तथा अन्य प्रमुख योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त अनुपम कश्यप एवं अतिरिक्त उपायुक्त सचिन शर्मा ने विभिन्न विभागों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए सांसद को आश्वस्त किया कि बैठक में दिए गए सभी निर्देशों का समयबद्ध अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा।

जनसमस्याओं को लेकर सांसद को सौंपा ज्ञापन

समस्याओं को लेकर सांसद सुरेश कश्यप को ज्ञापन सौंपते लोग। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। शिमला शहर के प्रतिबंधित मार्गों पर रहने वाले स्थानीय निवासियों की वर्षों पुरानी समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर एक प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को उपायुक्त कार्यालय में सांसद सुरेश कश्यप को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में भाजपा नेता कर्ण नंदा, श्याम शर्मा, कृष्ण गुप्ता और शांता कुमार शामिल रहे। उन्होंने सांसद को बताया कि जाखू, यू.एस. क्लब, बेनमोर और कनलोग क्षेत्र के ऊपरी हिस्सों में रहने वाले सैकड़ों परिवार वाहन परमिट व्यवस्था के कारण लंबे समय से परेशान हैं। प्रतिनिधिमंडल ने स्थायी निवासियों के लिए दीर्घकालिक रेजिडेंट पास जारी करने, परमिट शुल्क में कमी, सिंगल विंडो प्रणाली लागू करने तथा स्थानीय निवासियों को प्रतिबंधित मार्गों के नियमों में विशेष छूट देने की मांग उठाई। सांसद सुरेश कश्यप ने आश्वस्त किया कि स्थानीय लोगों की समस्याओं को संबंधित विभागों और प्रदेश सरकार के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

ढाटी स्कूल में विद्यार्थियों व शिक्षकों ने किया योग

अनंत ज्ञान, डरोह। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ढाटी में योग शिविर आयोजित किया गया। विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने सूर्य नमस्कार, विभिन्न योगासन और प्राणायाम का अभ्यास किया। प्रधानाचार्या अंजू शर्मा ने योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने पर बल देते हुए कहा कि योग शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक है।

स्टूडेंट्स ने नशे के खिलाफ निकाली जारुकता रैली

अनंत ज्ञान, डाडासीबा। राजकीय उच्च विद्यालय रोड़ी-कोड़ी में नशा मुक्ति अभियान के तहत छात्रों और शिक्षकों ने जागरुकता रैली निकाली। रैली का उद्देश्य युवाओं एवं आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना था। विद्यार्थियों ने 'नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो', 'स्वस्थ युवा, सशक्त भारत' तथा 'नशे से दूर रहें, जीवन को खुशहाल बनाएं' जैसे नारों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। मुख्याध्यापक लेखराज ने कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज के लिए घातक है। उन्होंने विद्यार्थियों से नशे से दूर रहने और दूसरों को भी जागरूक करने का आह्वान किया।

योग से तन-मन स्वस्थ रखने का दिया संदेश

अनंत ज्ञान, डरोह। संभाग उत्तर हिमाचल, भाग कांगड़ा, अंचल पालमपुर के संच थुरल द्वारा गांव नलेहर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ओम् उच्चारण, गायत्री मंत्र, हनुमान चालीसा एवं ध्येय वाक्य से हुआ। मुख्य अतिथि जोगेश राणा, प्रभारी संजय कुमार, अंचल अभियान प्रमुख मोनिका शर्मा, अंचल गतिविधि प्रमुख निशा सहित विद्यालय के विद्यार्थी एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। इस अवसर पर ताड़ासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन, उष्ट्रासन, भद्रासन, वज्रासन, मकरासन, भुजंगासन, पवनमुक्तासन तथा कपालभाति का अभ्यास करवाया गया।

दरिणी स्कूल में एसएमसी का किया गठन

अनंत ज्ञान, शाहपुर। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय दरिणी में प्रधानाचार्य नरेंद्र शर्मा की उपस्थिति में विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) का पुनर्गठन किया गया। बैठक में रिशिपाल को एसएमसी प्रधान तथा रीना शर्मा को उपप्रधान चुना गया। समिति में अभिभावकों, शिक्षकों और पंचायत प्रतिनिधियों को सदस्य बनाया गया। प्रधानाचार्य नरेंद्र शर्मा ने नवगठित समिति को बधाई देते हुए विद्यालय के विकास एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया।

मनसिंबल में श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

अनंत ज्ञान, डरोह। परम पिता परमात्मा और साईं बाबा की कृपा से सोमवार को साईं मंदिर मनसिंबल भवारना में साप्ताहिक श्रीमद् भागवत कथा अमृत वर्षा का विधिवत शुभारंभ हुआ। प्रथम दिन भव्य कलश यात्रा साईं मंदिर से प्रारंभ होकर भवारना चौक तक निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। जिला कांगड़ा पूर्वी के प्रधान रोशन रैना ने बताया कि कथा 22 से 28 जून तक चलेगी तथा प्रतिदिन दोपहर 2 से 5 बजे तक अनिल डोहेरू जी द्वारा कथा वाचन किया जाएगा।

लोअर बोदा, सिहोटू, मोलग में कल बिजली कट

अनंत ज्ञान, डरोह। 11 केवी डरोह लाइन के आवश्यक रखरखाव (मेंटेनेंस) कार्य के कारण 24 जून को लोअर बोदा, सिहोटू,मलोग, अटिआलादाई बस्केहड़ आदि गांवों में प्रातः 9:00 बजे से लेकर कार्य समाप्ति तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। बिजली विभाग ने उपभोक्ताओं से अनुरोध है कि निर्धारित अवधि के दौरान अपने आवश्यक कार्य पहले से ही निपटा लें तथा विद्युत बोर्ड का सहयोग करें।

अजय कुमार दूसरी बार बने एसएमसी प्रधान

अनंत ज्ञान, डाडासीबा। बाबा काशीराम पीएम श्री राजकीय उत्कृष्ट वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला डाडासीबा में सोमवार को स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) के प्रधान पद का चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ। प्रधानाचार्य सुदर्शन कुमार की अध्यक्षता में हुए चुनाव में अजय कुमार और प्रवीन कुमारी उम्मीदवार थे। कुल 94 मतों में अजय कुमार को 56 तथा प्रवीन कुमारी को 37 मत मिले, जबकि एक मत अमान्य रहा। अजय कुमार को विजयी घोषित किया गया। यह उनकी लगातार दूसरी जीत है। मोहित शर्मा को उपाध्यक्ष चुना गया। प्रधानाचार्य ने नवनिर्वाचित टीम को बधाई देते हुए विद्यालय के सर्वांगीण विकास में सक्रिय भूमिका निभाने की उम्मीद जताई।

डाडासीबा में विधायक बिक्रम ने किया पौधरोपण

अनंत ज्ञान, परागपुर। जसवां-परागपुर विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या 30 डाडासीबा-2 बतवाड़ में सोमवार को विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विधायक बिक्रम ठाकुर ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने का आह्वान किया। विधायक ने कहा कि प्रकृति की रक्षा हम सभी का सामूहिक दायित्व है और पौधारोपण आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने डाडासीबा में वरिष्ठ नागरिकों से भेंट कर केंद्र सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।

जंगलों में आग के 80 मामले; 347 हेक्टेयर वन क्षेत्र प्रभावित, 92 लाख का नुकसान

सराह और बंडी में रविवार शाम लगी आग पर साढ़े चार घंटे की मशक्कत के बाद पाया काबू

अनंत ज्ञान

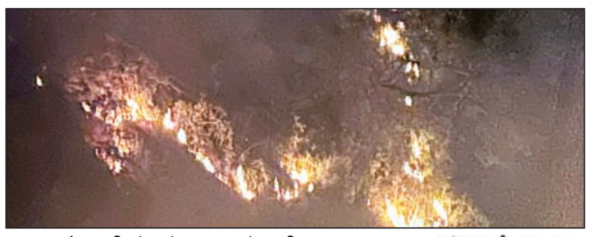

सराह और बंडी क्षेत्र के जंगल में लगी आग। अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। धर्मशाला वन मंडल के तहत जंगलों में आग लगने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। रविवार को धर्मशाला शहर के नजदीक सराह और बंडी क्षेत्र में जंगलों में आग लगने के दो मामले सामने आए। वन विभाग की टीम ने करीब चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। वहीं, डीएफओ धर्मशाला अमित शर्मा ने बताया कि दोनों आगजनी की घटनाएं रविवार शाम करीब साढ़े पांच बजे रिपोर्ट हुई थीं।

सूचना मिलते ही वन विभाग के कर्मचारियों को मौके पर भेज दिया गया और रात करीब साढ़े नौ बजे तक आग को पूरी तरह बुझा दिया गया। उन्होंने कहा कि अधिकांश मामलों में लोग अपनी घासनियों की सफाई के लिए आग लगाते हैं, जो बाद में फैलकर जंगलों तक पहुंच जाती है और बड़े नुकसान का कारण बनती है।

डीएफओ के अनुसार, वन विभाग के ऑनलाइन पोर्टल पर अब तक जंगलों में आग लगने के 78 मामले दर्ज किए गए हैं। रविवार को सराह और बंडी में लगी आग के मामलों को पोर्टल पर अपडेट करने के बाद इनकी संख्या बढ़कर 80 हो जाएगी। इन घटनाओं से अब तक करीब 347 हेक्टेयर वन क्षेत्र प्रभावित हुआ है तथा प्रथम आकलन के अनुसार वन मंडल धर्मशाला को करीब 92 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। अमित शर्मा ने बताया कि आग से हुए नुकसान का अंतिम आकलन बरसात के बाद सेकेंड टियर मॉनिटरिंग के दौरान किया जाता है। इस दौरान प्रभावित क्षेत्रों में पौधरोपण किया जाता है और कई पौधे प्राकृतिक रूप से फिर से जीवित हो जाते हैं, जिससे वास्तविक नुकसान के आंकड़ों में कमी आ सकती है। उन्होंने कहा कि जंगलों में आग बुझाना बेहद चुनौतीपूर्ण कार्य है। पहाड़ी क्षेत्रों का दुर्गम भूभाग, 60 से 70 प्रतिशत तक की ढलान, तेज हवाएं और पानी की कमी आग बुझाने के अभियान को और कठिन बना देती है। कई बार कर्मचारियों को पीने का पानी भी अपने साथ लेकर जाना पड़ता है। ऐसे में फायर लाइन बनाकर आग को फैलने से रोकने का प्रयास किया जाता है। डीएफओ ने कहा कि वन विभाग के लिए सबसे महत्वपूर्ण आग बुझाने में जुटे कर्मचारियों और ग्रामीणों की सुरक्षा है। इसके बावजूद विभाग की पूरी कोशिश रहती है कि जंगलों में लगी आग पर जल्द से जल्द काबू पाया जाए और वन संपदा को अधिक नुकसान से बचाया जा सके।

उतराला से सीता रमणी तक सड़क की बदहाली पर दी आंदोलन की चेतावनी

अनंत ज्ञान

जितेंद्र कौशल, बैजनाथ। जिला परिषद सदस्य शुभम कपूर ने उतराला रोड (पपरोला) से सीता रमणी तक सड़क की जर्जर स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए शासन और प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग की है।

उन्होंने कहा कि सड़क की हालत अत्यंत दयनीय हो चुकी है, जिससे क्षेत्र के लोगों को रोजाना भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शुभम कपूर ने बताया कि इस मार्ग से जुड़े फटाहर, माधोनगर, ग्वाल टिक्कर, कंदराल तथा हरेड सहित कई गांवों के लोग लंबे समय से टूटी सड़क, बड़े-बड़े गड्ढों और धूल-मिट्टी की समस्या से जूझ रहे हैं। सड़क की खराब स्थिति के कारण विद्यार्थियों, बुजुर्गों, महिलाओं और वाहन चालकों का आवागमन जोखिम भरा हो गया है। उन्होंने कहा कि यह सड़क हजारों लोगों के लिए जीवनरेखा का कार्य करती है, लेकिन लगातार उपेक्षा के चलते क्षेत्रवासियों में भारी रोष व्याप्त है। जनप्रतिनिधि होने के नाते उन्होंने सरकार और संबंधित विभागों से मांग की कि जनहित को सर्वोपरि रखते हुए अगले 15 दिन के भीतर सड़क की मरम्मत और सुधार कार्य युद्धस्तर पर शुरू किया जाए। शुभम कपूर ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि निर्धारित समयावधि के भीतर सड़क सुधार कार्य शुरू नहीं किया गया तो क्षेत्र की जनता अपने अधिकारों की रक्षा के लिए लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करने को मजबूर होगी। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में उत्पन्न होने वाली किसी भी जन-असुविधा की जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी। उन्होंने दोहराया कि क्षेत्र की जनता अब केवल आश्वासनों से संतुष्ट नहीं है, बल्कि धरातल पर सड़क सुधार कार्य होते हुए देखना चाहती है। उन्होंने मांग की कि उतराला रोड (पपरोला) से सीता रमणी तक सड़क का शीघ्र सुधार कर क्षेत्रवासियों को सुरक्षित, सुगम और बेहतर आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

विवेकानंद मेडिकल इंस्टीट्यूट में जीवन रक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

अनंत ज्ञान

प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ करते डॉ. विमल राय दुबे। अनंत ज्ञान

अजय पाल, पालमपुर। विवेकानंद मेडिकल इंस्टीट्यूट पालमपुर में सोमवार को एआईआईएमएस जोधपुर के विशेषज्ञों की ओर से आयोजित अमेरिकन हर्ट एसोसिएशन प्रमाणित बेसिक लाइफ सपोर्ट एवं एडवांस्ड कार्डियक लाइफ सपोर्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ यूनिट हेड एयर कमोडोर (डॉ.) विमल राय दुबे ने किया।

डॉ. दुबे ने कहा कि आपातकालीन चिकित्सा में त्वरित एवं सही निर्णय मरीज के जीवन और मृत्यु के बीच अंतर पैदा कर सकता है। ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम स्वास्थ्यकर्मियों की दक्षता, आत्मविश्वास व आपातकालीन परिस्थितियों में कार्य करने की क्षमता को सुदृढ़ बनाते हैं। उन्होंने जोधपुर से आए विशेषज्ञ संकाय सदस्यों का स्वागत करते हुए उनके योगदान की सराहना की। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए डॉ. कुलदीप बाघ के विशेष प्रयासों की प्रशंसा की, जिन्होंने इंस्ट्रक्टर कोर्स पूर्ण कर अपने सहयोगियों को प्रेरित किया और इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को संस्थान में आयोजित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डॉ. दुबे ने रिया, सोनिका एवं डॉ. शैफाली के उत्साह एवं समर्पण की भी सराहना की, जिन्होंने उन्नत जीवन रक्षक प्रशिक्षण के प्रति अन्य सहयोगियों को प्रेरित करने का उदाहरण प्रस्तुत किया। दो दिवसीय इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विवेकानंद मेडिकल इंस्टीट्यूट तथा कैप्टन सौरभ कालिया मेमोरियल नर्सिंग कॉलेज के चिकित्सक एवं नर्सिंग अधिकारी भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को जीवन रक्षक तकनीकों में प्रशिक्षित कर आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता को और अधिक सुदृढ़ बनाना है।

टांडा मेडिकल कॉलेज पार्किंग शुल्क मामला पहुंचा उपभोक्ता अदालत

शिकायतकर्ता अभिषेक ने उठाए अस्पताल परिसर में उपभोक्ताओं के शोषण के गंभीर सवाल

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। डॉ. राजेंद्र प्रसाद राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय टांडा में पार्किंग शुल्क को लेकर शुरू हुआ विवाद अब जिला उपभोक्ता आयोग, धर्मशाला की अदालत में पहुंच गया है। ज्वालामुखी निवासी एवं अधिवक्ता अभिषेक पाधा ने अस्पताल परिसर में पार्किंग के नाम पर कथित अवैध वसूली, मनमाने शुल्क निर्धारण, त्रुटिपूर्ण रसीदें और उपभोक्ताओं के साथ हो रहे आर्थिक शोषण को चुनौती देते हुए उपभोक्ता शिकायत दायर की है।

शिकायत में आरोप लगाया कि अस्पताल परिसर में आने वाले मरीजों, उनके परिजनों और आम नागरिकों से पार्किंग के नाम पर निर्धारित समय से अधिक शुल्क वसूला जा रहा है। इसके अतिरिक्त पार्किंग के लिए जारी की जा रही रसीदों में पारदर्शिता का अभाव है तथा शुल्क निर्धारण की प्रक्रिया भी सवालों के घेरे में है। मामले की सुनवाई के दौरान टांडा मेडिकल कॉलेज के विधि अधिकारी तथा पार्किंग ठेकेदार अपने अधिवक्ता के माध्यम से जिला उपभोक्ता आयोग में उपस्थित हुए। सुनवाई के दौरान माननीय आयोग ने विपक्षी पक्षों को शिकायतकर्ता द्वारा दायर शिकायत पर जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए तथा अगली सुनवाई के लिए 25 जुलाई की तिथि निर्धारित की। सुनवाई के दौरान आयोग ने टांडा मेडिकल कॉलेज प्रशासन को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि अस्पताल परिसर की पार्किंग में किसी भी उपभोक्ता से निर्धारित शुल्क से अधिक राशि वसूल न की जाए। शिकायतकर्ता ने कहा कि यह मामला केवल उनके व्यक्तिगत हित का नहीं बल्कि उन हजारों मरीजों, परिजनों और आम नागरिकों के अधिकारों से जुड़ा हुआ है जो प्रतिदिन अस्पताल पहुंचते हैं और पार्किंग व्यवस्था के माध्यम से आर्थिक बोझ का सामना करते हैं। उन्होंने कहा कि टांडा मेडिकल कॉलेज कोई पर्यटन स्थल, मॉल या निजी व्यवसायिक परिसर नहीं है जहाँ एक मोटरसाइकिल वाले मरीज से रोज का 200 रुपए पार्किंग शुल्क वसूला जाए। अस्पताल वह स्थान है जहां व्यक्ति पहले से बीमारी, मानसिक तनाव और आर्थिक कठिनाइयों से जूझते हुए पहुंचता है। ऐसे स्थान पर जनसेवा की भावना सर्वोपरि होनी चाहिए, न कि आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने वाली व्यवस्थाएं। अभिषेक पाधा ने कहा कि वह इस मामले को अपने स्तर पर उपभोक्ता अदालत तक लेकर गए हैं और उपभोक्ता आयोग जो भी निर्णय देगा, वह उन्हें स्वीकार होगा। टांडा मेडिकल कॉलेज की भूमि राय बहादुर जोधामल ने यह सोचकर दान नहीं की थी कि आने वाले वक्त में इस परिसर में मरीजो से नाजायज उगाही की जाएगी

2027 तक 142 अरब डॉलर की दवाओं के पेटेंट होंगे समाप्त: शांता

अनंत ज्ञान, पालमपुर। पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री शांता कुमार ने कहा है कि भारत के सामने दवा उद्योग के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक और स्वर्णिम अवसर आने वाला है, जिसका लाभ उठाकर देश में सैकड़ों नए उद्योग स्थापित किए जा सकते हैं तथा लाखों लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया जा सकता है। उन्होंने केंद्र सरकार से इस दिशा में ठोस योजना बनाने का आग्रह किया है। शांता ने सोमवार को एक बयान में बताया कि वर्ष 2027 के अंत तक विश्वभर में लगभग 142 अरब डॉलर मूल्य की अनेक दवाओं के पेटेंट समाप्त होने जा रहे हैं। किसी भी दवा कंपनी द्वारा लंबे शोध और भारी निवेश के बाद विकसित की गई दवा पर 20 वर्षों तक उसका पेटेंट अधिकार रहता है। इस अवधि के दौरान अन्य कंपनियां उस दवा का उत्पादन नहीं कर सकतीं और उसे ब्रांडेड दवा कहा जाता है। पेटेंट अवधि समाप्त होने के बाद अन्य कंपनियां भी उसी दवा का निर्माण कर सकती हैं, जिसे जेनरिक दवा कहा जाता है।

सुक्खू सरकार के कारण प्रदेश में हत्या, लूट और संगठित अपराधों में हुई वृद्धि: राकेश

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश भाजपा प्रवक्ता राकेश शर्मा ने सुक्खू सरकार पर प्रदेश को आर्थिक बदहाली की ओर धकेलने का आरोप लगाया है। धर्मशाला से जारी बयान में उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में कर्मचारी और पेंशनभोगियों को समय पर वेतन नहीं मिल रहा, जबकि आउटसोर्स कर्मचारी भी महीनों से भुगतान का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने हिम केयर और आयुष्मान भारत योजनाओं को कमजोर करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा

कि सुक्खू सरकार के कारण प्रदेश में हत्या, लूट और संगठित अपराधों में वृद्धि हुई। प्रदेश में कानून-व्यवस्था बिगड़ रही है और विकास कार्य ठप पड़े हैं। उन्होंने खनन और वन माफिया के सक्रिय होने तथा राजस्व नुकसान का दावा किया। साथ ही बेरोजगारी बढ़ने और चुनावी गारंटियों के पूरा न होने की बात कही।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अंधाधुंध कर्ज लेकर फिजूलखर्ची कर रही है और जनविरोधी फैसले ले रही है। शर्मा ने कहा कि प्रदेश में लगातार धरने-प्रदर्शन हो रहे हैं और जनता असंतुष्ट है। उन्होंने केंद्र सरकार की नीतियों को हिमाचल के विकास में सहायक बताया और राज्य सरकार से जवाबदेही तय करने की मांग की।

धीरा में कांग्रेस सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ किया प्रदर्शन

विधायक विपिन परमार की अध्यक्षता में किया प्रदर्शन। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

राकेश डोगरा, डरोह। कांग्रेस सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ सोमवार को धीरा में सुलह विधानसभा क्षेत्र के विधायक विपिन सिंह परमार की अध्यक्षता में आयोजित जनाक्रोश प्रदर्शन में क्षेत्र की जनता की आवाज बुलंद की।

इस अवसर पर नौरा एवं थुरल महाविद्यालयों में विज्ञान संकाय की कक्षाएं बंद किए जाने, ग्रामीण क्षेत्रों की बस सेवाएं बंद करने, सिंचाई कूहलों की बदहाल स्थिति तथा क्षेत्र से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण जनहित के मुद्दों को लेकर प्रदेश सरकार के विरुद्ध जोरदार प्रदर्शन किया। तत्पश्चात एसडीएम धीरा के माध्यम से माननीय राज्यपाल महोदय को ज्ञापन सौंपकर इन जनविरोधी निर्णयों को शीघ्र वापस लेने की मांग की। वर्तमान सरकार की नीतियां विद्यार्थियों, किसानों, युवाओं और ग्रामीण क्षेत्रों के हितों की लगातार उपेक्षा कर रही हैं। भारतीय जनता पार्टी जनभावनाओं के साथ खड़ी है और क्षेत्र की जनता के अधिकारों एवं विकास से जुड़े प्रत्येक मुद्दे को लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीके से मजबूती के साथ उठाती रहेगी। जनहित से कोई समझौता नहीं होगा। जनता की आवाज़ ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है और उसके सम्मान व अधिकारों की रक्षा के लिए हमारा संघर्ष निरंतर जारी रहेगा।

कांगड़ा में 300 स्वयंसेवकों को मिला आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण: शिल्पी बेक्टा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। आपदा रक्षक पायलट परियोजना के तहत जिला कांगड़ा के 12 उपमंडलों में 600 स्थानीय स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित करने के लक्ष्य के मुकाबले अब तक 300 स्वयंसेवकों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। यह जानकारी एडीएम शिल्पी बेक्टा ने समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए दी। उन्होंने बताया कि जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण कांगड़ा तथा तकनीकी सहयोगी संस्था के माध्यम से यह प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। अब तक इंदौरा, फतेहपुर, नूरपुर, ज्वाली, शाहपुर और धर्मशाला उपमंडलों के संवेदनशील पंचायत क्लस्टरों में प्रशिक्षण आयोजित किए जा चुके हैं। आगामी चरण में देहरा, ज्वालामुखी, धीरा, जयसिंहपुर, पालमपुर और मुल्थान उपमंडलों में भी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बैठक के दौरान एडीएम शिल्पी बेक्टा ने प्रशिक्षित स्वयंसेवकों को प्रमाण-पत्र वितरित कर उनके योगदान की सराहना की।

मन, शरीर और आत्मा के समन्वय का माध्यम है योग: एसके पुंज

श्री साई ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स बधानी में योगाभ्यास करते हुए।

अनंत ज्ञान

अशोक ठाकुर, पठानकोट। ग्रुप के चेयरमैन एसके पुंज, एमडी तृप्ता पुंज, सीएमडी कंवर तुषार पुंज, वाइस प्रेसिडेंट रिया पुंज, कॉलेज स्टाफ तथा विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में योग विशेषज्ञ ओम प्रकाश अब्रोल ने विभिन्न योगासनों का अभ्यास करवाया। प्रतिभागियों ने अर्धमत्स्येन्द्रासन, बद्धपद्मासन, भद्रासन, भुजंगासन, चक्रासन, धनुरासन, गोमुखासन तथा हलासन सहित 11 प्रकार के योगाभ्यास किए।

एसके पुंज ने कहा कि योग मन, शरीर और आत्मा के समन्वय का माध्यम है तथा स्वस्थ जीवन की आधारशिला है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा विश्व स्तर पर योग दिवस की पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि योग की उत्पत्ति भारत की प्राचीन संस्कृति में हुई और महर्षि पतंजलि ने इसे व्यवस्थित रूप प्रदान किया। कार्यक्रम में भारतीय योग संस्थान, पठानकोट के योग विशेषज्ञ विनोद मित्तल, पवन धीमान, एसके अग्रवाल, देव राज, साई कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. विपिन गुप्ता सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति, स्टाफ सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्रदेश सरकार आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध: पठानिया

उपमुख्य सचेतक ने रैत में आयोजित जनसंपर्क कार्यक्रम में सुनीं जनसमस्याएं

अनंत ज्ञान

अधिकारियों को दिए समस्याओं के निपटारे के निर्देश।

शाहपुर। शाहपुर के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने सोमवार को रैत में आयोजित जनसंपर्क कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रवासियों की समस्याएं एवं मांगें सुनीं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोग अपनी विभिन्न जनसमस्याओं और विकास संबंधी मुद्दों को लेकर पहुंचे। उपमुख्य सचेतक ने लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए अधिकांश मामलों का मौके पर ही समाधान किया, जबकि शेष मामलों को संबंधित विभागों के अधिकारियों को सौंपते हुए त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा जनता की सुविधाओं और क्षेत्र के समग्र विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। सरकार का उद्देश्य लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के साथ-साथ उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है। ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनहित से जुड़े मामलों के निपटारे में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा प्रत्येक शिकायत का निर्धारित समय सीमा के भीतर समाधान किया जाए, ताकि आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि जनसंपर्क कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों की समस्याओं को सीधे सुनकर उनका समाधान करना सरकार की प्राथमिकता है। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी, ओएसडी आयुष विभाग डॉ. सुनीत पठानिया, ब्लॉक कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सुरजीत राणा, महासचिव प्रदीप बलौरिया, उपमुख्य सचेतक के सलाहकार विनय तथा अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

डीसी ने किया रामानंद गोपाल रोटरी बाल देखरेख संस्थान का औचक निरीक्षण

साफ-सफाई के उच्च मानक बनाए रखने के निर्देश दिए। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

अजय पाल, पालमपुर। जिलाधीश हेमराज बैरवा ने रविवार को पालमपुर उपमंडल के अंतर्गत स्थित रामान्द गोपाल रोटरी बाल देखरेख संस्थान, सलियाना का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य संस्थान में रह रहे बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, सुरक्षा प्रबंधों तथा समग्र व्यवस्थाओं का वास्तविक मूल्यांकन करना था।

निरीक्षण के दौरान जिलाधीश ने संस्थान परिसर का विस्तृत जायजा लिया। उन्होंने बच्चों के रहने के कमरों, स्वच्छता व्यवस्था, शिक्षा की गुणवत्ता तथा स्वास्थ्य सुविधाओं का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने बच्चों को परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता का भी स्वयं परीक्षण किया और साफ-सफाई के उच्च मानक बनाए रखने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त संस्थान से संबंधित अभिलेखों एवं आवश्यक दस्तावेजों की भी जांच की गई। इस अवसर पर उपमंडलीय दंडाधिकारी (एसडीएम) पालमपुर, तहसीलदार पंचरुखी तथा बाल विकास परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ) धर्मशाला भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान संस्थान के चेयरमैन डॉ. अश्विनी शर्मा एवं सचिव ने संस्थान की गतिविधियों और बच्चों के कल्याण हेतु संचालित कार्यक्रमों की जानकारी जिलाधीश को दी। डीसी वने संस्थान प्रबंधन एवं अधिकारियों को निर्देश दिए।

परागपुर में कार और बाइक में टक्कर, 1 जख्मी

अनंत ज्ञान, परागपुर। परागपुर पंचायत के तहत पुली से वाया सिक्खों का ताल होते हुए परागपुर जाने वाले मार्ग पर सोमवार सुबह करीब आठ बजे कार और बाइक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। जानकारी के अनुसार, कार चालक रोजाना की तरह अपने काम के सिलसिले में कलोहा की ओर जा रहा था। इसी दौरान नैहरनपुखर की तरफ से आ रहा एक बाइक सवार युवक तेज रफ्तार में सिक्खों का ताल की ओर जा रहा था कि अचानक सामने से आ रही कार से उसकी भिड़ंत हो गई ।इस हादसे में बाइक सवार युवक को गंभीर चोटें आई हैं ।उसे प्राथमिक उपचार के लिए तुरंत सिविल अस्पताल देहरा ले जाया गया, जहां से उसकी नाजुक हालत को देखते हुए उसे टांडा अस्पताल रेफर कर दिया गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस निरीक्षक विजय कुमार के नेतृत्व में टीम मौके पर पहुंची। मामले में कार चालक और बाइक सवार युवक के परिजनों के बीच आपसी सहमति से समझौता हो गया है। दोनों पक्षों के बीच सुलह हो जाने के कारण पुलिस ने इस संबंध में कोई मामला दर्ज नहीं किया है।

न्यूज ब्रीफ

डोली में खेल प्रतियोगिता का आयोजन

अनंत ज्ञान, सुजानपुर। डोली वार्ड नं. 3-4 स्थित आईटीआई प्रांगण में चौधरी फाउंडेशन स्पोर्ट्स क्लब द्वारा खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डॉ. सुरेन्द्र सिंह डोगरा ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की और 1 हजार से अधिक खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रभक्ति की भावना विकसित करते हैं। डॉ. डोगरा ने आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज को सकारात्मक दिशा देने और युवाओं को नशे से दूर रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि 'स्वस्थ युवा ही सशक्त राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत हैं' और सभी से खेलों को अपनाने का आह्वान किया।

आंगनबाड़ी के 14 पदों के लिए मांगे आवेदन

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। बाल विकास परियोजना हमीरपुर के अंतर्गत विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों में कार्यकर्ता और सहायिका के कुल 14 पदों के लिए पात्र महिलाओं से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन 15 जुलाई तक सीडीपीओ कार्यालय हमीरपुर में जमा किए जा सकते हैं। सीडीपीओ सुनीता शर्मा ने बताया कि विभिन्न केंद्रों पर कार्यकर्ता व सहायिका के पद भरे जाएंगे। आवेदक की आयु 18 से 35 वर्ष के बीच, 12वीं पास तथा संबंधित क्षेत्र की स्थायी निवासी होना आवश्यक है। चयन प्रक्रिया के लिए साक्षात्कार 20 जुलाई को एसडीएम कार्यालय हमीरपुर में आयोजित किया जाएगा।

माता टौणी देवी मेला कल, तैयारियां पूरी

अनंत ज्ञान, संजीव चौहान, टौणी देवी। चौहान वंश की कुलदेवी माता टौणी देवी का मेला 24 जून को हर्षोल्लास से मनाया जाएगा। मंदिर कमेटी ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सुरक्षा, बिजली, पानी और आवास की व्यापक व्यवस्था की है। मेला क्षेत्र लगभग एक किलोमीटर में फैला है। मंदिर कमेटी अध्यक्ष सरवन चौहान ने बताया कि प्रशासन से पुलिस, ट्रैफिक और स्वास्थ्य सुविधाओं की बेहतर व्यवस्था का अनुरोध किया गया है। मेले में बास्केटबॉल टूर्नामेंट भी आकर्षण का केंद्र रहेगा। नई लाइटों से मेला क्षेत्र की रौनक और बढ़ गई है।

संत गोपाल नंद जी महाराज 28 को हमीरपुर में

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। सभी गोशाला संचालक एवं गोभक्त गाय माता को राष्ट्रमाता का दर्जा मिले, उसके लिए दूसरे चरण में 27 जुलाई को सारे राष्ट्र में जिलाधीश के माध्यम से भारत सरकार को ज्ञापन सौंपेंगे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सबसे बड़ी गोशाला पथमेड़ा, जहां 1 लाख 64 हजार गोवंश का संरक्षण हो रहा है, उसके संरक्षक परम पूज्यनीय गो भैरव उपासक ग्वाल संत गोपाल नंद जी महाराज पहली बार हमीरपुर की गोशाला जमली धाम पर प्रातः 8.30 बजे गोमाता का संदेश लेकर आ रहे हैं। 28 जून प्रातः 9 बजे शंख ध्वनि से बैठक शुरू होकर 11 बजे संपन्न हो जाएगी। बैठक के बाद भोजन प्रसाद की व्यवस्था भी रहेगी। ऐसे राष्ट्र संत गो पुत्र महाराज के दर्शन मात्र से गोलोक की प्राप्ति मिलती है। गो सेवक है, गो भक्त है जो गाय को राष्ट्रमाता का दर्जा मिले तो 28 जून प्रातः 9 से पहले जमली धाम गोशाला में अपने मित्रों सहित पहुंचें।

सीएम सुक्खू आम जनता के हितैषी : शम्मी सोनी

अनंत ज्ञान, सोनल, नादौन। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू आम जनता के हितैषी हैं। उन्होंने हर वर्ग के हित में विभिन्न योजनाएं शुरू की हैं। उन्होंने बीमार लोगों का दर्द महसूस करते हुए हिम केयर योजना का दायरा बढ़ाकर काफी राहत दी है जिसके लिए आम जनता मुख्यमंत्री की आभारी है। यह बात नगर परिषद नादौन एवं शहरी कांग्रेस के अध्यक्ष शम्मी सोनी ने कही। उन्होंने कहा कि हिम केयर योजना के अंतर्गत वर्तमान में पांच लाख रुपए तक की स्वास्थ्य सहायता उपलब्ध है। अनेक बार गंभीर बीमारियों के उपचार में यह राशि पर्याप्त नहीं होती, जिसके चलते बीमार व उसके परिजनों का काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था उनका दर्द समझते हुए हमारी सरकार ने इस योजना का दायरा बढ़ाकर 7 से 10 लाख रुपए तक करने तथा इसे बीमा मॉडल के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है।

हमीरपुर के 56 प्रतिशत स्कूलों में फर्नीचर का अभाव

एसपीयू के सोशल ऑडिट में शिक्षा के अधिकार कानून के प्रभावी क्रियान्वयन पर उठे सवाल

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, हमीरपुर। जिले में समग्र शिक्षा योजना (एसएसए) के जमीनी स्तर पर प्रभाव और क्रियान्वयन का मूल्यांकन करने के लिए किए गए सामाजिक अंकेक्षण (सोशल ऑडिट) में स्कूली शिक्षा व्यवस्था की कई गंभीर खामियां सामने आई हैं। बुनियादी ढांचे, छात्र सुरक्षा, मूलभूत सुविधाओं, प्रशासनिक व्यवस्था और शिक्षा की गुणवत्ता से जुड़े अनेक मुद्दों ने मुख्यमंत्री के गृह जिले में शिक्षा के अधिकार (आरटीई) अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सोमवार को हमीरपुर में आयोजित जनसुनवाई के दौरान सामाजिक अंकेक्षण की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। इस जनसुनवाई में 500 से अधिक हितधारकों ने भाग लिया, जिनमें अभिभावक, शिक्षक, स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) के सदस्य, जनप्रतिनिधि, शिक्षा विभाग के अधिकारी तथा स्थानीय समुदाय के लोग शामिल थे। उपनिदेशक (शिक्षा गुणवत्ता) हमीरपुर नवीन शर्मा भी इस अवसर पर उपस्थित रहे और उन्होंने रिपोर्ट के निष्कर्षों की समीक्षा की। यह सामाजिक अंकेक्षण हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की टीम द्वारा डॉ. रणधीर रांटा के नेतृत्व में किया गया। टीम ने जिले के कुल 704 विद्यालयों में से 146 विद्यालयों का मूल्यांकन किया, जो कुल विद्यालयों का लगभग 20 प्रतिशत है। शेष विद्यालयों का सामाजिक अंकेक्षण आगामी चार चरणों में किया जाएगा। रिपोर्ट प्रस्तुत कर डॉ. रणधीर रांटा ने कहा कि सामाजिक अंकेक्षण का उद्देश्य केवल कमियों को उजागर करना नहीं बल्कि स्कूलों की खामियां निकालना नहीं बल्कि तथ्यों को सामने लाना है, ताकि उपलब्धियों और कमियों दोनों का आकलन कर शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार किया जा सके। उन्होंने कहा कि यह विस्तृत और गहन रिपोर्ट स्कूली शिक्षा प्रणाली में मौजूद अनेक चुनौतियों और कमियों की ओर संकेत करती है। हमीरपुर जिले के कई विद्यालय शिक्षा के अधिकार अधिनियम के तहत निर्धारित गुणवत्ता मानकों पर खरे नहीं उतर रहे हैं।

हमीरपुर में जनसुनवाई के दौरान सामाजिक अंकेक्षण की रिपोर्ट प्रस्तुत की। अनंत ज्ञान

छात्राओं को नहीं मिल रहे सैनिटरी पैड

सामाजिक अंकेक्षण टीम के सदस्य बचन सिंह ने कहा कि किशोरियों के लिए मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन अब भी उपेक्षित क्षेत्र बना हुआ है। उन्होंने बताया कि सर्वेक्षण में शामिल 19 प्रतिशत से अधिक विद्यालयों में सैनिटरी पैड उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं, जो छात्राओं की उपस्थिति और गरिमा पर असर डालता है। रिपोर्ट में शिकायत निवारण व्यवस्था की कमी भी सामने आई है। लगभग एक-तिहाई विद्यालयों में शिकायत एवं सुझाव पेटियां नहीं पाई गईं। वहीं किसी भी विद्यालय में पेशेवर परामर्श (काउंसलिंग) सेवाएं उपलब्ध नहीं थीं। विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए सुविधाओं का भी अभाव पाया गया। हालांकि पुस्तकालय सुविधाओं में सुधार देखा गया, जहां 70 प्रतिशत से अधिक विद्यालय मानकों पर खरे उतरे। निगरानी व्यवस्था को भी कमजोर बताया गया, क्योंकि फील्ड अधिकारियों द्वारा नियमित निरीक्षण नहीं किया जा रहा है। उपनिदेशक (शिक्षा गुणवत्ता) नवीन शर्मा ने कहा कि सरकार शिक्षा गुणवत्ता सुधार के लिए प्रतिबद्ध है और रिपोर्ट में सामने आई कमियों को दूर किया जाएगा। जनसुनवाई में अभिभावकों ने बुनियादी ढांचे, परिवहन और जवाबदेही बढ़ाने की मांग रखी। रिपोर्ट आगे की कार्रवाई के लिए राज्य शिक्षा विभाग को भेजी गई।

8 प्रतिशत स्कूलों में स्टाफ की कमी

रिपोर्ट के अनुसार, सर्वेक्षण किए गए लगभग 8 प्रतिशत विद्यालयों में पर्याप्त कक्षाओं और शिक्षण व गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए आवश्यक कमरों का अभाव पाया गया, जिससे शैक्षणिक गतिविधियों और प्रशासनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। लगभग 56 प्रतिशत विद्यालयों में फर्नीचर की कमी पाई गई, जिसके कारण कई विद्यार्थियों को उचित बैठने की व्यवस्था के बिना पढ़ाई करनी पड़ रही है। रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि 92 प्रतिशत विद्यालयों में पेयजल की उपलब्धता तो है, लेकिन 97 प्रतिशत विद्यालयों में बच्चों को प्रमाणित अथवा गुणवत्तायुक्त स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार 32 प्रतिशत से अधिक विद्यालयों में स्कूल सुरक्षा समितियों का गठन नहीं किया गया है, जिससे विद्यार्थी मानसिक उत्पीड़न, यौन शोषण और आपदा संबंधी जोखिमों के प्रति अधिक संवेदनशील बने हुए हैं। इसके अलावा 27 प्रतिशत विद्यालयों में चारदीवारी या सुरक्षा बाड़ नहीं है, जो विशेष रूप से छात्राओं की सुरक्षा के दृष्टिकोण से चिंता का विषय है।

दिव्यांग बच्चों के लिए सुविधाएं संतोषजनक नहीं

दिव्यांग बच्चों के लिए सुविधाओं की स्थिति भी संतोषजनक नहीं पाई गई। लगभग 84 प्रतिशत विद्यालयों में दिव्यांग छात्रों के लिए बाधारहित पहुंच (बैरियर-फ्री एक्सेस) उपलब्ध नहीं है। वहीं 63 प्रतिशत विद्यालयों में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए अनुकूलित शौचालयों का अभाव पाया गया। हालांकि रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया कि केवल एक प्रतिशत विद्यालयों में ही मध्याह्न भोजन योजना के लिए रसोईघर उपलब्ध नहीं है, जो इस योजना के अपेक्षाकृत बेहतर क्रियान्वयन को दर्शाता है।

कांग्रेस पहले अपने वादों का हिसाब दे, फिर मांगें अनुराग से : उषा बिरला

अनंत ज्ञान

हमीरपुर। भाजपा वरिष्ठ नेत्री उषा बिरला ने प्रेस बयान में कहा कि कुछ लोग अनुराग ठाकुर के 20 वर्षों के जनसेवा और विकास कार्यों का हिसाब मांग रहे हैं। मैं उन्हें बताना चाहती हूं कि अनुराग लगातार पांच बार हमीरपुर संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए विकास, सुशासन और जनसेवा का ऐसा उदाहरण प्रस्तुत कर चुके हैं, जो पूरे हिमाचल प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। अनुराग ठाकुर के प्रयासों से धर्मशाला में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण हुआ, जिसने हिमाचल प्रदेश को वैश्विक पहचान दिलाई तथा स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और पर्यटन के नए अवसर सृजित किए। बिलासपुर में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), हाइड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज तथा बहुप्रतीक्षित भानुपल्ली-बिलासपुर-बेरी रेल लाइन परियोजना को गति मिली। धौलासिद्ध हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

हमीरपुर में मेडिकल कॉलेज, ऊना में ट्रिपल आईटी, पीजीआई सैटेलाइट सेंटर, केंद्रीय विश्वविद्यालय जैसी अनेकों योजनाएं अपने संसदीय क्षेत्र में खुलवाईं, उन्होंने शिक्षा और खेलों के क्षेत्र में नई संभावनाओं के द्वार खोले। उन्होंने खेल महाकुंभ जैसे आयोजनों के माध्यम से हजारों युवाओं को खेलों से जोड़ने का कार्य किया गया। भारत दर्शन कार्यक्रम के जरिए प्रतिभाशाली और आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को देश के विभिन्न हिस्सों का भ्रमण करवाकर उनके ज्ञान और अनुभव का विस्तार किया गया। गरीब बच्चों के लिए निःशुल्क कोचिंग और पोषण सहायता जैसी योजनाओं ने अनेक परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया।

हिम अकादमी स्कूल में युवा संसद में गूंजे जनहित के मुद्दे

विद्यार्थियों ने दिखाई लोकतांत्रिक सोच की अद्भुत झलक, विदेशी प्रतिनिधियों ने भी निभाई सहभागिता

अनंत ज्ञान

हमीरपुर। हिम अकादमी पब्लिक स्कूल विकासनगर में सातवीं के कक्षा विद्यार्थियों के लिए आयोजित सब्जेक्ट एनरिचमेंट एक्टिविटी के अंतर्गत युवा संसद का प्रभावशाली आयोजन किया गया। इस गतिविधि का उद्देश्य विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक मूल्यों, नेतृत्व क्षमता, अभिव्यक्ति कौशल तथा समसामयिक विषयों की समझ विकसित करना था।

कार्यक्रम में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच विभिन्न जनहित के मुद्दों पर प्रश्नोत्तर एवं बहस का रोचक सत्र आयोजित किया गया। विद्यार्थियों ने सांसदों की भूमिका निभाते हुए देश के ज्वलंत विषयों पर अपने विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए। मीडिया प्रतिनिधियों ने भी सदन की कार्रवाई को कवर करते हुए प्रश्न पूछे और कार्यक्रम को वास्तविक संसद जैसा स्वरूप प्रदान किया। युवा संसद में विदेशी प्रतिनिधियों ने भी विशेष सहभागिता निभाई। उन्होंने लोकतंत्र, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण तथा वैश्विक सहयोग के महत्व पर अपने विचार साझा किए, जिससे विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण प्राप्त हुआ। विद्यार्थियों ने महंगाई, रेलवे दुर्घटनाएं, नीट पेपर लीक, वैश्विक तापमान वृद्धि, जलवायु परिवर्तन, जल संरक्षण, आतंकवाद, नई शिक्षा नीति, रोजगार तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक बहस की। उनके तर्क, आत्मविश्वास और प्रस्तुति कौशल ने उपस्थित सभी लोगों को प्रभावित किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने जन जागरूकता के संदेश देते हुए अनेक प्रेरक नारे भी प्रस्तुत किए। 'प्रश्न पूछना लोकतंत्र की ताकत है', 'जल बचाओ, भविष्य बचाओ' तथा 'शिक्षा से सशक्त राष्ट्र का निर्माण' जैसे नारों ने कार्यक्रम को और अधिक प्रभावशाली बनाया।

लोकतंत्र, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण तथा वैश्विक सहयोग के महत्व पर विचार किए साझा। अनंत ज्ञान

इस गतिविधि का सफल आयोजन एक्टिविटी इंचार्ज पूजा शर्मा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ, जबकि निशा राणा ने सहयोगी अध्यापिका के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके निर्देशन और सहयोग से कार्यक्रम का सफल संचालन सुनिश्चित हुआ। विद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी गतिविधियां बच्चों में जिम्मेदार नागरिक बनने की भावना विकसित करती हैं तथा उन्हें लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को समझने का अवसर प्रदान करती हैं। युवा संसद का यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरणादायक, ज्ञानवर्धक एवं यादगार अनुभव सिद्ध हुआ।

भोरंज में युवाओं को नशे से दूर रहने की दिलाई शपथ

अनंत ज्ञान, भोरंज। उपमंडल भोरंज में तहसील कल्याण अधिकारी बलदेव सिंह चंदेल के सौजन्य से राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान भोरंज में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता दिवस समारोह आयोजित किया गया।

इस दौरान विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने तथा शराब, तंबाकू, गुटखा, खैनी और चिट्टा जैसे मादक पदार्थों से होने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई। तहसील कल्याण अधिकारी ने युवाओं को नशा मुक्त भारत अभियान की शपथ दिलाई और इसे अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार और समाज तीनों के लिए हानिकारक है। इस अवसर पर वरिष्ठ अनुदेशक संजीव धीमान ने भी विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान बलदेव सिंह चंदेल द्वारा विभाग की ओर से नशा निवारण संबंधी पंपलेट भी वितरित किए गए। समारोह में संस्थान के कर्मचारी भी उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर नशा मुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया।

एनसीसी कैडेटों ने पूरा किया चुनौतीपूर्ण पर्वतीय ट्रैकिंग अभियान

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। साहसिक एवं नेतृत्व प्रशिक्षण के तहत जेएनवी डुंगरी, हमीरपुर में आयोजित वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में 25 एनसीसी कैडेटों ने बहुदिवसीय पर्वतीय ट्रैकिंग अभियान सफलतापूर्वक पूरा किया। यह अभियान कर्नल जीपी सिंह, कमांडिंग ऑफिसर 4 एचपी बटालियन हमीरपुर के नेतृत्व में आयोजित किया गया। अभियान का उद्देश्य कैडेटों में शारीरिक सहनशक्ति, टीम भावना, नेतृत्व क्षमता और पर्यावरण जागरूकता विकसित करना था। इस दौरान कैडेटों ने बीड़-बिलिंग, छिन्ना दर्रा, राजगोंडा, पालमपुर, जखेनी माता मंदिर और बिरनी माता मंदिर जैसे क्षेत्रों में ट्रैकिंग की। साथ ही उन्होंने कांगड़ा किले का भ्रमण किया और श्री ज्वाला जी मंदिर में दर्शन किए। कैडेटों ने कठिन पर्वतीय परिस्थितियों में अनुशासन और टीमवर्क का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्हें स्थानीय संस्कृति, इतिहास और विज्ञान से जुड़ी जानकारी भी प्राप्त हुई। स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत कैडेटों ने मार्ग में कचरा एकत्र कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। एनसीसी अधिकारियों ने कैडेटों के उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी गतिविधियां जिम्मेदार और आत्मविश्वासी नागरिक निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

अनुराग ने दिवंगत डेक कैडेट आदित्य के परिजनों से मिलकर जताई संवेदना

आदित्य के परिजनों से मिलते सांसद अनुराग ठाकुर। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

हमीरपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं हमीरपुर सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने सोमवार को हड़ेटा पंचायत के सिमलां दा ग्रां गांव पहुंचकर मर्चेंट नेवी के दिवंगत डेक कैडेट आदित्य शर्मा के परिजनों से मुलाकात कर गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने दिवंगत आदित्य शर्मा के पिता राजेश शर्मा एवं दादा अशोक शर्मा सहित अन्य परिजनों को ढांढस बंधाते हुए इस असहनीय दुःख की घड़ी में हरसंभव सहयोग और संबल प्रदान करने का भरोसा दिलाया। अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि युवा आदित्य शर्मा का असामयिक निधन पूरे हिमाचल प्रदेश और देश के लिए अत्यंत पीड़ादायक है। इतनी कम उम्र में देश का एक होनहार नौजवान दुनिया से विदा हो गया, जिसकी क्षति कभी पूरी नहीं की जा सकती। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। गौरतलब है कि 10 जून को ओमान तट के निकट होर्मुज जलडमरूमध्य क्षेत्र में पलाऊ ध्वज वाले तेल टैंकर 'एमटी सेट्टेबेलो' पर हुए अमेरिकी सैन्य हमले में 23 वर्षीय डेक कैडेट आदित्य शर्मा सहित तीन भारतीय नाविकों की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु हो गई थी।

एनआईटी हमीरपुर और आईआईटी रुड़की के सहयोग से एनपीटीईएल पर स्मार्ट बिल्डिंग्स पर नया ऑनलाइन कोर्स शुरू

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) हमीरपुर ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संवर्धित अधिगम कार्यक्रम एनपीटीईएल के तहत इंटेलीजेंट एंड स्मार्ट बिल्डिंग इन दा कांटेक्स्ट आफ फयूचरस्टीक आर्चीटेक्चर नामक नया ऑनलाइन पाठ्यक्रम शुरू किया गया है। इस पाठ्यक्रम को आईआईटी रुड़की और एनआईटी हमीरपुर के संयुक्त प्रयासों से विकसित किया गया है। इस कोर्स को आईआईटी रुड़की के वास्तुकला एवं नियोजन विभाग के प्रो. पीएस चानी तथा एनआईटी हमीरपुर के वास्तुकला विभाग की डॉ. वेणु श्री ने तैयार किया है। पाठ्यक्रम में स्मार्ट बिल्डिंग, ऊर्जा दक्षता, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, भवन स्वचालन तथा भविष्य की वास्तुकला से जुड़ी आधुनिक तकनीकों को शामिल किया गया है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों, शोधार्थियों, वास्तुकारों, अभियंताओं और उद्योग जगत के पेशेवरों को इन आधुनिक तकनीकों की समझ प्रदान करेगा। एनआईटी हमीरपुर के निदेशक प्रो. एचए सूर्यवंशी ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह पाठ्यक्रम संस्थान की शैक्षणिक उत्कृष्टता और नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। संस्थान की कुलसचिव डॉ. अर्चना संतोष नानोटी ने कहा कि यह उपलब्धि राष्ट्रीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा प्रदान करने की दिशा में एनआईटी हमीरपुर के निरंतर प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने पाठ्यक्रम के विकास में योगदान देने वाले सभी संकाय सदस्यों को बधाई दी।

भरेड़ी मार्ग पर एचआरटीसी बस बंद, यात्रियों की मुश्किलें बढ़ीं

अनंत ज्ञान

भोरंज। हमीरपुर और मंडी के बीच भरेड़ी मार्ग से चलने वाली एचआरटीसी बस सेवा पिछले कुछ समय से बंद होने के कारण क्षेत्र के लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

यह बस प्रतिदिन हमीरपुर से मंडी और मंडी से हमीरपुर के बीच नियमित रूप से संचालित होती थी तथा सुबह करीब 8 बजे भरेड़ी से मंडी के लिए रवाना होती थी। बस सेवा बंद होने से विद्यार्थियों, कर्मचारियों, व्यापारियों और अन्य यात्रियों की दैनिक आवाजाही प्रभावित हुई है।

स्थानीय लोगों के अनुसार यह बस क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण परिवहन साधन थी, जिससे बड़ी संख्या में लोग प्रतिदिन यात्रा करते थे। अब यात्रियों को निजी वाहनों या अन्य साधनों पर निर्भर रहना पड़ रहा है, जिससे समय और खर्च दोनों बढ़ गए हैं। क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने एचआरटीसी प्रशासन से बस सेवा को जल्द बहाल करने की मांग की है। मांग करने वालों में बीडीसी सदस्य दिनेश भाटिया, बीडीसी उपाध्यक्ष कुलदीप कुमार, अजय, विजय और रूप कुमार सहित अन्य स्थानीय नागरिक शामिल हैं। उनका कहना है कि बस सेवा बंद होने से ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों की दैनिक दिनचर्या प्रभावित हो रही है, इसलिए इसे प्राथमिकता के आधार पर पुनः शुरू किया जाना चाहिए। एचआरटीसी के प्रबंधक राहुल कुमार ने बताया कि निगम को वर्तमान में टायरों की कमी का सामना करना पड़ रहा है। इसी कारण कुछ रूटों पर बसों का संचालन प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा कि समस्या के समाधान के लिए प्रयास किए जा रहे हैं और स्थिति सामान्य होते ही संबंधित रूट पर बस सेवा को पुनः शुरू कर दिया जाएगा। क्षेत्रवासियों को उम्मीद है कि एचआरटीसी प्रशासन उनकी परेशानी को देखते हुए जल्द से जल्द बस सेवा बहाल करेगा, ताकि यात्रियों को राहत मिल सके।

डीएवी भड़ोली स्कूल ने साहित्य, खेल एवं एनसीसी गतिविधियों में रचा सफलता का नया अध्याय

अनंत ज्ञान

नादौन। डीएवी पब्लिक स्कूल भड़ोली के विद्यार्थियों ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 में साहित्यिक, सांस्कृतिक, खेल एवं छब्ब् गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। विद्यार्थियों की प्रतिभा, मेहनत और अनुशासन ने विद्यालय की उपलब्धियों में अनेक स्वर्णिम अध्याय जोड़े हैं।

एचपी जोन डी पालमपुर, धर्मशाला द्वारा आयोजित अंतर विद्यालय साहित्य एवं कला गतिविधियों में विद्यार्थियों ने वाद-विवाद, भाषण, प्रश्नोत्तरी एवं पोस्टर निर्माण प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन किया। वरिष्ठ एवं कनिष्ठ वर्ग के विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया।डीएवी स्पोर्ट्स नरवाना, पालमपुर 2026-27 क्लस्टर स्तरीय प्रतियोगिताओं में भी भड़ोली विद्यालय के खिलाड़ियों ने अपनी श्रेष्ठता साबित की। योग प्रतियोगिता में अंडर-19 टीम ने विजेता का खिताब हासिल किया तथा सान्वी ठाकुर एवं विहान ने व्यक्तिगत योग में स्थान प्राप्त किए। हैंडबाल में अंडर-17 बालक टीम विजेता तथा अंडर-19 बालक टीम उपविजेता रही। कराटे प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने 5 स्वर्ण, 3 रजत एवं 2 कांस्य पदक प्राप्त किए।डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स मीट क्लस्टर स्तर की बैडमिंटन, बास्केटबॉल एवं रोप स्किपिंग प्रतियोगिताओं में भी डी.ए.वी. भड़ोली के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। बैडमिंटन एवं बास्केटबॉल में अनेक वर्गों में विद्यालय की टीमों ने विजेता एवं उपविजेता का स्थान प्राप्त किया। रोप स्किपिंग में भी विद्यार्थियों ने पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।इसके साथ ही एनसीसी कैडेट्स ने जेएनवी पपरोला, बैजनाथ में आयोजित एटीसी कैंप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शतरंज, दौड़, टग ऑफ वॉर, भाषण, डीएसटी एवं अन्य प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय स्थान प्राप्त किए। कैडेट अन्वी को बेस्ट कैडेट अवार्ड से सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्रिंसीपल सुरजीत कुमार राणा ने बधाई दी।

वरिष्ठ एवं कनिष्ठ वर्ग स्पर्धा में झटका प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान। अनंत ज्ञान

चंदरूही रूट पर एचआरटीसी बस सेवा दोबारा बंद, लोगों में रोष

अनंत ज्ञान

भोरंज। हमीरपुर एचआरटीसी डिपो की वह बस, जो प्रतिदिन शाम 4:10 बजे हमीरपुर से चलकर वाया अवाहदेवी, जड़ोह होते हुए चंदरूही तक जाती थी और शाम करीब 6:30 बजे चंदरूही पहुंचती थी, एक बार फिर बंद होने से क्षेत्र के लोगों में भारी नाराजगी है। इस रूट पर बस सेवा बंद होने से ग्रामीण क्षेत्रों के यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

जानकारी के अनुसार, कुछ समय पहले भी इस बस सेवा को बंद कर दिया गया था। उस दौरान क्षेत्रवासियों की शिकायतों के बाद बीडीसी सदस्य दिनेश भाटिया ने हमीरपुर के क्षेत्रीय प्रबंधक (आरएम) राहुल कुमार से बातचीत कर बस सेवा को पुनः शुरू करवाया था। हालांकि, बस केवल दो दिन ही संचालित की गई और इसके बाद फिर से बंद कर दी गई। बस सेवा दोबारा बंद होने पर स्थानीय लोगों ने एक बार फिर अपनी शिकायतें बीडीसी सदस्य दिनेश भाटिया तक पहुंचाईं। शिकायत मिलने पर दिनेश भाटिया ने आरएम राहुल कुमार से बातचीत की। आरएम ने बताया कि टायरों की कमी के कारण बस का संचालन नहीं हो पा रहा है। इस पर दिनेश भाटिया ने वैकल्पिक व्यवस्था के तहत छोटी बस लगाने का सुझाव दिया। जवाब में आरएम ने आश्वासन दिया कि चार दिनों के भीतर इस रूट पर बस सेवा बहाल कर दी जाएगी। हालांकि, आरएम के जवाब से संतुष्ट न होते हुए दिनेश भाटिया ने मामले को सीधे एचआरटीसी के प्रबंध निदेशक (एमडी) शिमला के समक्ष उठाया और क्षेत्र की समस्या से उन्हें अवगत करवाया। इस पर एमडी कार्यालय की ओर से उन्हें पूर्ण विश्वास दिलाया गया कि समस्या का जल्द समाधान कर चंदरूही रूट पर बस सेवा को शीघ्र बहाल किया जाएगा।

अपर हड़ेटा में एसएमसी कार्यकारिणी का गठन, अमित लखनपाल बने प्रधान

अनंत ज्ञान

गलोड़। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला अप्पर हड़ेटा में स्कूल प्रबंधन समिति के गठन को लेकर एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाचार्य हरजीत सिंह चंदेल ने की।

बैठक में विद्यालय के विकास और बच्चों की शिक्षा को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से लोकतांत्रिक व पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया अपनाई गई, जिसमें सभी अभिभावकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

चुनाव प्रक्रिया का सफल संचालन एवं पर्यवेक्षण विद्यालय के उप प्रधानाचार्य विनोद कुमार द्वारा किया गया। इनकी देखरेख में आयोजित इस प्रक्रिया में अमित लखनपाल को एसएमसी का नया प्रधान चुना गया। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी में हरजीत सिंह चंदेल, रजनी देवी, योगेश लखनपाल, अमित लखनपाल, बनिता, अशोक कुमार, देवराज, ओमप्रकाश, मनु कुमारी, रेखा देवी, पूनम कुमारी और अनु शर्मा को समिति से सदस्य मनोनीत किया गया।इस अवसर पर वेद प्रकाश (प्रवक्ता शारीरिक शिक्षा), विपिन कुमार (प्रवक्ता राजनीति शास्त्र), संजीव कुमार (प्रवक्ता आईपी), नीलम कुमारी (टीजीटी), सुरेश कुमार (टीजीटी), मिलाप चंद (पीईटी), सपना कुमारी (कंप्यूटर अध्यापक), पूजा (प्रवक्ता अर्थशास्त्र) व पूजा (हेल्थ केयर) भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्रधानाचार्य हरजीत सिंह चंदेल और उप प्रधानाचार्य विनोद कुमार ने नवनिर्वाचित प्रधान अमित लखनपाल और सभी नव मनोनीत सदस्यों को बधाई दी। उन्होंने उम्मीद जताई कि नई समिति विद्यालय के विकास कार्यों, छात्रों की सुविधाओं और शैक्षणिक स्तर को ऊंचा उठाने में प्रबंधन को अपना पूर्ण सहयोग देगी। नए प्रधान अमित लखनपाल ने सभी का आभार जताते हुए कहा कि वे विद्यालय की उन्नति के लिए पूरी निष्ठा के साथ काम करेंगे।

बैठक की अध्यक्षता प्रधानाचार्य हरजीत सिंह चंदेल ने की। अनंत ज्ञान

न्यूज ब्रीफ

अपर बरोट की भारती बनी नर्सिंग ऑफिसर

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। उपमंडल सरकाघाट के गांव अपर बरोट की भारती पत्नी सोनू डाकघर फतेहपुर तहसील सरकाघाट की भारती जो कटौला की बेटी है माता पिता को बचपन में खो कर मौसी और मामा ने जमा दो की पढ़ाई के बाद जीएनएम का कोर्स कराने के बाद 2021 में सरकाघाट के गांव अपर बरोट में सोनू पुत्र स्वर्गीय अमर सिंह के साथ शादी हो गई थी। भारती ने परिवार की स्थिति को देखते हुए जॉब के साथ पोस्ट बेसिक शिक्षा सोलन से पास की। उनका एक बेटा भी है, जिसकी उम्र चार साल है। भारती की नर्सिंग ऑफिसर के रूप में नियुक्ति तमिलनाडु के पांडिचेरी में हुई है। भारती ने इसका श्रेय अपने मौसी, सास-ससुर और पति सोनू को दिया है।

चैलचौक में दिया नशा मुक्त भारत का संदेश

अनंत ज्ञान, गोहर। 'नशा मुक्त भारत अभियान' के अंतर्गत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, चैलचौक में तहसील कल्याण अधिकारी कार्यालय, गोहर द्वारा एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपमंडलाधिकारी (ना.) गोहर देवी राम ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर पुलिस विभाग द्वारा विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से जागरूक किया गया तथा नशे से संबंधित कानूनी प्रावधानों की जानकारी भी दी गई। छात्र-छात्राओं ने पेंटिंग, पोस्टर मेकिंग एवं भाषण प्रतियोगिताओं के माध्यम से नशे के विरुद्ध समाज को जागरूक करने का संदेश दिया।

सीडीपीओ ने किया जरल स्कूल का निरीक्षण

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर। 'अपना विद्यालय-दि हिमाचल स्कूल एडॉप्शन कार्यक्रम' के अंतर्गत बाल विकास परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ) सुंदरनगर पूनम चौहान ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला जरल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों, विद्यार्थियों की प्रगति तथा आधारभूत सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सीडीपीओ पूनम चौहान ने विद्यार्थियों के साथ संवाद स्थापित कर प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे नशा निवारण अभियान की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों, इसके सामाजिक और पारिवारिक दुष्परिणामों के साथ-साथ संबंधित कानूनी प्रावधानों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग समाज की सबसे महत्त्वपूर्ण शक्ति है और नशामुक्त समाज के निर्माण में विद्यार्थियों की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए कहा कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने परिवार, मित्रों तथा आसपास के लोगों को भी नशे के खिलाफ जागरूक करें। उन्होंने कहा कि जागरूकता और सामूहिक प्रयासों से ही समाज को नशे की समस्या से मुक्त किया जा सकता है।

आपदा में बचाव के लिए प्रशिक्षित किए स्वयंसेवी

अनंत ज्ञान, ब्यूरो, मंडी। हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एचपीएसडीएमए) के तत्वावधान में ग्राम पंचायत घीड़ी, सेहांडा, पौड़ा कोठी, डोलधर तथा फंगवास के जनप्रतिनिधियों एवं स्वयंसेवकों के लिए तीन दिवसीय आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण शिविर का मुख्य उद्देश्य स्वयंसेवकों को आपदा प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं की जानकारी प्रदान करना तथा उन्हें आपदा की स्थिति में प्रभावी बचाव एवं राहत कार्यों के लिए तैयार करना है। शिविर के दौरान प्रतिभागियों को आपदा की परिभाषा, आपदाओं के कारण, उनके प्रभाव तथा उनसे बचाव एवं सुरक्षा उपायों के बारे में विस्तार से अवगत कराया जा रहा है। इसके अलावा प्रतिभागियों को पंचायत स्तर पर आपदा जोखिम मानचित्र (पंचायत डिजास्टर मैप) तैयार करने, आपदा संभावित क्षेत्रों की पहचान करने, प्राथमिक उपचार, खोज एवं बचाव कार्य तथा घायलों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने संबंधी व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। आपातकालीन परिस्थितियों में सामुदायिक सहभागिता की भूमिका पर भी विशेष बल दिया जा रहा है। प्रशिक्षण शिविर में मास्टर ट्रेनर दिले राम द्वारा आपदा प्रबंधन से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी जा रही है। साथ ही व्यावहारिक अभ्यास के माध्यम से स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है, ताकि वे आपदा के समय अपने क्षेत्र में प्रभावी भूमिका निभाते हुए लोगों की सहायता कर सकें।

पनियाली-चौक बाहणू-बलद्वाड़ा सड़क मार्ग पर गड्ढे ही गड्ढे

लंबे समय से मार्ग की मरम्मत न होने के कारण हालत हो गई बहुत खराब

अनंत ज्ञान

रितेश चौहान, सरकाघाट। उपमंडल सरकाघाट के अंतर्गत पनियाली वाया चौक बाहणू से बलद्वाड़ा को जोड़ने वाला सड़क मार्ग इन दिनों अपनी बदहाल स्थिति के कारण लोगों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। सड़क पर जगह-जगह बने गहरे गड्ढों के चलते वाहन चालकों और यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय से सड़क की मरम्मत न होने के कारण इसकी हालत लगातार खराब होती जा रही है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया है। जिला परिषद सदस्य सुष्मिता शर्मा सहित स्थानीय निवासी गोवर्धन दास, परमा राम, हेम राज, जगदीश कुमार, चमन लाल, शकुंतला देवी, कमला देवी, सुमा देवी, बिमला देवी, निर्मला देवी, रोशनी देवी, भागो देवी और सरला देवी ने बताया कि सड़क पर गड्ढों की भरमार होने से वाहनों को नुकसान पहुंच रहा है। इसके अलावा यात्रियों को सफर के दौरान झटकों और असुविधाओं का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, क्योंकि गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई का पता नहीं चल पाता, जिससे हादसों की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों का कहना है कि यह सड़क क्षेत्र के कई गांवों को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण मार्ग है, जिस पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग आवागमन करते हैं। इसके बावजूद सड़क की दशा सुधारने की दिशा में अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। लोगों ने लोक निर्माण विभाग से मांग की है कि सड़क की तत्काल मरम्मत कर गड्ढों को भरा जाए और मार्ग को सुरक्षित बनाया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समस्या का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो क्षेत्रवासी आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होंगे। उधर, लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता भूपेंद्र पाल ने बताया कि मामला विभाग के संज्ञान में है तथा जल्द ही श्रमिकों को भेजकर सड़क की मरम्मत करवा दी जाएगी, ताकि लोगों को राहत मिल सके।

पनियाली-चौक बाहणू-बलद्वाड़ा सड़क पर बने बड़े-बड़े गड्ढे। अनंत ज्ञान

◆ ग्रामीण और वाहन चालक परेशान, विभाग से जल्द मरम्मत की उठाई मांग

नारायण पंचायत समिति मंडी के अध्यक्ष, चूड़ामणी उपाध्यक्ष

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, मंडी। पंचायत समिति सदर मंडी के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष पदों के लिए सोमवार को विकास खंड कार्यालय सदर, भ्यूली स्थित सभागार में निर्वाचन प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। निर्वाचन में नारायण सिंह को अध्यक्ष तथा चूड़ामणी को उपाध्यक्ष पद के लिए निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। निर्वाचन प्रक्रिया की अध्यक्षता एसडीएम एवं प्राधिकृत अधिकारी सदर मंडी रूपिंदर कौर ने की। इस अवसर पर पंचायत समिति सदर मंडी के सभी 26 नवनिर्वाचित सदस्य उपस्थित रहे।

निर्धारित प्रक्रिया के तहत अध्यक्ष पद के लिए वार्ड संख्या-19 टिल्ली कैहनवाल से पंचायत समिति सदस्य नारायण सिंह तथा उपाध्यक्ष पद के लिए वार्ड संख्या-11 देवरी से पंचायत समिति सदस्य चूड़ामणी ने अपने नामांकन पत्र प्रस्तुत किए।

दोनों पदों के लिए अन्य कोई नामांकन प्राप्त नहीं हुआ। इसके चलते प्राधिकृत अधिकारी ने नारायण सिंह को पंचायत समिति सदर मंडी का अध्यक्ष तथा चूड़ामणी को उपाध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया। निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत एसडीएम रूपिंदर कौर ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष नारायण सिंह तथा उपाध्यक्ष चूड़ामणी को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर आशा व्यक्त की गई कि उनके नेतृत्व में पंचायत समिति सदर मंडी क्षेत्र में विकास कार्यों को नई दिशा और गति मिलेगी।

बस हादसे में चालक गंभीर घायल, एम्स बिलासपुर रेफर

अनंत ज्ञान

सरकाघाट। विधानसभा क्षेत्र सरकाघाट के अंतर्गत हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) की एक बस सोमवार सुबह हादसे का शिकार हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार बस (नंबर एचपी66-2558) चौकी थाणा से सुबह 7:15 बजे सरकाघाट के लिए रवाना हुई थी। जब बस बटेहड़ा के समीप पहुंची, तो चालक बस से नियंत्रण खो बैठा, जिससे बस सड़क से नीचे गिरकर पलट गई। हादसे के समय बस में चालक, परिचालक और एक सवारी मौजूद थे। दुर्घटना में चालक प्रीतम चंद (53), पुत्र डडू राम, निवासी गांव वैहल, डाकघर भटेड़ा, तहसील बलद्वाड़ा, जिला मंडी गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद एम्स बिलासपुर रेफर किया गया है। वहीं परिचालक आशीष कुमार (33), पुत्र अश्वनी कुमार, निवासी गांव कटोआ, डाकघर समैला तथा सवारी गुलाब सिंह (78), पुत्र ध्यान सिंह, निवासी गांव वैहल को हल्की चोटें आई हैं, जिनका उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बलद्वाड़ा में चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुंची तथा राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। क्षेत्र के विधायक दलीप ठाकुर भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बलद्वाड़ा पहुंचे और घायलों का हालचाल जाना। उन्होंने अस्पताल प्रशासन को घायलों के समुचित उपचार और हर संभव सहायता उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए।

बीएसएल सुंदरनगर में करवाया योगाभ्यास

अनंत ज्ञान, महादेव। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर बिजेंद्र सिंह नारा, मुख्य अभियंता सह सदस्य सिंचाई (भाखड़ा-ब्यास प्रबंधन बोर्ड) के दिशा-निर्देशों के अनुसार राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक आदर्श विद्यालय, बीएसएल प्रोजेक्ट सुंदरनगर में विद्यार्थियों के लिए विशेष योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ.एम आर गौतम के मार्गदर्शन में तथा एनसीसी केयरटेकर नीलम नरयाल के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की महिला शिक्षिकाओं में, दिनेश कुमारी, लेखा धीमान, विद्या देवी एवं अन्य स्टाफ सदस्यों में तिलक, नरेश और किशोर की भी सक्रिय उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न योगासनों एवं प्राणायाम का अभ्यास कर योग के महत्त्व को समझा। प्रशिक्षकों द्वारा बच्चों को सही तरीके से योग करने की विधि बताई गई तथा नियमित योगाभ्यास के लाभों से अवगत कराया गया। प्रधानाचार्य डॉ.एम आर गौतम ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के अत्यंत प्रतिस्पर्धात्मक एवं तनावपूर्ण युग में योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ, संतुलित एवं अनुशासित जीवन जीने की कला है।

निहरी कॉलेज से कॉमर्स विषय को हटाने के फैसले का किया विरोध

पुनर्बहाली के लिए मुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री से मिलेगा प्रतिनिधिमंडल

अनंत ज्ञान

सुंदरनगर। राजकीय महाविद्यालय निहरी में ओल्ड स्टूडेंट एसोसिएशन (ओएसए), पीटीए पदाधिकारियों, स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों तथा महाविद्यालय प्रशासन की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में महाविद्यालय से जुड़े विभिन्न शैक्षणिक एवं प्रशासनिक मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में प्रदेश सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के तहत महाविद्यालय से कॉमर्स विषय को हटाए जाने के निर्णय पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। वक्ताओं ने कहा कि निहरी महाविद्यालय 40 से 60 किलोमीटर के विस्तृत ग्रामीण एवं दूरदराज क्षेत्रों के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा उपलब्ध करा रहा है। ऐसे में कॉमर्स विषय को बंद करना विद्यार्थियों के हितों के विपरीत तथा क्षेत्र के लिए दुर्भाग्यपूर्ण निर्णय है।

बैठक में मौजूद ओएसए, पीटीए, पंचायत प्रतिनिधि। अनंत ज्ञान

ओल्ड स्टूडेंट एसोसिएशन के सचिव अजय कुमार ने बताया कि बैठक में उपस्थित ओएसए, पीटीए तथा पंचायत प्रतिनिधियों ने महाविद्यालय प्रशासन को आश्वस्त किया कि इस विषय को लेकर जल्द ही मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री से मुलाकात कर कॉमर्स विषय की पुनर्बहाली की मांग उठाई जाएगी। बैठक में सभी प्रतिनिधियों ने एकमत से कहा कि ग्रामीण एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को सुलभ और गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्रदान करने के लिए निहरी महाविद्यालय में कॉमर्स विषय का संचालित रहना अत्यंत आवश्यक है। प्रतिनिधियों ने सरकार से विद्यार्थियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए निर्णय पर पुनर्विचार करने की मांग की।

भीम सिंह प्रेस क्लब महादेव के अध्यक्ष, विजय महासचिव

प्रेस क्लब महादेव के सदस्य सामूहिक चित्र में। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

महादेव। क्षेत्र में पत्रकारों को एक संगठित मंच प्रदान करने तथा निष्पक्ष, जनहित एवं सकारात्मक पत्रकारिता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रेस क्लब महादेव का सर्वसम्मति से गठन किया गया। इस अवसर पर आयोजित बैठक में क्षेत्र के पत्रकारों एवं सदस्यों ने भाग लेकर संगठन को औपचारिक स्वरूप प्रदान किया। बैठक में विदआउट एक्रिडेटिड पत्रकार महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष अनिल शर्मा की अध्यक्षता में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें भीम सिंह को अध्यक्ष, पीताम्बर लाल को उपाध्यक्ष, विजय कुमार को महासचिव, महेंद्र सिंह राणा को कोषाध्यक्ष तथा दीपिका ठाकुर को सह सचिव चुना गया। इसके अलावा मनोनीत सदस्यों में रमेश कुमार को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, राजेंद्र कुमार को प्रेस सचिव तथा कृष्ण चंद महादेविया को मुख्य सलाहकार की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक के दौरान प्रेस क्लब के उद्देश्यों, संगठनात्मक ढांचे एवं भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित सदस्यों ने पत्रकारिता के उच्च मानकों को बनाए रखने, निष्पक्षता के साथ जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने तथा समाज में सकारात्मक जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

नवगठित कार्यकारिणी ने कहा कि प्रेस क्लब महादेव क्षेत्र की समस्याओं को प्रमुखता से उजागर करने, पत्रकारों के हितों की रक्षा करने तथा जिम्मेदार एवं रचनात्मक पत्रकारिता को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य करेगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि प्रेस क्लब महादेव की अगली बैठक 28 जून 2026 को आयोजित की जाएगी, जिसमें सदस्यता विस्तार, संगठन के नियमों के निर्धारण तथा क्षेत्र से जुड़े विभिन्न जनहित मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

संधोल कॉलेज बंद करने के खिलाफ लोग एकजुट

प्राचार्य के माध्यम से राज्यपाल को भेजा ज्ञापन, पुनः बहाली करने की मांग

अनंत ज्ञान

सरकाघाट। संधोल कॉलेज को बंद किए जाने और नए प्रवेश रोकने के फैसले के खिलाफ अब विरोध लगातार बढ़ता ही जा रहा है। सोमवार को विद्यार्थियों, अभिभावकों, समाजसेवियों तथा जनप्रतिनिधियों ने एकजुट होकर कड़ा विरोध जताया। इस दौरान कॉलेज के प्रधानाचार्य के माध्यम से हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को ज्ञापन भेजकर कॉलेज को पुनः बहाल करने तथा रिक्त पदों को तुरंत भरने की मांग की गई।

ज्ञापन में कहा गया कि शिक्षा विभाग द्वारा कॉलेज में नए प्रवेश बंद कर दिए गए हैं, जिससे विद्यार्थियों के सामने भविष्य को लेकर संकट खड़ा हो गया है। छात्रों का कहना है कि दूसरी जगह प्रवेश लेने में दूरी, परिवहन और आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। मौके पर मौजूद जनप्रतिनिधियों और अभिभावकों ने कहा कि क्षेत्र के अधिकांश परिवार आर्थिक रूप से कमजोर हैं और दिहाड़ी मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं। ऐसे में बच्चों, विशेषकर बेटियों को दूर-दराज के कॉलेजों में पढ़ाना उनके लिए संभव नहीं है। उन्होंने सुरक्षा का मुद्दा उठाते हुए कहा कि हाल ही में सरकाघाट में कॉलेज जाने वाली छात्रा सिया की हत्या की घटना ने अभिभावकों की चिंताएं और बढ़ा दी हैं।

प्राचार्य के माध्यम से राज्यपाल को भेजा ज्ञापन भेजने के लिए एकत्रित हुए विद्यार्थी और क्षेत्र के लोग। अनंत ज्ञान

उनका कहना है कि बेटियों की सुरक्षा को देखते हुए स्थानीय स्तर पर उच्च शिक्षा की सुविधा उपलब्ध रहना आवश्यक है। समाजसेवी एवं पूर्व प्रधानाचार्य दिनेश जमवाल ने प्रदेश सरकार और स्थानीय विधायक से विद्यार्थियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए संधोल कॉलेज को तत्काल बहाल करने की मांग की। उन्होंने कहा कि सरकार को इन बच्चों की शिक्षा की जिम्मेदारी लेते हुए कॉलेज में आवश्यक स्टाफ की नियुक्ति करनी चाहिए, ताकि क्षेत्र के विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो। ज्ञापन के माध्यम से सभी ने राज्यपाल से आग्रह किया कि विद्यार्थियों के हित में संधोल कॉलेज को दोबारा शुरू किया जाए तथा सभी रिक्त पदों को जल्द भरा जाए, ताकि क्षेत्र के युवाओं को अपने घर के निकट उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिल सके। करीब 15 से 20 छात्र-छात्राओं के साथ समाजसेवी एवं पूर्व प्रधानाचार्य दिनेश जम्वाल, बीडीसी सदस्य सोहर वार्ड गौरव, बीडीसी सदस्य कोठुवां अनिल, उपप्रधान बेरी अनुज, उपप्रधान सोहर विजय सकलानी, अध्यापक-अभिभावक संघ की प्रधान सहित अन्य अभिभावक भी मौजूद रहे।

हिमाचल में 11 दिन में चौथी हत्या कानून-व्यवस्था पर सवाल : अजय

अनंत ज्ञान

सरकाघाट। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश सचिव एवं अधिवक्ता अजय चौहान ने हिमाचल प्रदेश में लगातार बढ़ रही आपराधिक घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि मात्र 11 दिनों के भीतर चौथी हत्या की घटना ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। जारी बयान में चौहान ने कहा कि हत्या की हालिया घटनाएं केवल व्यक्तियों पर हमला नहीं हैं, बल्कि प्रदेश में बिगड़ती कानून-व्यवस्था का भयावह संकेत हैं। उन्होंने कहा कि अपराधी दिनदहाड़े बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं, जिससे स्पष्ट है कि उनके मन में कानून का भय कम होता जा रहा है। चौहान ने आरोप लगाया कि प्रदेश में हत्या, फिरौती, संगठित अपराध और अन्य आपराधिक गतिविधियों में लगातार वृद्धि हो रही है, जिसके कारण आम नागरिक स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का दायित्व ऐसा वातावरण बनाना है, जहां अपराधी कानून से डरें और आम लोग सुरक्षित महसूस करें, लेकिन वर्तमान कांग्रेस सरकार इस दिशा में प्रभावी कदम उठाने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश को अपराधियों के लिए सुरक्षित ठिकाना नहीं, बल्कि कानून के राज वाला प्रदेश बनाए रखना सरकार की जिम्मेदारी है।

चौहान ने सरकार और पुलिस प्रशासन से अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने तथा ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी रणनीति बनाने की मांग की। उन्होंने कहा कि जनता की सुरक्षा किसी भी सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी होती है और यदि सरकार इस मूल दायित्व का निर्वहन नहीं कर पाती, तो जनता का विश्वास कमजोर होना स्वाभाविक है।

मिड-डे मील वर्कर्स की हड़ताल का धर्मपुर और गोपालपुर क्षेत्र में दिखा व्यापक असर

भूपेंद्र सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों वर्कर्स ने शिमला रैली में लिया भाग

अनंत ज्ञान

सरकाघाट। मिड-डे मील वर्कर्स की राज्यव्यापी हड़ताल का सोमवार को धर्मपुर और गोपालपुर क्षेत्र में व्यापक असर देखने को मिला। हड़ताल के चलते वर्करों ने स्कूलों में भोजन तैयार नहीं किया, जिसके कारण शिक्षा विभाग को वैकल्पिक व्यवस्था करनी पड़ी।

क्षेत्र से सैकड़ों मिड-डे मील वर्करों ने सीटू जिला प्रधान भूपेंद्र सिंह, जिला प्रधान बिमला देवी, निशा देवी, प्रमिला देवी, चिंत राम, सत्या देवी तथा रजनी देवी के नेतृत्व में शिमला में आयोजित राज्यस्तरीय रैली में भाग लिया। रैली को संबोधित करते हुए भूपेंद्र सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार

शिमला में प्रदर्शन करते सरकाघाट के मिड-डे मील वर्कर्स। अनंत ज्ञान

मिड-डे मील वर्करों को वर्ष में केवल दस माह का मानदेय दे रही है, जबकि हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय 12 माह का मानदेय देने का निर्णय सुना चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार इस निर्णय के विरुद्ध सर्वोच्च न्यायालय पहुंची है, जिसके विरोध में यूनियन भी न्याय के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएगी। उन्होंने कहा कि वर्करों को आकस्मिक, चिकित्सा अथवा अन्य प्रकार की छुट्टियों की सुविधा नहीं मिलती। यदि किसी कारण अवकाश लेना पड़े तो उन्हें स्वयं वैकल्पिक कुक की व्यवस्था करनी पड़ती है।

संबोधन पुलिस के लिए आयोजित जिला बाल संरक्षण की कार्यशाला में एडीएम डॉ. मदन बोले-

बच्चों को शोषण से बचाने में पुलिस की भूमिका अहम

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, मंडी। मंडी पुलिस के लिए जिला बाल संरक्षण इकाई की ओर से एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी डॉ. मदन कुमार ने की। कार्यशाला में जिला मंडी के करीब 50 पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य बच्चों की देखभाल और सुरक्षा के लिए बने विभिन्न अधिनियमों में पुलिस अधिकारियों को अपडेट करना था। कार्यशाला में मुख्य स्रोत व्यक्ति के रूप में जिला बाल संरक्षण अधिकारी एनआर ठाकुर, अधिवक्ता मुकेश सैनी और प्रोबेशन अधिकारी रमा कुमारी उपस्थित रहे। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र पर

एडीएम डॉ. मदन कुमार ने कहा कि समय-समय पर कानून से जुड़े लोगों के लिए ऐसी कार्यशालाएं आयोजित होती रहनी चाहिए ताकि नियमों और बच्चों की सुरक्षा के लिए किए गए कानूनी प्रावधानों में बदलावों की अद्यतन जानकारी मिल सके। उन्होंने कहा कि सही कानूनी जानकारी बच्चों के अधिकारों को सुरक्षित करने और उन्हें शोषण से बचाने के लिए कारगर साबित हो सकती है।

डॉ. मदन ने कहा कि बच्चों के लिए बने ये अधिनियम उनके सर्वोत्तम हितों की रक्षा करने, बच्चों को शोषण से बचाने, पुनर्वास, शिक्षा और गुणवत्तापूर्ण जीवन जीने के लिए अहम भूमिका निभाते है तथा पुलिस के लिए भी रोडमैप का काम करते हैं। अतः पुलिस को निष्पक्ष एवं संवेदनशील कार्यप्रणाली से बच्चों का भविष्य संवर सकता है।

जिला बाल संरक्षण अधिकारी एनआर ठाकुर ने प्रतिभागियों को बाल अधिकारों, किशोर न्याय अधिनियम, बाल शोषण व बाल तस्करी रोकथाम के खिलाफ पुलिस की भूमिका पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने खोए बच्चों पर सर्वोच्च न्यायालय बनाम तमिलनाडु सरकार मुकदमे पर दिए फैसले पर भी पुलिस से जानकारी सांझा की।

कार्यशाला में अधिवक्ता मुकेश सैनी ने बाल यौन अपराधों, प्रभावित बच्चों के लिए वित्तीय सहायता और पोक्सो अधिनियम की जानकारी रखी। प्रोबेशन अधिकारी रमा कुमारी ने बाल विवाह और बाल श्रम अधिनियम पर अपने विचार साझा किए। सभी वक्ताओं ने बड़ी गहराई से अपने अपने विषयों को छुआ और इससे जुड़े कानूनी पहलुओं और प्रावधानों बारे ठीक और स्टीक जानकारी प्रतिभागियों के समक्ष रखी।

‘ **त्योहार** साल की गति के पड़ाव हैं, जहां भिन्न-भिन्न मनोरंजन हैं, भिन्न-भिन्न आनंद हैं, भिन्न-भिन्न क्रीडास्थल हैं।

-बर्स्आ

संपादकीय

रैगिंग का जिन्न

हिमाचल प्रदेश में रैगिंग का जिन्न खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों से लगातार रैगिंग की घटनाएं सामने आ रही हैं, जो न केवल शिक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करती हैं, वरन छात्रों और अभिभावकों की चिंता भी बढ़ाती हैं। हालात ऐसे बन गए हैं कि एक मामला शांत भी नहीं होता और दूसरा सामने आ जाता है। ताजा मामला शिमला के प्रगति नगर स्थित एक इंजीनियरिंग कॉलेज का है, जहां कुछ वरिष्ठ छात्रों ने रैगिंग की सारी सीमाएं लांघ दीं। इस घटना ने एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि आखिर शैक्षणिक संस्थानों में सुरक्षा व्यवस्था और एंटी रैगिंग तंत्र कितना प्रभावी है?

बीटेक कंप्यूटर साइंस के छात्रों के साथ वरिष्ठ छात्रों ने न केवल अभद्र व्यवहार किया, अपितु उन्हें अपमानित करने की हर संभव कोशिश की। जूनियर छात्रों को टेबल पर चपाती परोसने के लिए मजबूर किया गया। विरोध करने पर गाली-गलौज और मारपीट की गई। इतना ही नहीं, छात्रों को सार्वजनिक रूप से पैर छूने और जूते चाटने तक के लिए मजबूर किया गया। रैगिंग के नाम पर यह मानवीय गरिमा को कुचलने वाला कृत्य है। किसी भी सभ्य समाज में ऐसी घटनाओं के लिए कोई स्थान नहीं हो सकता।

चिंताजनक पहलू यह है कि पीड़ित छात्र मानसिक तनाव और भय के वातावरण में जीने को मजबूर हैं। शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का विकास करना होता है, लेकिन जब संस्थानों में डर और आतंक का माहौल बन जाए तो पढ़ाई का वातावरण स्वत: ही प्रभावित हो जाता है। छात्र अपनी ऊर्जा शिक्षा और नवाचार में लगाने के बजाय असुरक्षा और मानसिक दबाव से जूझने लगते हैं। इसका प्रभाव उनके भविष्य, आत्मविश्वास और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। आरोपी छात्रों ने नशे में धुत्त होकर बाहरी राज्य के छात्रों के खिलाफ नस्लीय टिप्पणियां करके हिमाचलियत को भी शर्मशार किया है। शैक्षणिक संस्थान में क्षेत्रवाद, भेदभाव और अपमानजनक व्यवहार किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जा सकता। कॉलेज ज्ञान का मंदिर होता है, जहां विविध पृष्ठभूमि से आए छात्र एक-दूसरे से सीखते हैं और सामाजिक समरसता का संदेश प्राप्त करते हैं। यदि वहां पर ही स्थानीय और बाहरी छात्रों के बीच विभाजन की भावना पैदा होने लगे तो यह शिक्षा के मूल उद्देश्य के विपरीत है।

इस पूरे घटनाक्रम में कॉलेज प्रबंधन की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। आखिर इतनी बड़ी घटना कैसे घट गई? क्या कॉलेज प्रशासन को इसकी भनक तक नहीं लगी? यदि नहीं लगी तो यह प्रशासनिक विफलता है और यदि जानकारी होने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई तो यह और भी गंभीर विषय है। माता-पिता अपने बच्चों को बेहतर भविष्य की उम्मीद के साथ कॉलेजों में भेजते हैं। कई परिवार भारी आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद फीस का प्रबंध करते हैं। ऐसे में यदि उनके बच्चों को सुरक्षा और सम्मान नहीं मिलेगा तो शिक्षा संस्थानों पर विश्वास कमजोर होना स्वाभाविक है।

हिमाचल प्रदेश पहले भी रैगिंग की भयावह घटनाओं का गवाह रह चुका है। कांगड़ा जिले के डॉ. राजेंद्र प्रसाद मेडिकल कॉलेज, टांडा में रैगिंग के कारण हरियाणा के प्रशिक्षु डॉक्टर अमन काचरू की मौत ने पूरे देश को झकझोर दिया था। उस घटना के बाद रैगिंग के खिलाफ कड़े कानून और दिशा-निर्देश बनाए गए थे। उम्मीद की गई थी कि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर पूर्ण विराम लग जाएगा, लेकिन समय-समय पर सामने आने वाले मामले बताते हैं कि समस्या अभी भी जड़ से समाप्त नहीं हुई है।

प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में एंटी रैगिंग सेल और शिकायत समितियां गठित हैं। छात्रों से एंटी रैगिंग शपथ पत्र भी भरवाए जाते हैं। इसके बावजूद रैगिंग की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जिससे ऐसा अभास होता है कि केवल समितियां बनाना पर्याप्त नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने भी रैगिंग को गंभीर अपराध मानते हुए इसके खिलाफ कठोर निर्देश जारी किए हैं। यूजीसी ने भी स्पष्ट दिशा-निर्देश तय कर रखे हैं। जरूरत इस बात की है कि इन आदेशों का पूरी गंभीरता से पालन किया जाए। बहरहाल, दोषी छात्रों के खिलाफ निलंबन, निष्कासन और कानूनी उम्मीद की जानी चाहिए।

आज की प्रमुख हस्ती

आधुनिक हिमाचल प्रदेश के निर्माता

वीरभद्र सिंह (23 जून 1934-8 जुलाई 2021) हिमाचल प्रदेश की राजनीति के ऐसे व्यक्तित्व थे, जिन्होंने अपने दूरदर्शी नेतृत्व, जनसेवा और विकासोन्मुख नीतियों के बल पर राज्य की राजनीति में अमिट छाप छोड़ी। उन्हें आधुनिक हिमाचल प्रदेश का निर्माता भी कहा जाता है। लगभग छह दशकों तक सक्रिय राजनीतिक जीवन में उन्होंने राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अनेक महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया।

वीरभद्र सिंह
जन्म : 23 जून, 1934
मृत्यु : 8 जुलाई, 2021

उनका जन्म शिमला जिले के सराहन स्थित बुशहर रियासत के शाही परिवार में हुआ था। प्रारंभिक शिक्षा शिमला के बिशप कॉटन स्कूल में प्राप्त करने के बाद उन्होंने दिल्ली के सेंट स्टीफन कॉलेज से बीए (ऑनर्स) की डिग्री हासिल की। वर्ष 1962 में महासू (शिमला) लोकसभा क्षेत्र से सांसद चुने जाने के साथ उनके राजनीतिक जीवन की शुरुआत हुई। बाद में मंडी लोकसभा क्षेत्र उनकी प्रमुख कर्मभूमि बना।

वे छह बार हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री, आठ बार विधायक तथा पांच बार लोकसभा सदस्य रहे। वर्ष 2009 में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार में उन्हें इस्पात मंत्री बनाया गया। इसके बाद उन्होंने लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय का भी दायित्व संभाला। हिमाचल कांग्रेस के चार बार अध्यक्ष के रूप में भी उन्होंने संगठन को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

राजनीति के साथ-साथ वे सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों से भी जुड़े रहे। उनकी सरल कार्यशैली, जनसंपर्क और प्रशासनिक दक्षता ने उन्हें जनता के बीच अत्यंत लोकप्रिय बनाया। आज भी शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान पर स्थापित उनकी प्रतिमा उनके योगदान की याद दिलाती है।

8 जुलाई 2021 को उनका निधन हो गया। उनके जाने से हिमाचल प्रदेश और भारतीय राजनीति ने एक अनुभवी, जनप्रिय और दूरदर्शी नेता को खो दिया, जिनकी सेवाएं सदैव स्मरणीय रहेंगी।

भजन

दिव्य अनुराग

राकेश डोगरा
गांव कौना, पालमपुर

यह तन मिट्टी का बर्तन है, रहेगा नहीं अटल,
टूटेगा ही टूटेगा यह आज नहीं तो कल।
टूटेगा ही टूटेगा यह आज नहीं तो कल।
जब तक साबुत है हम इसमें अमृत भर कर रखें,
दूषित जल न बनने दें इसे खूब संभाल के रखें।
कोई कपटी आकर इससे, कोई कपटी आकर इससे
कर जाए न छल, टूटेगा ही टूटेगा यह आज नहीं तो कल।
खेल खेल में बीता बचपन, जिद में कटी जवानी,
और बुढ़ापा रोगों में, जीवन की यही कहानी।
कब करेगा रब का सिमरन, बीत रहा पल पल,
टूटेगा ही टूटेगा यह आज नहीं तो कल।
ऐ मानस काहे करता तू इस तन का अभिमान,
तन तो राख बनेगा, कर्मों से होगी तेरी पहचान।
कहीं भटक न जाना, कहीं भटक न जाना,
चलना हर पल संभल संभल,
टूटेगा ही टूटेगा यह आज नहीं तो कल।

दलबदल, अस्तित्व और गठबंधन: क्षेत्रीय दलों की कांग्रेस से हिचक

वर्तमान भारतीय राजनीति एक अत्यंत दिलचस्प और जटिल दौर से गुजर रही है। एक तरफ जहां केंद्र में भाजपा का मजबूत और आक्रामक नेतृत्व है, वहीं दूसरी तरफ विपक्ष एकजुट होकर अपनी जमीन बचाने के संघर्ष में है। इस परिदृश्य में दो अहम सवाल राजनीति की समझ रखने वाले हर व्यक्ति को मथते हैं- पहला, क्या क्षेत्रीय दलों को 'दलबदल' या अपनी सरकारें गिरने के डर से बचने के लिए देश की सबसे पुरानी पार्टी, कांग्रेस के साथ चले जाना चाहिए? दूसरा, तमाम मजबूत क्षेत्रीय क्षत्रप कांग्रेस के साथ पूरी तरह हाथ मिलाने से हिचकते क्यों हैं? इस कशमकश को एमके स्टालिन, नीतीश कुमार, अरविंद केजरीवाल और ममता बनर्जी के राजनीतिक दृष्टिकोण और उनके राज्यों के परिप्रेक्ष्य में बेहद बारीकी से समझा जा सकता है।

डॉ. पवन कुमार शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

अनंत ज्ञान
दैनिक समाचार पत्र

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रमुक प्रमुख एमके स्टालिन का कांग्रेस के साथ रिश्ता वर्तमान राजनीति में सबसे सहज और स्थिर माना जाता है। इसका स्पष्ट कारण है कि तमिलनाडु की राजनीति में कांग्रेस बहुत पहले अपनी मुख्य भूमिका खो चुकी है। वहां सीधा मुकाबला द्रमुक और अन्नाद्रमुक के बीच रहता है। चूंकि कांग्रेस वहां द्रमुक के लिए कोई संगठनात्मक खतरा नहीं है, इसलिए स्टालिन को कांग्रेस को सीटें देने या उनके साथ मंच साझा करने में कोई हिचक नहीं होती। तमिलनाडु में द्रमुक का वैचारिक आधार (द्रविड़ियन पहचान) इतना मजबूत है कि वहां के विधायकों में वैचारिक रूप से दलबदल कराना बेहद कठिन है। स्टालिन के लिए कांग्रेस के साथ जाना दलबदल से बचने की मजबूरी नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा विरोधी मोर्चे को मजबूत करने की एक सोची-समझी रणनीति है।

राजनीतिक अवसरवाद और अस्तित्व की लड़ाई में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और जदयू नेता नीतीश कुमार भारतीय राजनीति में 'दलबदल' और 'पलटीमार' राजनीति के सबसे बड़े प्रतीक माने जाते हैं। नीतीश कुमार की सबसे बड़ी दुविधा यह है कि बिहार में कांग्रेस का पारंपरिक सहयोगी राष्ट्रीय जनता दल है। जब भी नीतीश कांग्रेस या 'इंडिया' गठबंधन के करीब जाते हैं तो बिहार में तेजस्वी यादव का कद बढ़ने लगता है जो नीतीश की पार्टी के राजनीतिक वजूद के लिए सीधा खतरा है। नीतीश ने खुद को बचाने के लिए कभी कांग्रेस तो कभी भाजपा का सहारा लिया।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में, नीतीश कुमार को यह भली-भांति पता है कि कांग्रेस के साथ जाने से उनके विधायकों को दलबदल से सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं मिलती, क्योंकि कांग्रेस खुद कई राज्यों में अपने विधायक बचाने में नाकाम रही है। इसलिए वे दलबदल से बचने के लिए

वैचारिक स्थिरता के बजाय सत्ता के संतुलन यानी कभी इधर, कभी उधर का फॉर्मूला अपनाते हैं। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल की राजनीति का उदय ही कांग्रेस के विरोध और भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन की कोख से हुआ था।

दिल्ली और पंजाब जैसे राज्यों में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस को पूरी तरह मटियामेट करके अपनी सत्ता बनाई। अगर केजरीवाल राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस के साथ बहुत गहरे जुड़ते हैं तो राज्यों में उनके कार्यकर्ताओं के सामने वैचारिक संकट खड़ा हो जाएगा कि जिस कांग्रेस को हराकर वे सत्ता में आए, उसी के साथ गठबंधन कैसे करें? हाल के वर्षों में 'आप' के कई बड़े नेताओं को जेल जाना पड़ा और पार्टी को लगातार टूटने का डर सताता रहा है, लेकिन केजरीवाल जानते हैं कि कांग्रेस के पास जाने से उनकी यह समस्या हल नहीं होगी। कांग्रेस खुद दिल्ली और पंजाब में 'आप' की जमीन वापस छीनने की ताक में रहती है। इसलिए केजरीवाल मजबूरी में लोकसभा चुनाव जैसे बड़े मंचों पर तो कांग्रेस के साथ दिखते हैं, लेकिन राज्यों के स्तर पर अपनी दूरी बनाए रखते हैं।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी कांग्रेस से दूरी बनाए रखने वाले क्षेत्रीय नेताओं में सबसे प्रमुख मानी जाती हैं। उनका मानना है कि बंगाल में भाजपा को हराने की क्षमता सिर्फ टीएमसी के पास है। राज्य में कांग्रेस और वाम दल अक्सर टीएमसी के खिलाफ चुनाव लड़ते हैं, इसलिए ममता कांग्रेस को दोबारा राजनीतिक जमीन देने के पक्ष में नहीं हैं। उनका यह भी मत है कि राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेस को नेतृत्व की भूमिका छोड़कर क्षेत्रीय दलों को अधिक महत्व देना चाहिए। क्षेत्रीय दलों की कांग्रेस से हिचक के पीछे कई कारण हैं। पहला, अधिकांश क्षेत्रीय दल कांग्रेस के कमजोर होने के बाद उभरे हैं।

यदि वे कांग्रेस को अपने राज्यों में दोबारा मजबूत होने का अवसर देते हैं तो उनका खुद का जनाधार प्रभावित हो सकता है। दूसरा, क्षेत्रीय दलों को लगता है कि जिन राज्यों में कांग्रेस और भाजपा का सीधा मुकाबला है, वहां कांग्रेस अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर पाती, जबकि क्षेत्रीय दल अपने राज्यों में भाजपा को अधिक प्रभावी ढंग से चुनौती देते हैं। तीसरा, क्षेत्रीय नेताओं को कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व के अधीन जूनियर पार्टनर की भूमिका स्वीकार करना सहज नहीं लगता।

वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में कांग्रेस स्वयं दलबदल और संगठनात्मक कमजोरियों से जूझती रही है। ऐसे में क्षेत्रीय दल उसे अपने अस्तित्व की सुरक्षा का भरोसेमंद आधार नहीं मानते। उनके लिए राजनीतिक मजबूती का सबसे बड़ा साधन मजबूत संगठन, समर्पित कार्यकर्ता और जनता के बीच गहरी पैठ है। यही कारण है कि अधिकांश क्षेत्रीय दल कांग्रेस के साथ केवल चुनावी आवश्यकता के आधार पर सहयोग करते हैं, न कि अपने राजनीतिक भविष्य की सुरक्षा के लिए। भारतीय राजनीति का यह अंतर्विरोध आने वाले वर्षों में भी बना रहने की संभावना है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

युवा पीढ़ी को नशे से बचाने में संस्कार, परिवार और समाज की जिम्मेदारी

क्यों आधुनिक समाज में युवाओं, युवतियों और बच्चों में नशे की लत देखने को मिल रही है? नशा एक गंभीर समस्या और चुनौती भी बन चुका है, जो न केवल बच्चों और व्यक्तियों को, बल्कि उसके परिवार और पूरे समाज को खोखला कर रहा है। नशे की समस्या से निपटने के लिए सिर्फ कानूनी नियम और चिकित्सा सहायता ही काफी नहीं होगी। संस्कार व्यक्ति को आंतरिक रूप से सशक्त बनाते हैं। नशे की ओर बढ़ते कदमों को भी रोकते हैं।

डॉ. राज कुमारी
साइकोलॉजिस्ट

अनंत ज्ञान
दैनिक समाचार पत्र

संस्कारों की भूमिका : संस्कार बच्चों के लिए नींव और सुरक्षा कवच की तरह होते हैं। संस्कार बच्चों और व्यक्तियों के चरित्र, विचारों, प्रथाओं, परंपराओं और नैतिक मूल्यों का निर्माण भी करते हैं। बच्चों और व्यक्तियों के लिए यह वह पहली ढाल है, जो हर बच्चे और व्यक्ति को हमेशा गलत रास्ते पर जाने से भी रोकती है।

पारिवारिक मूल्य : जिस परिवार में इंसानियत, नैतिक मूल्य, अनुशासन और आपसी संवाद को बहुत अधिक महत्व दिया जाता है वहां बच्चों में नशे की ओर झुकाव की संभावना बहुत कम होती है। माता-पिता के अच्छे आचरण ही बच्चों के लिए सबसे बड़ा संस्कार बनते हैं।

पारिवारिक माहौल : परिवार का माहौल कैसा है। परिवार में बड़े बुजुर्ग नशे के आदी तो नहीं हैं, क्योंकि बच्चा जो कुछ भी सीखता है वह पहले अपने पारिवारिक माहौल से ही सिखता है। अगर परिवार में कोई व्यक्ति नशा नहीं करता है तो बच्चे के कदम कभी भी नशे की तरफ नहीं जा सकते। परिवार के वातावरण का बच्चों के संस्कारों पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है।

संस्कारों की नींव और जागरूकता : बचपन से ही बच्चों को अगर संस्कार सिखाए जाएं तभी उनमें सशक्त जागरूकता

आती है। संस्कार दो प्रकार के होते हैं- आंतरिक संस्कार और बाह्य संस्कार। बाह्य संस्कार बच्चों को बाहर की चीजों, और चकाचौंध की ओर लालायित करते हैं। आंतरिक संस्कार बच्चों के भीतर होते हैं, जो ज्ञान, सत कर्म और सही मार्ग पर ले जाते हैं, जिसके कारण बच्चे भटकाव से बच जाते हैं।

सही गलत की जानकारी : अच्छे संस्कार बच्चों और व्यक्तियों को जीने की राह सिखते हैं। क्या परिवार और समाज के लिए सही है ? क्या गलत है ? बच्चों और व्यक्तियों का आत्मज्ञान उसे क्षणिक आनंद, शौक, दबाव में आकर नशा करना और दूरगामी नुकसान के बीच के अंतर को समझता है।

संगति का चयन : किस से दोस्ती करनी है, किससे दूरी बनानी है। बच्चे और संस्कारी व्यक्ति हमेशा सकारात्मक और उन्नति की ओर ले जाने वाले मित्रों का ही चयन करता है, जिससे वह दोस्तों के दबाव में आकर नशा करने से भी बच जाता है।

मानसिक सुदृढ़ता : संस्कार केवल अच्छे-बुरे का अंतर ही नहीं सिखाते, बल्कि जीवन के उतार-चढ़ाव, तनाव, संघर्ष और असफलताओं का सामना करने की शक्ति भी प्रदान करते हैं। संस्कारों से युक्त व्यक्ति कठिन परिस्थितियों में निराश होने के बजाय धैर्य और आत्मविश्वास के साथ समस्याओं का समाधान खोजता है।

संस्कार पथ प्रदर्शक : संस्कार बच्चों और व्यक्तियों के लिए पथप्रदर्शक का कार्य करते हैं। वे उनमें सकारात्मक सोच, नैतिक मूल्यों और जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं। अच्छे संस्कार व्यक्ति को सही निर्णय लेने और समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित करते हैं।

बच्चों का व्यक्तित्व माता-पिता, परिवार और आसपास के वातावरण पर निर्भर करता है। बच्चा वही सीखता है जो वह अपने आसपास देखता और अनुभव करता है। संस्कारों की नींव बच्चों में अगर बचपन मे ही डाल दी जाए तो ही नशा मुक्त समाज का निर्माण संभव होगा।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

युवाओं को जरूर समझनी चाहिए अपने बुजुर्गों की संवेदनाएं

किसी भी सभ्य समाज की पहचान केवल उसकी आर्थिक प्रगति या तकनीकी विकास से नहीं होती, बल्कि इस बात से होती है कि वह अपने बुजुर्गों के साथ कैसा व्यवहार करता है। बुजुर्ग परिवार और समाज की वह अमूल्य धरोहर हैं, जिनके अनुभव, संघर्ष और त्याग ने आने वाली पीढ़ियों के लिए मजबूत नींव तैयार की है। आज के तेज रफ्तार और आधुनिक जीवन में युवा वर्ग नई तकनीक और अवसरों की ओर अग्रसर है, लेकिन इसी दौड़ में कई बार बुजुर्गों की भावनाएं और आवश्यकताएं पीछे छूट जाती हैं, जो चिंता का विषय है।

केशव शर्मा 'रसिक'
गांव कोटला, घुमारवीं

अनंत ज्ञान
दैनिक समाचार पत्र

बुजुर्ग जीवन के उस चरण में होते हैं जहां उन्हें शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक सहारे की सबसे अधिक आवश्यकता होती है। उम्र बढ़ने के साथ उनकी सक्रियता कम हो जाती है, सामाजिक दायरा सीमित हो जाता है और अकेलेपन की भावना बढ़ने लगती है। ऐसे समय में परिवार के युवाओं का स्नेह, समय और सम्मान उनके लिए सबसे बड़ी ताकत बनता है। यदि युवा उनके साथ संवेदनशील व्यवहार करें तो बुजुर्ग स्वयं को सुरक्षित और सम्मानित महसूस करते हैं।

बुजुर्ग केवल सलाह देने वाले व्यक्ति नहीं होते, बल्कि वे जीवन के अनुभवों का जीवंत स्रोत होते हैं। उन्होंने जीवन के उतार-चढ़ाव, कठिन परिस्थितियों और संघर्षों को निकट से देखा होता है। उनके अनुभव युवाओं को सही निर्णय लेने और जीवन की जटिलताओं को समझने में मदद करते हैं। यदि युवा उनकी बातों को ध्यान से सुनें, तो परिवार में आपसी समझ, प्रेम और विश्वास का वातावरण मजबूत होता है। वर्तमान समय में तकनीक और सोशल मीडिया ने लोगों को जोड़ने के साथ-साथ कई बार पारिवारिक संवाद को कम भी कर दिया है। एकल परिवारों की बढ़ती प्रवृत्ति और रोजगार के कारण युवाओं

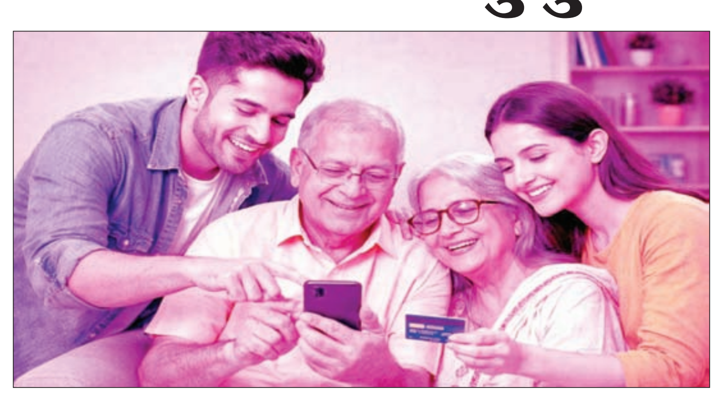

का घर से दूर रहना आम हो गया है। इसके परिणामस्वरूप कई बुजुर्ग स्वयं को अकेला और उपेक्षित महसूस करने लगते हैं। यह स्थिति समाज में पीढ़ियों के बीच दूरी को बढ़ाती है।

अक्सर युवा यह मान लेते हैं कि बुजुर्ग उनकी आधुनिक सोच को नहीं समझ सकते, जबकि बुजुर्ग यह महसूस करते हैं कि उनके अनुभवों को महत्व नहीं दिया जा रहा। यह आपसी समझ की कमी ही पीढ़ीगत अंतर को जन्म देती है। इस अंतर को कम करने का सबसे प्रभावी माध्यम संवाद और सम्मान है।

युवाओं को चाहिए कि वे बुजुर्गों के साथ अधिक समय बिताएं, उनकी बातें ध्यान से सुनें और उनके अनुभवों से सीखने का प्रयास करें। केवल आर्थिक सहायता पर्याप्त नहीं होती, बल्कि भावनात्मक सहारा और अपनापन भी उतना ही आवश्यक है। यदि युवा प्रतिदिन कुछ समय अपने दादा-दादी, नाना-नानी या अन्य वरिष्ठ सदस्यों के साथ बिताएं, तो इससे न केवल बुजुर्गों का अकेलापन कम होगा, बल्कि युवाओं को भी जीवन के महत्वपूर्ण मूल्य सीखने को मिलेंगे। बुजुर्गों के पास धैर्य, संयम, त्याग, अनुशासन और नैतिकता जैसे जीवन मूल्यों का समृद्ध भंडार होता है। उनका जीवन संघर्ष युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। वे कठिन परिस्थितियों में भी जिस धैर्य और साहस के साथ जीवन जीते हैं, वह किसी भी पाठ्यपुस्तक से अधिक प्रभावशाली शिक्षा देता है। आज जब समाज भौतिकवाद की ओर बढ़ रहा है, तब बुजुर्गों के संस्कार और अनुभव ही युवाओं को मानवीय मूल्यों से जोड़ते हैं।

भारतीय संस्कृति में सदैव माता-पिता और बुजुर्गों के सम्मान को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। यही परंपरा समाज को मजबूत और संतुलित बनाती है। बुजुर्ग केवल अतीत की स्मृति नहीं हैं, बल्कि वे वर्तमान के मार्गदर्शक और भविष्य की दिशा दिखाने वाले प्रकाश स्तंभ भी हैं। अत: बुजुर्गों का सम्मान केवल सामाजिक या नैतिक कर्तव्य नहीं, बल्कि एक स्वस्थ, संवेदनशील और संस्कारित समाज के निर्माण की अनिवार्य शर्त है। जब युवा और बुजुर्ग एक-दूसरे को समझेंगे और सम्मान देंगे, तभी परिवारों में प्रेम, समाज में सद्भाव व समृद्धि बनी रहेगी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और राष्ट्र की एकता के लिए उनका संघर्ष

भारत के इतिहास में कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं, जिनका जीवन राष्ट्र की एकता, अखंडता और स्वाभिमान के लिए समर्पित रहा। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऐसे ही महान राष्ट्रभक्त थे, जिन्होंने अपने विचारों और संघर्षों से देश की एकता के लिए अपना जीवन न्योछावर कर दिया। उनका प्रसिद्ध नारा-'एक देश में दो निशान, दो विधान और दो प्रधान नहीं चलेंगे' भारत की एकता और समानता के प्रति उनकी दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रतीक था। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्म 6 जुलाई 1901 को कोलकाता में हुआ था। वे एक महान शिक्षाविद्, चिंतक और कुशल राजनेता थे। मात्र 33 वर्ष की आयु में वे कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे कम उम्र के कुलपति बने। स्वतंत्र भारत के निर्माण के शुरुआती दौर में उनकी प्रशासनिक क्षमता और अनुभव को देखते हुए उन्हें देश की पहली सरकार में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई। वर्ष 1947 में स्वतंत्रता के बाद बनी भारत की पहली अंतरिम/संयुक्त सरकार में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री बनाया गया। यह सरकार प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में बनी थी, जिसमें विभिन्न विचारधाराओं के नेताओं को शामिल किया गया था। डॉ. मुखर्जी ने उद्योग मंत्री के रूप में देश के औद्योगिक विकास और आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए कार्य किया। हालांकि समय के साथ कई नीतिगत मुद्दों पर उनके और प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के बीच मतभेद सामने आए। विशेष रूप से पाकिस्तान में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों की स्थिति, पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) से आए शरणार्थियों के पुनर्वास और भारत-पाक संबंधों को लेकर दोनों नेताओं के विचारों में अंतर था। वर्ष 1950 में हुए नेहरू-लियाकत समझौते को लेकर भी डॉ. मुखर्जी ने अपनी असहमति व्यक्त की। उनका मानना था कि पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए अधिक कठोर कदम उठाए जाने चाहिए। इन मतभेदों के बाद उन्होंने अप्रैल 1950 में मंत्रिमंडल से त्यागपत्र दे दिया। इसके

हरि राम धीमान
नालागढ़, जिला सोलन

अनंत ज्ञान
दैनिक समाचार पत्र

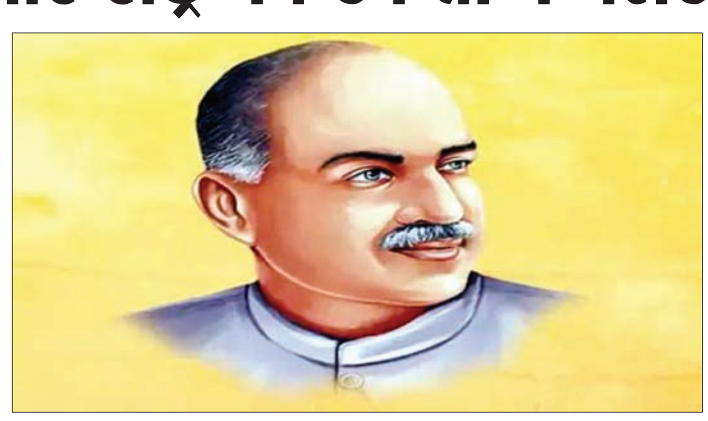

बाद डॉ. मुखर्जी ने देश में एक वैकल्पिक राजनीतिक विचारधारा को आगे बढ़ाने का प्रयास किया और वर्ष 1951 में भारतीय जनसंघ की स्थापना की। उनका मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक मूल्यों और देश की अखंडता को मजबूत करना था।

उस समय जम्मू-कश्मीर को धारा 370 भारत में विशेष संवैधानिक दर्जा प्रदान किया था। वहां प्रवेश के लिए परमिट व्यवस्था लागू थी, जिसके अनुसार देश के अन्य हिस्सों के नागरिकों को भी जम्मू-कश्मीर जाने के लिए अनुमति लेनी पड़ती थी। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी भारतीय राजनीति के ऐसे दूरदर्शी नेता थे, जिन्होंने राष्ट्र की एकता और अखंडता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उनका मानना था कि किसी भी राष्ट्र में अलग-अलग संवैधानिक व्यवस्थाएं और विशेष प्रावधान राष्ट्रीय एकता को कमजोर करते हैं। इसी विचार के आधार पर उन्होंने एक समान नागरिक व्यवस्था की आवश्यकता पर बल दिया और इसके लिए संघर्ष का मार्ग चुना।

उनका प्रमुख विरोध जम्मू-कश्मीर को मिले विशेष दर्जे से था। वे मानते थे कि एक राष्ट्र में 'एक देश, एक विधान' की भावना ही वास्तविक एकता की नींव है। इसी उद्देश्य को लेकर उन्होंने बिना परमिट जम्मू-कश्मीर जाने का निर्णय लिया। वर्ष 1953 में वे राज्य में प्रवेश के दौरान गिरफ्तार कर लिए गए और उन्हें हिरासत में रखा गया। उस समय राज्य में शेख अब्दुल्ला प्रधानमंत्री थे। हिरासत के दौरान 23 जून 1953 को उनकी मृत्यु हो गई, जिसे लेकर आज भी विभिन्न मत और प्रश्न उठते हैं। डॉ. मुखर्जी का संघर्ष केवल किसी एक राज्य तक सीमित नहीं था, बल्कि वे पूरे देश में समान अधिकार, राष्ट्रीय एकता और मजबूत भारत के पक्षधर थे।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अनंत ज्ञान
प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक डॉ. दिलीप धाकड़ द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद धर्मशाला न्यायालय के अधीन होंगे।
आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/25/A0284
ई-मेल : anantgyaanmedia@gmail.com
फोन नंबर : 01892-299098

खूबसूरत अंदाज में कसाटकिना

रूस। डारिया कसाटकिना एक टेनिस खिलाड़ी है। उनकी शानदार खेल शैली और अच्छी सोच की क्षमता ने उनको शीर्ष दस में खुद को बनाए रखने में मदद की और यह विशेषता, अन्य प्रतिद्वंद्वियों के लिए बहुत मुश्किल हो रही है।

जर्मनी में भारत का जलवा प्रीतम केंद्रे ने जीता गोल्ड

10 मीटर एयर राइफल प्रतियोगिता में जीता स्वर्ण पदक

एजेंसी, सुहल (जर्मनी)

भारत के 16 वर्षीय निशानेबाज प्रीतम केंद्रे ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर शानदार पहचान बनाते हुए आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैम्पियनशिप 2026 में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीत लिया। अपने केवल दूसरे अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा लेते हुए प्रीतम ने आठ खिलाड़ियों के फाइनल में बेहद संयमित और शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 251.3 अंक हासिल कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया। तटस्थ खिलाड़ी तिमोफेई अलेइनिकोव ने रजत और नॉर्वे के जेन्स ओएस्टली ने कांस्य पदक जीता।

विश्व खिताब जीतने के बाद प्रीतम ने कहा कि प्रतियोगिता के दौरान उनका पूरा ध्यान केवल अपनी तकनीक और हर शॉट को बेहतर तरीके से खेलने पर था। प्रीतम ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 'इस जीत से मैं बेहद खुश हूं। पूरी प्रतियोगिता के दौरान मेरा ध्यान केवल अपनी तकनीक पर रहा और हर शॉट में सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की। पुणे के रहने वाले युवा निशानेबाज ने अपनी सफलता का श्रेय गगन नारंग गन फॉर ग्लोरी शूटिंग अकादमी को भी दिया। उन्होंने कहा, 'अकादमी के प्रशिक्षकों ने मुझे व्यक्तिगत रूप से काफी मार्गदर्शन दिया। हमारी तैयारी हमेशा तकनीक सुधारने पर केंद्रित रही और मुझे लगता है कि यही इस सफलता का सबसे बड़ा कारण बना।

हाल ही में दसवीं की परीक्षा पूरी करने वाले प्रीतम ने कहा कि यह उपलब्धि उन्हें आगे और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा, 'विश्व चैम्पियनशिप का स्वर्ण पदक जीतने से मेरा आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। मैं 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में लगातार बेहतर प्रदर्शन करना चाहता हूं और भारत के लिए आने वाले वर्षों में कई और पदक जीतना चाहता हूं।' आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैम्पियनशिप का यह पांचवां संस्करण जर्मनी के सुहल में आयोजित हो रहा है, जिसमें 70 राष्ट्रीय महासंघों के 800 से अधिक निशानेबाज हिस्सा ले रहे हैं। भारत ने इस प्रतियोगिता में 84 सदस्यीय दल उतारा है।

इससे पहले 2024 में पेरू के लीमा में आयोजित प्रतियोगिता में भारत 24 पदकों (13 स्वर्ण, 3 रजत और 8 कांस्य) के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर रहा था। यह प्रतियोगिता 26 जून तक चलेगी। (अनंत ज्ञान)

यूएस ओपन सुपर 300 में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे लक्ष्य-तन्वी

एजेंसी, फुलर्टन (अमेरिका)

अनुभवी खिलाड़ी लक्ष्य सेन और उभरती हुई स्टार तन्वी शर्मा मंगलवार से यहां शुरू होने वाले यूएस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की चुनौती की अगुवाई करेंगे। इस प्रतियोगिता के एकल में कई अन्य भारतीय खिलाड़ी भी अपना भाग्य आजमाएंगे जिनमें पुरुष वर्ग में किदाम्बी श्रीकांत भी शामिल हैं। महिला वर्ग में कुल सात भारतीय खिलाड़ी एकल में चुनौती पेश करेंगे। विश्व रैंकिंग में 14वें स्थान पर काबिज सेन को दूसरी वरीयता दी गई है और पहले दौर में उनका मुकाबला बेल्जियम के जूलियन कैरागी से होगा।

इस महीने की शुरुआत में इंडोनेशिया ओपन में पहले दौर में बाहर होने के बाद लक्ष्य वापसी करने के लिए किसी तरह की कसर नहीं छोड़ेंगे। श्रीकांत पुरुष एकल में अपना पहला मैच चीनी ताइपे के लियाओ झूओ-फू के खिलाफ खेलेंगे। भारत के एक अन्य खिलाड़ी सानीथ दयानंद जापान के चौथी वरीयता प्राप्त युदाई ओकिमोतो के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। एस शंकर मुथुसामी सुब्रमणियन ने भी मुख्य ड्रॉ में जगह बना ली है और उनका मुकाबला क्वालीफायर से होगा। महिला एकल में पांचवीं वरीयता प्राप्त तन्वी शर्मा और छठी

वरीयता प्राप्त देविका सिहाग अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे। वे विश्व रैंकिंग में क्रमश: 32वें और 34वें स्थान पर हैं।

सत्रह वर्षीय तन्वी जर्मनी की यवोन ली के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेंगी जबकि देविका का सामना पेरू की इनेस लूसिया कैस्टिलो सालाजार से होगा। विश्व रैंकिंग में 51वें स्थान पर काबिज अनमोल खरब पहले दौर में बुल्गारिया की कालोयाना नलबंतोवा से भिड़ेंगी। रक्षिता श्री एस का सामना पहले दौर में क्वालीफायर से होगा। अगर वह आगे बढ़ती हैं, तो अगले दौर में उन्हें कनाडा की शीर्ष वरीयता प्राप्त मिशेल ली का सामना करना पड़ सकता है। श्रीयांशी वलीशेट्टी अपना पहला मैच कनाडा की राहेल चान के खिलाफ खेलेंगी। तान्या हेमंत का सामना जापान की तीसरी वरीयता प्राप्त रिको गुंजी से, जबकि आकर्षी कश्यप का मुकाबला चीनी ताइपे की तुंग सिउ-टोंग से होगा। महिला युगल में भारत की तरफ से त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ही चुनौती पेश करेंगी। उनका पहला मुकाबला स्पेन की पाउला लोपेज़ और लूसिया रोड्रिगेज़ से होगा। पुरुष युगल के ड्रॉ में कोई भी भारतीय जोड़ी शामिल नहीं है। मिश्रित युगल में सातवीं वरीयता प्राप्त ध्रुव रावत और मनीषा के इंडोनेशिया के विरावन इहसान आदम और सेरेना कानी के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेंगे। (अनंत ज्ञान)

स्पोर्ट्स विंडो

दर्शक बनकर उरुग्वे का सुआरेज देख रहे हैं निराशाजनक प्रदर्शन

एजेंसी, मियामी गार्डन्स (अमेरिका)। विश्व कप में उरुग्वे की शुरुआत उम्मीदों के अनुरूप नहीं रही है। सऊदी अरब और केप वर्डे के खिलाफ लगातार ड्रॉ के बाद दो बार की चैंपियन टीम पर पहले दौर से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। केप वर्डे के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ रहे मुकाबले को देखने वालों में उरुग्वे के महान स्ट्राइकर लुई सुआरेज भी शामिल थे। मियामी स्टेडियम में खेले गए मैचों को 39 वर्षीय सुआरेज ने दर्शक के रूप में देखा। वह वर्तमान में इंटर मियामी के लिए खेलते हैं और 2024 में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास ले चुके हैं। राष्ट्रीय टीम के लिए 143 मैचों में 69 गोल करने वाले सुआरेज उरुग्वे के सर्वकालिक शीर्ष स्कोरर हैं। कई महीनों की चर्चाओं के बावजूद मुख्य कोच मार्सेलो बिएल्सा ने उन्हें विश्व कप टीम में शामिल नहीं किया और युवा खिलाड़ियों पर भरोसा जताया। हालांकि सुआरेज ने अप्रैल में संकेत दिया था कि जरूरत पड़ने पर वह विश्व कप से पहले संन्यास से वापसी कर सकते हैं। उरुग्वे के प्रशंसकों का मानना है कि सुआरेज जैसे अनुभवी और प्रभावशाली खिलाड़ी की कमी टीम को महसूस हो रही है। अब स्पेन के खिलाफ होने वाला मुकाबला उरुग्वे के लिए करो या मरो की स्थिति बन चुका है। (अनंत ज्ञान)

शाहबाज ने राढ़ टाइगर्स को दिलाया बंगाल टी20 लीग का पहला खिताब

एजेंसी, कोलकाता। कप्तान शाहबाज अहमद की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत राढ़ी राढ़ टाइगर्स ने बंगाल टी20 लीग का पहला खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मुकाबले में राढ़ टाइगर्स ने सोबिस्को स्मैशर्स मालदा को बारिश से प्रभावित मैच में डकवर्थ-लुइस पद्धति के तहत नौ रन से हराया। बारिश के कारण मैच को 15-15 ओवर का कर दिया गया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए राढ़ टाइगर्स की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम ने केवल 10 रन पर तीन विकेट गंवा दिए। मुश्किल परिस्थितियों में कप्तान शाहबाज अहमद ने जिम्मेदारी संभाली और 46 गेंदों पर नाबाद 88 रन की शानदार पारी खेली। अपनी पारी में उन्होंने सात चौके और छह छक्के लगाए। उन्हें गौरव सिंह चौहान का भी अच्छा साथ मिला, जिन्होंने 30 गेंदों में 55 रन बनाए। दोनों की पारियों की बदौलत टीम ने चार विकेट पर 165 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। बारिश के कारण लक्ष्य संशोधित कर मालदा के सामने नौ ओवर में 107 रन रखा गया। जवाब में स्मैशर्स मालदा की टीम पांच विकेट पर 97 रन ही बना सकी। टीम की ओर से अभिमन्यु ईश्वरन ने सर्वाधिक 38 रन बनाए, लेकिन वह टीम को जीत नहीं दिला सके। इस जीत के साथ राढ़ टाइगर्स ने पहली बार बंगाल टी20 लीग का खिताब अपने नाम कर इतिहास रच दिया। (अनंत ज्ञान)

मिस्र के खिलाफ हार के बावजूद न्यूजीलैंड डिफेंडर का दमदार प्रदर्शन

एजेंसी, वैंकूवर। न्यूजीलैंड के डिफेंडर फिन सुरमन ने मिस्र के खिलाफ विश्व कप मुकाबले में शानदार गोल दागकर अपनी छाप छोड़ी। हालांकि उनकी टीम को 3-1 से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन सुरमन के प्रदर्शन ने प्रशंसकों का ध्यान आकर्षित किया। इस हार के बाद न्यूजीलैंड के केवल एक अंक के साथ अपने ग्रुप में सबसे नीचे है, फिर भी उसके पास नॉकआउट चरण में पहुंचने की उम्मीद बची हुई है। सुरमन ने मैच के 15वें मिनट में टीम को बढ़त दिलाई। साथी डिफेंडर टिम पेन की कॉर्नर किक पर उन्होंने शानदार हेडर लगाकर गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाया। उनके इस गोल की बदौलत न्यूजीलैंड ने लंबे समय तक मुकाबले में बढ़त बनाए रखी। मैच के बाद सुरमन ने कहा कि मैंने वास्तव में बहुत ऊंची छलांग लगाई थी। यह निश्चित रूप से शानदार गोल था और मैं इससे बेहद खुश हूं। हमने पहले हाफ में काफी अच्छा खेल दिखाया। सुरमन के लिए यह गोल इसलिए भी खास रहा क्योंकि उनके माता-पिता स्टेडियम में मौजूद थे और उन्होंने अपने बेटे का शानदार प्रदर्शन देखा। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि वे इस पल को हमेशा याद रखेंगे और उन्हें इस पर गर्व होगा।' हालांकि न्यूजीलैंड को इस मैच में हार मिली, लेकिन सुरमन का गोल टीम के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। (अनंत ज्ञान)

भारतीय खिलाड़ियों को एकल पर ध्यान देना चाहिए: विजय अमृतराज

एजेंसी, चेन्नई। भारत के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी विजय अमृतराज ने देश के उभरते खिलाड़ियों को युगल के बजाय एकल मुकाबलों पर अधिक ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी है। उनका मानना है कि खिलाड़ियों का लक्ष्य केवल पेशेवर टूर में हिस्सा लेना नहीं, बल्कि विश्व रैंकिंग के शीर्ष 50 में जगह बनाना, नियमित रूप से ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट खेलना और एटीपी खिताब जीतना होना चाहिए। पूर्व विश्व नंबर 16 अमृतराज ने कहा कि युवा खिलाड़ियों को रोजर फेडरर, राफेल नडाल और सेरेना विलियम्स जैसे महान एकल खिलाड़ियों से प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कोई खिलाड़ी टेनिस इसलिए शुरू नहीं करता कि वह सबसे महान युगल या मिश्रित युगल खिलाड़ी बने। हर खिलाड़ी का सपना अगले फेडरर, नडाल या सेरेना विलियम्स बनने का होता है। विंबलडन के क्वार्टर फाइनल और यूएस ओपन के सेमीफाइनल तक पहुंच चुके अमृतराज ने जोर देकर कहा कि टेनिस में सफलता का असली पैमाना एकल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन है। (अनंत ज्ञान)

धीमी ओवर गति पर इंग्लैंड को झटका, 12 डब्ल्यूटीसी अंक कटे

एजेंसी, लंदन

विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में पहली बार पहुंचने की इंग्लैंड की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। न्यूज़ीलैंड के खिलाफ ओवल में खेले गए दूसरे टेस्ट में धीमी ओवर गति बनाए रखने के कारण इंग्लैंड के 12 डब्ल्यूटीसी अंक काट लिए गए हैं। ओवल टेस्ट में न्यूज़ीलैंड ने इंग्लैंड को 253 रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला बराबर कर दी। मैच के बाद यह पाया गया कि इंग्लैंड निर्धारित समय के मुकाबले 12 ओवर पीछे रहा। इसके चलते टीम पर अंक कटौती के साथ-साथ खिलाड़ियों की मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना भी लगाया गया।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने अपने बयान में कहा कि इंग्लैंड के कार्यवाहक कप्तान जो रूट ने गलती स्वीकार कर ली और प्रस्तावित दंड को मान लिया, जिसके बाद औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं पड़ी। इस दंड के बाद विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) तालिका में इंग्लैंड सातवें स्थान पर बना हुआ है, लेकिन उसका अंक प्रतिशत 34.72 से घटकर 26.38 हो गया है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) तालिका की शीर्ष दो टीमें अगले वर्ष लॉर्ड्स में होने वाले फाइनल में आमने-सामने होंगी। फिलहाल शीर्ष दो स्थानों पर ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका काबिज हैं। इंग्लैंड के नियमित कप्तान बेन स्टोक्स अब नॉटिंघम में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ तीसरे व अंतिम टेस्ट में वापसी करेंगे। स्टोक्स व तेज गेंदबाज गस एटकिंसन दूसरे टेस्ट में लंदन के एक नाइट क्लब में समय सीमा उल्लंघन के कारण निलंबित रहे थे। (अनंत ज्ञान)

4 साल बाद सिंगल्स कोर्ट पर वापसी करेंगी सेरेना, विंबलडन के लिए मिला वाइल्डकार्ड

एजेंसी, लंदन

दिग्गज अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी सेरेना विलियम्स एक बार फिर ग्रैंड स्लैम मंच पर वापसी करने जा रही हैं। 23 बार की ग्रैंड स्लैम विजेता सेरेना को विंबलडन 2026 के सिंगल्स वर्ग के लिए अंतिम वाइल्डकार्ड दिया गया है। इसके साथ ही वह लगभग चार साल बाद किसी बड़े टूर्नामेंट में सिंगल्स मुकाबला खेलती नजर आएंगी।

44 वर्षीय सेरेना पहले ही अपनी बड़ी बहन वीनस विलियम्स के साथ डबल्स वर्ग में वाइल्डकार्ड हासिल कर चुकी थीं, लेकिन अब सिंगल्स में भी उनकी एंट्री ने खेल प्रेमियों के बीच उत्साह बढ़ा दिया है। सात बार की विंबलडन चैंपियन सेरेना ने आखिरी बार वर्ष 2022 में इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था। उस दौरान उन्हें पहले दौर में फ्रांस की खिलाड़ी हार्मनी तान से हार का सामना करना पड़ा था। उसी वर्ष

अमेरिकी ओपन में उनका सफर तीसरे दौर में समाप्त हुआ था। उस समय सेरेना ने टेनिस से संन्यास लेने की घोषणा नहीं की थी और कहा था कि वह खेल से आगे एक नए चरण में आगे बढ़ रही हैं। हालांकि पिछले वर्ष उनके दोबारा एंटी-डोपिंग परीक्षण कार्यक्रम में शामिल होने के बाद उनकी वापसी की चर्चाएं तेज हो गई थीं।

हाल ही में उन्होंने टेनिस कोर्ट पर वापसी करते हुए कनाडा की युवा खिलाड़ी विक्टोरिया म्बोको के साथ डबल्स मुकाबले खेले। इसके बाद उन्होंने चेक गणराज्य की खिलाड़ी करोलिना मुचोवा के साथ भी डबल्स स्पर्धा में हिस्सा लिया। अब सभी की नजरें विंबलडन पर होंगी, जहां सेरेना एक बार फिर सिंगल्स कोर्ट पर उतरकर अपने शानदार करियर में नया अध्याय जोड़ने की कोशिश करेंगी। इस वर्ष विंबलडन प्रतियोगिता 29 जून से 12 जुलाई तक आयोजित की जाएगी। (अनंत ज्ञान)

स्पेन की जीत में चमके यामल और ओयारजाबल

एजेंसी, अटलांटा। किशोर सुपरस्टार लामिन यामल ने फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर पहली बार शुरुआती लाइनअप में शामिल होने के 10 मिनट के भीतर ही गोल किया जबकि मिकेल ओयारजाबल ने दो गोल दागे जिससे स्पेन रविवार को यहां सऊदी अरब को 4-0 से हराकर विश्व कप में अपना अभियान वापस पटरी पर लाने में सफल रहा।

खिताब के प्रबल दावेदार स्पेन ने अपना पहला मैच केप वर्दे के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ खेला था और उसे बड़ी जीत की सख्त दरकार थी। यामल को पहले मैच में दूसरे हाफ में स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में मैदान पर उतारा गया था।

स्पेन की तरफ से 18 वर्षीय फॉरवर्ड यामल ने दूर के पोस्ट पर स्लाइड करते हुए एक लो क्रॉस को शानदार तरीके से गोल में तब्दील कर पहला गोल दागा। इससे वह विश्व कप के इतिहास में सबसे कम उम्र में गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में आठवें नंबर पर काबिज हो गए। यामल ने कहा कि पहले मैच में वास्तव में हम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे लेकिन अब हम लय में आ गए हैं और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं। (अनंत ज्ञान)

राष्ट्रपति मुर्मू ने कूनो में चीता मित्रों से किया संवाद, संरक्षण कार्यों की ली जानकारी

एजेंसी, भोपाल

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में स्थित कूनो नेशनल पार्क के दो दिवसीय प्रवास के दूसरे दिन सोमवार को चीता मित्रों से संवाद कर चीता संरक्षण के प्रयासों की जानकारी ली। राष्ट्रपति ने चीता मित्रों से बातचीत के दौरान उनके द्वारा चीतों की सुरक्षा और आमजन के बीच चीतों के व्यवहार को लेकर किये जा रहे जनजागरूकता के प्रयासों के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने सभी चीता मित्रों से वन-टू-वन चर्चा कर परियोजना के लिए उनके द्वारा मानसेवी रूप से किये जा रहे प्रयासों की सराहना की।

राष्ट्रपति मुर्मु को बताया गया कि कूनो नेशनल पार्क से लगे सभी ग्रामों में चीता मित्र मौजूद हैं, जिनके द्वारा चीतों की सुरक्षा के संबंध में ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है। चीतों के आबादी क्षेत्र में आवागमन की स्थिति पर किये जाने वाले कार्यों के

संबंध में सभी को अवगत कराया गया है। ग्रामीणों को यह जानकारी भी दी जा रही है कि स्वभाविक रूप से चीते किसी को नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। चीता जब आबादी क्षेत्र अथवा खेतों में दिखाई दे तो तत्काल वन विभाग को अवगत कराया जाये, जिससे उन्हें किसी भी प्रकार से नुकसान न पहुंचे। भारत में चीतों की पुनर्बसाहट के लिए यह परियोजना अति महत्वपूर्ण है। इस दौरान चीता मित्र कुलदीप आदिवासी निवासी सिलोरी, संग्राम आदिवासी एवं राजनदंनी आदिवासी निवासी हथेडी, मल्हा आदिवासी निवासी सेसईपुरा, शिवम आदिवासी निवासी पालपुर, विनोद आदिवासी निवासी ग्राम पैरा, रामलखन आदिवासी निवासी कराहल, लालाराम आदिवासी निवासी सेसईपुरा, दौलतराम आदिवासी निवासी सेसईपुरा और सतीश आदिवासी निवासी मोरावन मौजूद रहे। (अनंत ज्ञान)

राज्यसभा क्रॉस-वोटिंग मामला 8 विधायकों को अयोग्य ठहराने की बीजद की याचिका खारिज

एजेंसी, भुवनेश्वर। राज्यसभा चुनाव में कथित क्रॉस-वोटिंग को लेकर बीजू जनता दल (बीजद) को बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। ओडिशा विधानसभा की अध्यक्ष सुरमा पाढ़ी ने पार्टी द्वारा दायर उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें आठ विधायकों को अयोग्य घोषित करने की मांग की गई थी। ओडिशा विधानसभा सचिवालय द्वारा 19 जून को जारी आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, बीजद की मुख्य सचेतक प्रमिला मलिक ने 25 अप्रैल को आठ विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिका दायर की थी। पार्टी का आरोप था कि इन विधायकों ने मार्च में हुए राज्यसभा चुनाव के दौरान पार्टी व्हिप का उल्लंघन करते हुए क्रॉस-वोटिंग की थी। याचिका में जिन विधायकों के नाम शामिल थे, उनमें देवी रंजन त्रिपाठी, सौविक बिस्वाल, रमाकांत भोई, नव मलिक, सुभासिनी जेना, चक्रमणि कन्हर, अरविंद महापात्र और सनातन महाकुड़ शामिल हैं। बीजद ने दल-बदल विरोधी कानून (एंटी-डिफेक्शन प्रावधानों) के तहत कार्रवाई की मांग करते हुए विधानसभा अध्यक्ष से इन विधायकों को सदन की सदस्यता से अयोग्य घोषित करने का अनुरोध किया था। हालांकि, मामले की जांच और कानूनी पहलुओं पर विचार करने के बाद अध्यक्ष ने याचिका को खारिज कर दिया, जिससे सभी आठ विधायक अपनी विधानसभा सदस्यता बरकरार रखने में सफल रहे। (अनंत ज्ञान)

पाक के लिए जासूसी मामले में गिरफ्तार मुश्ताक का पुलिस रिमांड तीन दिन बढ़ा

एजेंसी, जयपुर। पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार मुश्ताक को सोमवार को पांच दिन की पुलिस रिमांड पूरी होने के बाद अपर वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रमांक-3 जयपुर महानगर-प्रथम की अदालत में पेश किया गया। जहां सुनवाई के दौरान सीआईडी इंटेलिजेंस ने उससे आगे की पूछताछ के लिए तीन दिन की अतिरिक्त पुलिस रिमांड मांगी, जिसे न्यायालय ने मंजूर कर लिया। अब उसे 25 जून को पुन: अदालत में पेश किया जाएगा। सीआईडी इंटेलिजेंस के विशेष लोक अभियोजक सुदेश सत्वान ने बताया कि जांच के दौरान आरोपित के कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर), बैंक खातों और वित्तीय लेन-देन की गहन पड़ताल की जानी है। पूछताछ में कुछ संदिग्ध व्यक्तियों के नाम भी सामने आए हैं, जिन्हें सुरक्षा एजेंसियों ने चिन्हित कर लिया है। हालांकि जांच के हित में उनकी पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है। जांच एजेंसियों के अनुसार पांच दिन की रिमांड के दौरान आरोपित को उन स्थानों पर भी ले जाया गया, जहां से उसने कथित रूप से फोटो और वीडियो बनाए थे। इन स्थानों पर मौके का निरीक्षण कर यह जानने का प्रयास किया गया कि उसे स्थानीय स्तर पर किन लोगों का सहयोग प्राप्त था।

ब्राह्मणों को उम्मीदवार बनाने से सपा में बढ़ी बेचैनी: मायावती

एजेंसी, लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने सोमवार को दावा करते हुए कि उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों के तहत जब से पार्टी ने ब्राह्मण समाज सहित अपर कास्ट के लोगों को उम्मीदवार बनाना शुरु कर दिया है तब से विपक्षी दलों विशेषकर समाजवादी पार्टी (सपा) में बेचैनी बढ़ गई है।

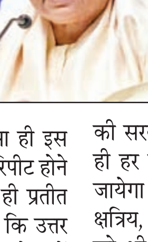

मायावती ने सोमवार को एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि वर्ष 2007 की तरह ब्राह्मण समाज के योगदान से बसपा को पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने जैसा ही इस बार के आगामी चुनाव परिणाम के रिपीट होने की संभावना के तहत स्वाभाविक ही प्रतीत होता है। वैसे भी यह सर्वविदित है कि उत्तर प्रदेश जैसे विशाल आबादी वाले प्रदेश में अपरकास्ट में से खासकर ब्राह्मण समाज का हित बसपा में ही सुरक्षित है। 'सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय' के सिद्धान्त, नीयत व नीति को बहुजन समाज पार्टी ने पहले पार्टी स्तर पर अमल करके और फिर सरकार बनने पर भी उन्हें भरपूर आदर-सम्मान के साथ-साथ उन्हें हर स्तर पर पूरी-पूरी भागीदारी दी है। दूसरी पार्टियों की सरकारों में इस वर्ग के लोग पिछले काफी समय से अपने आपको काफी उपेक्षित, असुरक्षित व ठगा हुआ भी महसूस कर रहे हैं।

बसपा प्रमुख ने आगे कहा कि इतना ही नहीं बल्कि ब्राह्मण समाज द्वारा सामाजिक भाईचारा के आधार पर बसपा से जुड़ने की इनकी तैयारियों को ध्यान में रखकर इन्हें पार्टी उम्मीदवार बनाने की प्रक्रिया जारी है। मायावती ने कहा कि बसपा की सरकार बनती है तो उन्हें पहले की तरह ही हर स्तर पर भरपूर आदर-सम्मान दिया जायेगा। इसके साथ ही, अपरकास्ट में से क्षत्रिय, वैश्य आदि व अन्य समाज के लोगों को भी उनकी बसपा से जुड़ने की तैयारी अर्थात् 'जिसकी जितनी तैयारी उसकी उतनी भागीदारी' के आधार पर चुनाव में उम्मीदवार भी जरूर बनाया जायेगा, जिसकी तैयारी हर स्तर पर लगातार जारी है। (अनंत ज्ञान)

अनंत Classifieds

नाम दुरुस्ती

मैं, अंकुश सिंह पुत्र श्री कुलदीप सिंह, निवासी गांव लडोली, तहसील अंब, जिला ऊना (हि.प्र.), घोषणा करता हूं कि मेरे आधार कार्ड एवं पैन कार्ड में मेरा नाम अंकुश सिंह दर्ज है जोकि सही है जबकि मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम अंकुश गलत दर्ज है। अत: मेरे पासपोर्ट में भी मेरा सही नाम अंकुश सिंह दर्ज किया जाए। सभी संबंधित नोट करें।

अदालती नोटिस
व अदालत तहसीलदार एंव सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी तहसील पंचरुखी जिला काँगड़ा हि0प्र0।
मुकदमा नं. 41/Teh/26
किस्म मुकदमा- नाम दरुस्ती
तारीख पेशी-20.07.2026
श्री रमेश कुमार पुत्र गिन्दा निवासी गांव पलाहू डाकघर पटटी तहसील पंचरुखी जिला कांगड़ा हि.प्र.
बनाम आम जनता
विषय: नाम की दरुस्ती करवाने बारे।
श्री रमेश कुमार पुत्र गिन्दा निवासी गांव पलाहू डाकघर पटटी तहसील पंचरुखी जिला कांगड़ा हि0प्र0। ने इस अदालत में प्रार्थना पत्र द्वारा सूचित किया है कि इनका असल नाम रमेश कुमार है परन्तू राजस्व रिकोर्ड महाल पलाहू पटवार वृत चन्द्रोपा में सौकी दर्ज है। जोकि गलत नाम दर्ज है। अब प्रार्थी अपने नाम की दरुस्ती करने उपरान्त सही नाम दर्ज कागजात माल करवाना चाहता है। अतः इस इश्तहार द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त नाम की दरुस्ती बारे किसी को कोई ऐतराज हो तो वह दिनांक 20.07.2026 को असालतन व वकालतन इस कार्यालय में हाजिर होकर उजर पेश कर सकता है। हाजिर न आने की सूरत में एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। आज दिनांक 22.06.2026 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर सहित जारी किया गया।
सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी तहसील पंचरुखी जिला काँगड़ा हि0प्र0।

व अदालत तहसीलदार प्रथम श्रेणी एंव कार्यकारी दण्डाधिकारी नगरोटा बगवां जिला कांगड़ा।
मिसल न0 /तह/2026
ता0 दा0 20-06-2026
ता0 पेशी 20-07-2026
अनुमान मुकदमा- प्रार्थी श्री रमेश कुमार पुत्र रोशन लाल निवासी गांव मुहालकड डाकधर चाहडी, तहसील नगरोटा वगवां जिला कांगड़ा। ...प्रार्थी पक्ष
वनाम आम जनता ...प्रत्याक्षी पक्ष
विषयः- प्रार्थना पत्र जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम 1969 की जेर धारा 13 (3) के अन्तर्गत खुशबू राणा की जन्म तिथि 04-09-2014 को ग्रांम पंचायत मुहालकड के रिकार्ड में दर्ज करने वारे।
प्रार्थी श्री रमेश कुमार पुत्र रोशन लाल निवासी गांव मुहालकड डाकधर चाहडी तहसील नगरोटा बगवां ने जन्म तिथि पंजीकरण वारे न्यायालय में उपस्थित होकर प्रार्थना पत्र पेश किया है कि मेरी पुत्री खुशबू राणा का जन्म दिनांक 04-09-2014 को ग्राम पंचायत मुहालकड में हुआ था परन्तु किसी कारणवस सम्वधित ग्राम पंचायत के रिकार्ड में दर्ज न करवा न सके। दर्ज करने का आग्रह किया है।
अखवारी ईश्तहार- अतः इस अदालती अखवारी ईश्तहार कोर्ट नोटिस द्वारा आम जनता व सगे सम्बन्धियों को एतद द्वारा सूचित किया जाता हैं कि यदि किसी को भी इस जन्म तिथि पंजीकरण करने बारे कोई एतराज हो तो वहस्वयं बजिरिया कौंसल एतराज दिनांक 20-07-2026 को अदालत में पेश कर सकते हैं। हाजिर ना आने की सूरत में एक तरफा कार्यवाही अम्ल में लाई जाएगी। और नियमानुसार जन्म तिथि पंजीकरण के आदेश पारित कर दिए जाएगें। आज दिनांक 20-06-2026 को मेरे हस्ताक्षर मोहर सहित जारी हुए।
कार्यकारी दण्डाधिकारी तहसील नगरोटा बगवां जिला कागड़ा हि0प्र0)

व अदालत सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी (तहसीलदार) बलद्वाड़ा जिला मण्डी (हि0प्र0)
मिसल न.- 01/2026
तारीख मरजुआ- 01-01-2026
व मुकदमा शीर्षक :- श्री बचित्र सिंह पुत्र स्व0 बेसरीया पुत्र वीरिया निवासी गांव व डा0 कसमैला, तहसील बलद्वाड़ा, जिला मण्डी (हि0प्र0) ...प्रार्थी
बनाम
आम जनता हिमाचल प्रदेश। ...प्रत्यार्थी
विषय :- गान्धी पुत्र बेसरिया पुत्र वीरिया निवासी महाल कसमैला /539 से सम्बन्धित इंतकाल मकफूद उलखबरी जायज वारसान के नाम तस्दीक किये जाने बारे प्रार्थना पत्र।
'ईशतहार' श्री बचित्र सिंह पुत्र स्व0 वेसरीया निवासी गांव व डा0 कसमैला तहसील बलद्वाड़ा जिला मण्डी (हि0प्र0) ने इस अदालत में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि उसका चाचा गान्धी पुत्र बेसरिया पुत्र वीरिया अरसा पिछले 50 वर्षों से लापता है जिसकी सूचना पुलिस थाना प्रभारी हटली बल्द्वाड़ा जिला मण्डी हि0 प्र0 में करवा रखी है, परन्तु उसके जिवित या मृत होने का कोई प्रमाण नहीं है तथा गान्धी की मुहाल कसमैला में दर्ज अचल संपति का इन्तकाल मकफूद उल खबरी दर्ज किया जाकर वहक जायज वारसान के नाम तस्दीक करने का निवेदन किया है। प्रार्थी द्वारा प्रार्थना पत्र के साथ राम दास पुत्र सिहणू राम निवासी दगडौन व विचित्र सिंह पुत्र बेसरिया पुत्र विरीया निवासी गांव व डाकघर कसमैला तहसील बलद्वाड़ा जिला मण्डी हि0 प्र0 के ब्यान हल्फी, प्रमाण पत्र ग्राम पंचायत कसमैला, पुलिस थाना हटली में रोजनामचा नम्बर-031 दिनांक 04-11-2025, नकुलात जमाबंदी मुहाल कसमैला/539 बर्श 2020-2021 व नकुलात जमाबंदी मुहाल खल्याणा/542 बर्श 2021-2022 संलग्न किये गये हैं। क्षेत्रीय राजस्व अभिकरण की रिपोर्ट के अनुसार गान्धी के जायज वारसान के नाम वरास्त वजरिया मकफूद उलखबरी इन्तकाल नम्बर 262 मुहाल खल्याणा/542 दर्ज किया गया है। अतः आम जनता को इस ईशतहार द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि उक्त इन्तकाल को तस्दीक करने बारे किसी व्यक्ति को कोई उजर एतराज हो या गान्धी के जीवित होने बारे सूचना हो, तो वह दिनांक 02-07-2026 को इस अदालत में असालतन / वकालतन हाजिर आकर एतराज पेश कर सकता है अन्यथा एकतरफा कार्यावाही अमल में लाई जायेगी। उसके पश्चात् कोई भी उजर एतराज मान्य नहीं होगा। आज दिनांक 22-06-2026 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी किया गया।
सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी बलद्वाड़ा जिला मण्डी (हि0प्र0)

अदालती नोटिस
व अदालत तहसीलदार एंव सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी तहसील पंचरुखी जिला काँगड़ा हि0प्र0।
मुकदमा न. 40/Teh/26
किस्म मुकदमा-नाम दरुस्ती
तारीख पेशी-16.07.2026
श्री रमेश चन्द पुत्र धनि राम निवासी गांव व डाकघर घाड तहसील पंचरुखी जिला कांगड़ा हि0प्र0।
बनाम आम जनता
विषय: नाम की दरुस्ती करवाने बारे।
श्री रमेश चन्द पुत्र धनि राम निवासी गांव व डाकघर घाड तहसील पंचरुखी जिला कांगड़ा हि0प्र0। ने इस अदालत में प्रार्थना पत्र द्वारा सूचित किया है कि इनके पिता का असल नाम धनि राम है परन्तु राजस्व रिकोर्ड महाल घाड पटवार वृत घाड में धनिया दर्ज है। जोकि गलत नाम दर्ज है। अब प्रार्थी अपने पिता के नाम की दरुस्ती करने उपरान्त सही नाम दर्ज कागजात माल करवाना चाहता है।
अतः इस इश्तहार द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त नाम की दरुस्ती बारे किसी को कोई ऐतराज हो तो वह दिनांक 16.07.2026 को असालतन व वकालतन इस कार्यालय में हाजिर होकर उजर पेश कर सकता है। हाजिर न आने की सूरत में एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। आज दिनांक 22.06.2026 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर सहित जारी
सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी तहसील पंचरुखी जिला काँगड़ा हि0प्र0।

कुल्लू बीडीसी चुनाव: अध्यक्ष पद पर भाजपा की यमुना ठाकुर जीतीं

उपाध्यक्ष पद के लिए हुआ टाई; टॉस से पलटा गेम, कांग्रेस समर्थित सुंदर ठाकुर की किस्मत चमकी

अनंत ज्ञान

ब्लॉक समिति कुल्लू की नवनियुक्त अध्यक्ष भाजपा पदाधिकारियों के साथ। अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। जिला मुख्यालय ढालपुर के ब्लॉक समिति कार्यालय में सोमवार को ब्लॉक समिति कुल्लू के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पदों के लिए चुनावी प्रक्रिया को पूरा किया गया। कुल 18 सदस्यों वाली इस ब्लॉक समिति में अध्यक्ष पद पर भाजपा समर्थित यमुना ठाकुर ने जीत दर्ज की है, जबकि उपाध्यक्ष पद का फैसला बराबरी पर छूटने के बाद टॉस (पर्ची सिस्टम) से हुआ, जिसमें कांग्रेस समर्थित सुंदर ठाकुर की किस्मत चमकी।

18 सदस्यों की इस समिति में अध्यक्ष पद के लिए सीधा मुकाबला हुआ। भाजपा समर्थित उम्मीदवार यमुना ठाकुर को कुल 10 वोट मिले, जबकि कांग्रेस समर्थित हर्ष ठाकुर को सिर्फ 8 वोटों से संतोष करना पड़ा। इस तरह यमुना ठाकुर ने बहुमत के साथ अध्यक्ष पद की कुर्सी पर अपना कब्जा जमा लिया।

वहीं, उपाध्यक्ष पद के चुनाव में मुकाबला बेहद दिलचस्प और कांटे का हो गया। यहां भाजपा समर्थित नुप राम और कांग्रेस समर्थित सुंदर सिंह (सुंदर ठाकुर) दोनों को ही 9-9 वोट मिले। मुकाबला टाई होने के बाद एसडीएम कुल्लू निशांत ठाकुर ने 'पर्ची सिस्टम' (टॉस) का सहारा लिया। भाग्य ने कांग्रेस का साथ दिया और पर्ची के माध्यम से सुंदर ठाकुर को उपाध्यक्ष पद पर विजयी घोषित कर दिया गया। चुनाव संपन्न होने के बाद एसडीएम ने दोनों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

दबाव की राजनीति से हथियाए जा रहे कुछ पद कांग्रेस की गिर रही हैं विकेटें: गोविंद ठाकुर

पूर्व मंत्री गोविंद सिंह ठाकुर ने पंचायत समिति, नगर परिषद और जिला परिषद के अध्यक्ष-उपाध्यक्ष चुनावों को लेकर कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने दावा किया कि पंचायती राज संस्थाओं और शहरी निकायों के चुनावों में भाजपा को पूरे प्रदेश, विशेषकर कुल्लू जिले में व्यापक जनसमर्थन मिला है। गोविंद ठाकुर ने आरोप लगाया कि कई स्थानों पर बहुमत भाजपा के पास होने के बावजूद कांग्रेस सरकारी मशीनरी और दबाव की राजनीति के सहारे पद हासिल कर रही है। उन्होंने कहा कि निर्वाचित प्रतिनिधियों पर विभिन्न प्रकार के दबाव बनाए जा रहे हैं, जिससे कुछ स्थानों पर चुनाव परिणाम प्रभावित हुए हैं।उन्होंने दावा किया कि कुल्लू जिला परिषद में भाजपा बहुमत में है और प्रदेशभर में कांग्रेस का जनाधार कमजोर हुआ है। गोविंद ठाकुर ने कहा कि भाजपा जनता के विश्वास और लोकतांत्रिक मूल्यों के आधार पर आगे भी मजबूती से कार्य करती रहेगी।

पूर्ण बहुमत के बाद भी उपाध्यक्ष पद हारने पर मंथन करेगी भाजपा

भाजपा के लिए यह चुनावी नतीजा थोड़ी चिंता लेकर भी आया है। पूर्व मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता गोविंद सिंह ठाकुर ने कहा कि समिति में भाजपा पूर्ण बहुमत में थी। इसके बावजूद उपाध्यक्ष पद पर दोनों प्रत्याशियों को बराबर वोट मिलना और फिर हार का सामना करना मंथन का विषय है। उन्होंने कहा कि जल्द ही भाजपा इस बात की समीक्षा करेगी कि आखिर ऐसे क्या कारण रहे कि पूर्ण बहुमत होने के बाद भी उपाध्यक्ष पद पर पार्टी काबिज नहीं हो पाई।

नगर पंचायत बंजार में भाजपा की जीत

अध्यक्ष-उपाध्यक्ष दोनों पद भाजपा की झोली में, कांग्रेस का सूपड़ा साफ

अनंत ज्ञान

बंजार। नगर पंचायत बंजार में अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष पद पर भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड विजय ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बंजार की जनता का विश्वास आज भी भाजपा की नीतियों, कार्यशैली और जनसेवा के प्रति अटूट है।

बंजार के विधायक सुरेंद्र शौरी ने कहा है कि यह विजय केवल चुनावी जीत नहीं, बल्कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार की जनविरोधी नीतियों, वादाखिलाफी और विकास कार्यों की उपेक्षा के विरुद्ध जनता का सशक्त जनादेश भी है। प्रदेश सरकार की विफलताओं से परेशान जनता ने लोकतांत्रिक माध्यम से अपना स्पष्ट संदेश दिया है कि वह विकास, सुशासन और जनहित की राजनीति के साथ खड़ी है।इस शानदार विजय के लिए सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों, भाजपा कार्यकर्ताओं एवं सम्मानित मतदाताओं का हृदय से आभार एवं बधाई। यह जीत जनता के विश्वास, कार्यकर्ताओं के समर्पण और कांग्रेस सरकार की विफल नीतियों के विरुद्ध जनाक्रोश की जीत है।

मिड-डे मील कर्मियों ने खोला मोर्चा

कुल्लू में प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री सुक्खू को भेजा ज्ञापन

अनंत ज्ञान

एसी-टू-डीसी कुल्लू को मांगों संबंधित ज्ञापन सौंपते हुए। अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। जिले में सोमवार को मिड-डे मील वर्कर्स यूनियन (संबंधित सीटू) ने अपनी लंबित मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ जोरदार मोर्चा खोल दिया है।

जिला अध्यक्ष ममता नेगी के नेतृत्व में आज यूनियन के एक प्रतिनिधिमंडल ने एसी टू डीसी कुल्लू के माध्यम से सूबे के मुख्यमंत्री को एक मांग पत्र (ज्ञापन) सौंपा। जिला अध्यक्ष ममता नेगी ने बताया कि राज्य कमेटी के आह्वान पर आज पूरे प्रदेश के मिड-डे मील कर्मी हड़ताल पर हैं, जिसके चलते आज स्कूलों में बच्चों को खाना नहीं मिल सका।

उन्होंने बताया कि शोषण के खिलाफ इस लड़ाई के तहत आज हजारों की संख्या में कर्मचारी शिमला में सचिवालय का घेराव कर रहे हैं, जिसमें शामिल होने के लिए बीते कल रात को ही कुल्लू से सैकड़ों की तादाद में मिड-डे मील कर्मी शिमला के लिए रवाना हो चुके थे। इस अवसर पर ज्ञापन सौंपने वाले प्रतिनिधिमंडल में खेख राम, तारा चंद, चौबे राम, त्रिलोक चंद, भुवनेश्वर, सीता, कांता, पेना, रीना, किरणा, रेखा, प्रेमा, सुभद्रा, अनीता, वीना, कुब्जा, जयवंती, गुड्डी, जयदेई और रेणू आदि उपस्थित रहीं।

वेतन विसंगतियों व छुट्टियों को लेकर जताई नाराजगी

यूनियन ने सरकार पर कर्मचारियों के शोषण का आरोप लगाते हुए कहा कि मिड-डे मील कर्मियों को न तो समय पर वेतन दिया जाता है और न ही छुट्टियों का कोई उचित प्रावधान है। वर्ष में 20 छुट्टियों का प्रावधान किया जाए। विभाग द्वारा अपनी मर्जी से खातों में वेतन डाला जाता है। कर्मचारियों ने मांग की है कि उनका पूरा वेतन एकमुश्त (एक साथ) दिया जाए और वेतन के साथ 'वेज स्लिप' भी अनिवार्य रूप से प्रदान की जाए। इसके साथ ही, माननीय हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के निर्णय के अनुसार कर्मचारियों को 10 महीने के बजाय पूरे 12 महीने का वेतन दिया जाना चाहिए। यूनियन ने दोटूक शब्दों में सरकार को चेतावनी दी है कि यदि उनकी इन जायज मांगों को जल्द पूरा नहीं किया गया, तो आने वाले समय में आंदोलन को और ज्यादा तेज व उग्र किया जाएगा।

चार दिन के पुलिस रिमांड पर भेजे चिट्टे के आरोपी

अनंत ज्ञान, मनाली। पुलिस थाना मनाली में चिट्टा की बरामदगी के मामले में गिरफ्तार किए गए दो युवक एवं एक युवती को चार दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है। गौर हो कि 30 वर्षीय युसूफ निवासी धारीवाल, तहसील अजनाला, जिला अमृतसर, 28 वर्षीय प्रिया निवासी धारीवाल, तहसील अजनाला, जिला अमृतसर तथा 28 वर्षीय आशीष (28 वर्ष), निवासी गांव नागकला, डाकघर मजाटा, जिला अमृतसर पंजाब को 19.350 ग्राम चिट्टा/हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया था। पुलिस ने आरोपितों को 21 जून को माननीय न्यायालय जेएमएफसी के समक्ष पेश किया गया। माननीय न्यायालय द्वारा आरोपितों को 25 जून तक चार दिन का पुलिस रिमांड प्रदान किया गया है। डीएसपी मनाली केडी शर्मा ने बताया कि वर्तमान में आरोपितों से गहन पूछताछ की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि उनके द्वारा बरामद किया गया चिट्टा कहाँ से प्राप्त किया था।

उद्यमिता और डिजिटल व्यापार पर विशेषज्ञों ने दिए सुझाव

रैंप कार्यक्रम के तहत जगतसुख में उद्यमिता एवं ऑनलाइन व्यापार पर जागरुकता कार्यशाला आयोजित

अनंत ज्ञान

एक दिवसीय जागरुकता कार्यशाला के दौरान महिलाएं व अन्य गणमान्य लोग। अनंत ज्ञान

मनाली। उद्योग विभाग द्वारा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के राइजिंग एंड एक्सेलरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस (रैंप) कार्यक्रम के अंतर्गत जगतसुख स्थित पंचायत भवन में एक दिवसीय जागरुकता कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में उद्यमिता विकास, ऑनलाइन व्यापार की रणनीतियों, सरकारी ई-मार्केट मंच तथा सूक्ष्म एवं लघु उद्यम समूह विकास कार्यक्रम की जानकारी देकर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों तथा स्वयं सहायता समूहों को जागरूक किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता जिला उद्योग केंद्र कुल्लू की ओर से आर्थिक अन्वेषक अनुज कुमार ने की। उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धा के इस दौर में पारंपरिक व्यवसायिक तरीकों से आगे बढ़कर आधुनिक तकनीकों और डिजिटल माध्यमों को अपनाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि युवा और महिलाएं बैंक ऋण तथा सरकारी अनुदान का लाभ उठाकर अपना स्वरोजगार स्थापित कर सकती हैं। कार्यशाला के प्रथम सत्र में मुख्य प्रशिक्षक डॉ. सरला शाशनी ने उद्यमिता कौशल और ऑनलाइन व्यापार की संभावनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। द्वितीय सत्र में ईशांत डोगरा ने सरकारी ई-मार्केट मंच (जैम) की उपयोगिता पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह मंच सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों, स्वयं सहायता समूहों और नव उद्यमों के लिए सरकारी खरीद प्रणाली तक पहुंच का प्रभावी माध्यम है। तृतीय सत्र में वित्तीय प्रबंधन प्रबंधक राजेंद्र सिंह ने सूक्ष्म एवं लघु उद्यम समूह विकास कार्यक्रम पर विशेष व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि समूह बनाकर कार्य करने से उद्यमियों को सामान्य सुविधा केंद्र, आधारभूत ढांचे के विकास और अन्य सरकारी सहायता का लाभ मिलता है, जिससे व्यवसाय को बड़े स्तर पर विकसित किया जा सकता है।

नुक्कड़ नाटकों से लोगों को बताए सड़क सुरक्षा, यातायात नियम

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू: क्षेत्रीय परिवहन विभाग कुल्लू के रोड सेफ्टी सेल द्वारा एक दिवसीय रोड सेफ्टी विषय पर जन जागरूकता अभियान चलाया गया। जिसके तहत सोमवार को ढालपुर मैदान व बस स्टैंड कुल्लू में कार्यक्रम हुए। मन्नत कला मंच कुल्लू के कलाकारों द्वारा लोगों का सड़क सुरक्षा, यातायात नियम के बारे गीत संगीत व नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मनोरंजन करते हुए भरपूर जानकारियां दी गई। कार्यक्रम में मन्नत कला मंच के कलाकारों मानचंद,खूबराम, अशोक, संजय,चंपा, अलीशा, गोपाल इंदु, ने गीत ,हेरी शुणी गड्डी चलानी', 'सुनो गौर से गाड़ी वालों' व नुक्कड़ नाटक 'सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा' के माध्यम से लोगों को गाड़ी लेने से पहले कानूनन उम्र 18 की होना,वैध ड्राइविंग लाइसेंस, बाइक चलते समय हेलमेट का प्रयोग, सीट बेल्ट लगाना,ओवर स्पीड व ओवरटेकिंग न करना, किसी भी नशे की हालत में गाड़ी न चलाना, गाड़ी चलाते समय फोन का इस्तेमाल नहीं करना आदि यातायात नियमों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। इस दौरान विभाग की ओर से अधिकारी अशोक कुमार उपस्थित रहे व लोगों में यातायात नियमों सम्बंधित सामग्री भी वितरित की गई। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी कुल्लू आकांक्षा शर्मा ने बताया कि हिमालयी क्षेत्रों में जैसे जैसे सड़कों की दशा बेहतरीन होती जा रही है वैसे ही सड़क दुर्घटनाओं के ग्राफ में भी लगातार वृद्धि हो रही है जिसका कारण हमेशा यातायात नियमों का उलंघन,ओवरस्पीड व लापरवाह ढंग से वाहन चलाना रहा है। लोगों को इन यातायात नियमों की पूरी जानकारी हो इस बारे उन्हें जागरूक करने के लिए परिवहन विभाग के रोड सेफ्टी सेल ने ये अभियान चलाया है।

युवा प्रतिभागियों ने पारंपरिक बौद्ध मठ काजा का किया भ्रमण

पारंपरिक बौद्ध मठ काजा के भ्रमण के दौरान प्रतिभागी युवा। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, काजा। विकसित वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम-2026 के अंतर्गत देश के विभिन्न राज्यों से किन्नौर और लाहौल-स्पीति के भ्रमण पर आए युवा प्रतिभागियों ने काजा खास स्थित पारंपरिक बौद्ध मठ में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का उत्साहपूर्वक आयोजन किया। हिमालय की भव्य पर्वत श्रृंखलाओं के बीच आयोजित इस कार्यक्रम ने स्वास्थ्य, संस्कृति और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। नागालैंड, केरल एवं गुजरात से आए युवाओं ने माई भारत के अधिकारियों, स्वयंसेवकों, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के जवानों तथा स्थानीय नागरिकों के साथ योगाभ्यास में भाग लिया। कार्यक्रम में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को सशक्त रूप से प्रदर्शित किया गया।

इस अवसर पर ध्रुव डोगरा (राज्य निदेशक, माई भारत हिमाचल प्रदेश), शुभम चंद्र (जिला युवा अधिकारी किन्नौर), बी.एस. गिल (सोलन), राहुल गर्ग (चंबा), केतन सिंगला (शिलांग) तथा 17वीं बटालियन आईटीबीपी के निरीक्षक सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे। वक्ताओं ने योग को भारत की अमूल्य धरोहर बताते हुए इसके शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक लाभों पर प्रकाश डाला। प्रतिभागियों ने योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवनशैली और राष्ट्र निर्माण में योगदान का संकल्प लिया।

आनी-थाच-पोखरी सड़क एक साल से बस सेवा के लिए बंद

अनंत ज्ञान आनी। आनी-थाच-पोखरी सड़क एक साल से बस सेवा के लिए बंद है, जिस कारण लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। भाजपा हिमाचल प्रदेश के आईटी सहसंयोजक एवं ग्राम पंचायत पोखरी के उपप्रधान आशीष शर्मा ने आनी-थाच तथा जीरो प्वॉइंट च्वाई नाला से पोखरी सड़क की बदहाल स्थिति को लेकर प्रदेश सरकार और संबंधित विभागों पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि बरसात को एक वर्ष बीत जाने के बावजूद सड़क को बस सेवा के लिए बहाल नहीं किया जा सका है, जिससे क्षेत्र की जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आशीष शर्मा ने कहा कि सड़क बंद होने के कारण क्षेत्र की पांच पंचायतों के लोग केवल आनी-मुहान-कोठी-टकरासी मार्ग पर चलने वाली एकमात्र बस सेवा पर निर्भर हैं। इस बस में प्रतिदिन क्षमता से कहीं अधिक 40 से 50 अतिरिक्त यात्री सफर करने को मजबूर हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बस में यात्रियों को दरवाजों और सीढ़ियों पर लटककर यात्रा करनी पड़ रही है, जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। भाजपा नेता ने लोक निर्माण विभाग से मांग की कि क्षतिग्रस्त स्थान पर शीघ्र सुरक्षा दीवार का निर्माण कर सड़क को बस सेवा के लिए बहाल किया जाए। वहीं, हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) से भी उन्होंने आग्रह किया कि जब तक थाच मार्ग पूरी तरह बहाल नहीं होता, तब तक पोखरी रूट की बस सेवा करोट तक नियमित रूप से संचालित की जाए ताकि ओवरलोडिंग की समस्या कम हो सके।आशीष शर्मा ने चेतावनी दी कि यदि विभाग और सरकार ने जल्द आवश्यक कदम नहीं उठाए तो क्षेत्र की पांच पंचायतों के लोगों को साथ लेकर विभाग के खिलाफ आंदोलन और घेराव किया जाएगा।

सच्चा सुख बाहरी वस्तुओं में नहीं आत्मिक शांति में निहित: साध्वी मीनू

मौहल में सत्संग के दौरान स्थानीय लोग। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। दिव्य ज्योति जागृति संस्थान की ओर से कुल्लू के मौहल में साप्ताहिक सत्संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आध्यात्मिक कार्यक्रम में स्थानीय श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और सत्संग का लाभ प्राप्त किया।

कार्यक्रम के दौरान संस्थान की साध्वी मीनू भारती ने सत्संग के माध्यम से उपस्थित संगत को आध्यात्मिक ज्ञान से ओत-प्रोत किया। उन्होंने मानव जीवन के उद्देश्य, आत्मज्ञान की महत्ता एवं गुरु कृपा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सच्चा सुख बाहरी वस्तुओं में नहीं, बल्कि आत्मिक शांति में निहित है। उन्होंने श्रोताओं को जीवन में सकारात्मकता अपनाने तथा परमात्मा से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।इस अवसर पर साध्वी गुरु गीता भारती ने मधुर भजन-कीर्तन प्रस्तुत कर वातावरण को पूर्णतः भक्तिमय बना दिया। उनके भजनों ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया और सभी ने भक्ति रस में डूबकर प्रभु स्मरण किया।दिव्य ज्योति जागृति संस्थान समय-समय पर समाज में आध्यात्मिक जागृति लाने हेतु विभिन्न सत्संग, प्रवचन एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन करता रहता है।

सहायता सीता राम को राफ्टिंग व्यवसाय से मिली नई पहचान, हर माह कमा रहा 40 से 50 हजार रुपए

सुखाश्रय योजना बनी सहारा, सीताराम की जिंदगी में आया नया उजाला

अनंत ज्ञान

प्रशिक्षण पूरा होने के बाद राफ्ट खरीद कर राफ्टिंग का कार्य शुरू किया। अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। कभी जीवन में ऐसा दौर भी था जब कुल्लू जिले की लग घाटी के सालंग गांव के 24 वर्षीय सीता राम के सामने भविष्य पूरी तरह अनिश्चित दिखाई देता था। माता-पिता का साया सिर से उठ चुका था। जीवन यापन का कोई स्थायी साधन नहीं था और परिस्थितियां इतनी कठिन थीं कि आगे की राह दिखाई नहीं देती थी। ऐसे समय में प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना उनके लिए आशा की किरण बनकर सामने आई।

मुख्यमंत्री, सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने 0 से 27 वर्ष के निराश्रित बच्चों और युवाओं के लिए उनके पालन पोषण शिक्षा दीक्षा और उच्च शिक्षा की संपूर्ण व्यवस्था के अतिरिक्त रोजगार के अवसर भी प्रदान किये जा रहे हैं।इस योजना में की गई है। जिससे यह बच्चे मुख्यमंत्री की संवेदनशील सोच और उदार नीति की वजह से चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट बनकर सम्मानजनक जीवन जी का रहे है। केवल आर्थिक सहायता का प्रावधान ही नहीं किया है, बल्कि उन्हें सम्मानपूर्वक और आत्मनिर्भर जीवन जीने का अवसर भी प्रदान किया है। इसी सोच का जीवंत उदाहरण हैं सीता राम, जिनके जीवन में सुखाश्रय योजना ने नया अध्याय लिख दिया।सीता राम बताते हैं कि माता-पिता के निधन के बाद उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती अपने भविष्य को सुरक्षित करने की थी। रहने के लिए उचित व्यवस्था नहीं थी और रोजगार का कोई साधन भी उपलब्ध नहीं था। ऐसे समय में सरकार ने उनके लिए अभिभावक की भूमिका निभाई। योजना के तहत उन्हें अपना घर बनाने के लिए तीन लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई। इसके साथ ही स्वरोजगार स्थापित करने के लिए दो लाख रुपये की अतिरिक्त आर्थिक सहायता भी उपलब्ध करवाई गई।सरकार ने केवल आर्थिक मदद तक ही अपने दायित्व को सीमित नहीं रखा। सीता राम को राफ्टिंग गतिविधि से जोड़ने के लिए विधिवत निःशुल्क प्रशिक्षण भी उपलब्ध करवाया गया ताकि वे स्वयं अपने पैरों पर खड़े हो सकें। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद उन्होंने राफ्ट खरीदी और ब्यास नदी में राफ्टिंग का कार्य आरंभ किया। आज सीता राम सफलतापूर्वक राफ्टिंग व्यवसाय से जुड़े हुए हैं और प्रतिमाह लगभग 40 से 50 हजार रुपये की आय अर्जित कर रहे हैं। सीता राम भावुक होकर कहते हैं कि सरकार ने केवल आर्थिक सहायता नहीं दी, बल्कि उन्हें जीवन में आगे बढ़ने का विश्वास भी दिया। उन्होंने मुख्यमंत्री, सुखविंद्र सिंह सुक्खू और प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यदि सुखाश्रय योजना का सहारा न मिलता तो शायद उनके लिए सम्मानजनक जीवन की कल्पना करना भी कठिन होता। आज वे आत्मसम्मान के साथ जीवन जी रहे हैं और अपने भविष्य को लेकर आशावान हैं। मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना इस बात का प्रमाण है कि संवेदनशील शासन व्यवस्था केवल योजनाएं नहीं बनाती, बल्कि जरूरतमंद लोगों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन भी लाती है। निराश्रित बच्चों और युवाओं के लिए सरकार अभिभावक बनकर खड़ी है, उनकी शिक्षा, देखभाल, आवास और रोजगार की जिम्मेदारी निभा रही है। सीता राम की कहानी इसी मानवीय सोच और जनकल्याणकारी दृष्टिकोण की प्रेरक मिसाल है।यह केवल एक व्यक्ति की सफलता की कहानी नहीं, बल्कि उस विश्वास की कहानी है कि जब सरकार संवेदनशीलता और संकल्प के साथ कार्य करती है, तो जीवन की कठिन परिस्थितियों से जूझ रहे लोगों को भी नई दिशा, नया आत्मविश्वास और सम्मानजनक भविष्य मिल सकता है।

युवाओं की आवाज बुलंद करने को राज्यव्यापी अभियान शुरू: सेस राम

अनंत ज्ञान

प्रेसवार्ता करते कांग्रेस जिला अध्यक्ष व साथ में अन्य पदाधिकारी।

ब्यूरो, कुल्लू। जिला कांग्रेस अध्यक्ष कुल्लू सेस राम आजाद ने प्रेस वार्ता में केंद्र सरकार पर शिक्षा और रोजगार के मुद्दों को लेकर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि देश इस समय गहरे शिक्षा एवं रोजगार संकट से गुजर रहा है। भ्रष्टाचार और प्रशासनिक अक्षमता ने शिक्षा व्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित किया है, जिसका सबसे अधिक नुकसान छात्रों और युवाओं को उठाना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रश्नपत्र लीक, परीक्षाओं का रद्द होना, भर्ती प्रक्रियाओं में देरी और बढ़ती बेरोज़गारी आज आम बात बन चुकी है। नीट, सीबीएसई, पीएससी, व्यापम और एनटीए जैसी संस्थाओं की लगातार विफलताओं के कारण छात्रों में निराशा, तनाव और असुरक्षा का माहौल पैदा हुआ है। कई मामलों में छात्रों द्वारा आत्महत्या जैसे दुखद कदम उठाने की घटनाएं भी सामने आई हैं। इसके बावजूद केंद्र सरकार, शिक्षा मंत्री और प्रधानमंत्री इस गंभीर विषय पर मौन हैं।सेस राम आजाद ने बताया कि इन मुद्दों को लेकर कांग्रेस पार्टी राज्यव्यापी अभियान शुरू कर रही है।

अभियान का उद्देश्य छात्रों और युवाओं की समस्याओं को जनता के सामने लाना तथा वर्तमान शिक्षा एवं परीक्षा प्रणाली की खामियों को उजागर करना है। उन्होंने कहा कि सभी जिला कांग्रेस कमेटियों को आगामी एक सप्ताह के भीतर जिला स्तर पर प्रेस वार्ताएं और जन-प्रस्तुतियां आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। इन कार्यक्रमों में राजस्थान के कोटा में आयोजित 'छात्रों की गूंज' रैली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा प्रस्तुत मूल प्रस्तुति का प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कार्यक्रमों में प्रश्नपत्र लीक, परीक्षाओं का रद्द होना, भर्ती प्रक्रियाओं में देरी, बेरोज़गारी और शिक्षा व्यवस्था की संरचनात्मक विफलताओं जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। उन्होंने बताया कि पार्टी के प्रवक्ता, एनएसयूआई, युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस सहित विभिन्न प्रकोष्ठ और संगठन इन कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभाएंगे।

विश्व धरोहर कालका-शिमला रेलवे का गौरवशाली इतिहास संजोया

कालका-शिमला रेलवे पर आधारित 'विरासत के मुसाफिर' डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शनी सोलन में आयोजित की गई, डॉक्यूमेंट्री को दर्शकों ने खूब सराहा

अनंत ज्ञान

आर मोहन चौहान, सोलन। विश्व धरोहर कालका-शिमला रेलवे के गौरवशाली इतिहास पर आधारित डॉक्यूमेंट्री 'विरासत के मुसाफ़िर' का विशेष प्रदर्शन शुक्रवार को सोलन स्थित होटल ग्रैंड पैरागॉन पैलेस में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में इतिहास प्रेमियों, शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों, रेलवे विरासत से जुड़े लोगों और अन्य गणमान्य अतिथियों ने भाग लिया। डॉक्यूमेंट्री में यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कालका-शिमला रेलवे की ऐतिहासिक विरासत, दुर्लभ तस्वीरें, पुराने दस्तावेज, रेल स्मृतिचिह्न और इससे जुड़ी कई अनकही कहानियों को दर्शकों के सामने प्रस्तुत किया गया।

यह रेलवे केवल एक परिवहन साधन नहीं, बल्कि हिमालयी क्षेत्र के सामाजिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विकास का एक जीवंत प्रतीक है। कार्यक्रम का शुभारंभ एसडीएम सोलन पूनम बंसल ने किया। इस अवसर पर उन्होंने इस प्रकार के प्रयासों को प्रदेश की ऐतिहासिक धरोहर के संरक्षण और नई पीढ़ी तक उसके महत्व को पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण बताया।

डॉक्यूमेंट्री के प्रस्तुतकर्ता एवं विरासत संग्राहक सुरिंदर कुमार वर्मा ने बताया कि 'विरासत के मुसाफ़िर' का उद्देश्य कालका-शिमला रेलवे से जुड़ी अमूल्य धरोहर को संरक्षित करना और उसकी ऐतिहासिक महत्ता से युवा पीढ़ी को अवगत कराना है। उन्होंने कहा कि यह फिल्म वर्षों के शोध, संग्रहित अभिलेखों और दुर्लभ ऐतिहासिक फोटोग्राफ पर आधारित है, जो दर्शकों को समय की एक अनूठी यात्रा पर ले जाती है। इस विशेष प्रदर्शन को उपस्थित लोगों ने सराहा और इसे हिमाचल प्रदेश की समृद्ध विरासत को संजोने की दिशा में एक सराहनीय पहल बताया। सोलन स्थित होटल ग्रैंड पैरागॉन पैलेस में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम ने दर्शकों को कालका-शिमला रेलवे के इतिहास को एक अनोखा अनुभव प्रदान किया। डॉक्यूमेंट्री 'विरासत के मुसाफ़िर' के प्रदर्शन के दौरान उपस्थित लोगों ने रेलवे की पुरानी यादों, दुर्लभ तस्वीरों और ऐतिहासिक दस्तावेजों को बड़े ध्यान से देखा। कई दर्शकों ने कहा कि इस तरह की प्रस्तुति न केवल जानकारी देती है बल्कि अपनी सांस्कृतिक विरासत से जुड़ाव भी मजबूत करती है।

कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिभागियों ने अपने विचार साझा किए और इस पहल को अत्यंत प्रेरणादायक बताया। शिक्षाविदों ने कहा कि यह डॉक्यूमेंट्री छात्रों को इतिहास को समझने का एक जीवंत माध्यम प्रदान करती है। शोधकर्ताओं ने इसे एक महत्वपूर्ण दस्तावेजी संग्रह बताया, जो आने वाले समय में अध्ययन के लिए उपयोगी साबित होगा।

प्रदर्शनी का निरीक्षण करती एसडीएम सोलन डॉ. पूनम। अनंत ज्ञान

डॉक्यूमेंट्री के निर्माता सुरिंदर कुमार वर्मा ने बताया कि इस परियोजना पर वर्षों तक शोध किया गया है और इसके लिए देश-विदेश से दुर्लभ सामग्री एकत्र की गई है। उन्होंने कहा कि कालका-शिमला रेलवे केवल एक इंजीनियरिंग चमत्कार नहीं है, बल्कि यह हिमाचल प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा भी है। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में इस तरह की और डॉक्यूमेंट्री तैयार की जाएंगी, ताकि स्थानीय इतिहास को संरक्षित किया जा सके।

एसडीएम सोलन पूनम बंसल ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने आयोजकों को इस सफल प्रयास के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी अतिथियों ने डॉक्यूमेंट्री की सराहना की और इसे हिमाचल की धरोहर को सहेजने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। कार्यक्रम के दौरान कई अतिथियों ने सुझाव दिया कि इस डॉक्यूमेंट्री को स्कूलों और कॉलेजों में भी प्रदर्शित किया जाना चाहिए, ताकि विद्यार्थियों को स्थानीय इतिहास की जानकारी मिल सके।

कुछ प्रतिभागियों ने कहा कि कालका-शिमला रेलवे से जुड़े पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए इस तरह के प्रयास बेहद आवश्यक हैं। आयोजकों ने बताया कि डॉक्यूमेंट्री को जल्द ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक लोग इसे देख सकें। अंत में सभी ने हिमाचल की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। सभी ने एकजुटता का संकल्प लिया।

नवनिर्वाचित प्रधानों ने अर्की में पिछले चार वर्षों में हुए कार्यों की सराहना की

अनंत ज्ञान

अर्की। ग्राम पंचायत चमयावल के नवनिर्वाचित प्रधान भावना और उपप्रधान परमिंदर ठाकुर ने संयुक्त रूप से आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि अर्की विधानसभा क्षेत्र के विधायक संजय अवस्थी ने पिछले चार वर्षों के दौरान पंचायत क्षेत्र में अनेक विकास कार्य करवाकर ग्रामीणों की लंबे समय से चली आ रही समस्याओं के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पंचायत में सड़कों, मूलभूत सुविधाओं तथा अन्य विकासात्मक कार्यों को गति मिलने से क्षेत्र के लोगों को प्रत्यक्ष लाभ पहुंचा है, जिसके लिए समस्त पंचायतवासी उनके प्रति आभार व्यक्त करते हैं।

प्रधान भावना और उपप्रधान परमिंदर ठाकुर ने बताया कि विधायक द्वारा पंचायत के विकास में दिए गए योगदान को देखते हुए उनके सम्मान एवं धन्यवाद के लिए 28 जून को एक भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में पंचायत के विभिन्न गांवों के लोग, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, महिला मंडल, युवक मंडल तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति भाग लेंगे। उपप्रधान परमिंदर ठाकुर ने विशेष रूप से पंचायत क्षेत्र की सड़कों के सुधार एवं निर्माण कार्यों के लिए विधायक द्वारा उपलब्ध करवाई गई 20 लाख रुपये की राशि के लिए उनका धन्यवाद किया।

उन्होंने कहा कि इस राशि से पंचायत क्षेत्र में सड़क सुविधाओं को मजबूत करने में सहायता मिलेगी, जिससे लोगों की आवाजाही और परिवहन व्यवस्था बेहतर होगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विधायक संजय अवस्थी भविष्य में भी पंचायत के विकास कार्यों के लिए निरंतर सहयोग प्रदान करते रहेंगे ताकि क्षेत्र के विकास में धन की कमी नहीं आने दी जाएगी। प्रधान भावना ने कहा कि पंचायत के सर्वांगीण विकास के लिए जनप्रतिनिधियों और जनता के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। विधायक संजय अवस्थी ने हमेशा पंचायत की आवश्यकताओं को प्राथमिकता देते हुए विकास कार्यों को आगे बढ़ाया है। इसी भावना के तहत पंचायतवासियों ने उनका सार्वजनिक रूप से सम्मान करने और आभार व्यक्त करने का निर्णय लिया है।

न्यूज ब्रीफ

एंटी चिट्टा अभियान, एचपीवी वैक्सीनेशन को लेकर जागरूकता कार्यक्रम

अनंत ज्ञान, दाड़लाघाट। सरस्वती विद्या मंदिर दाड़लाघाट में तंबाकू मुक्त विद्यालय अभियान, एंटी चिट्टा अभियान और एचपीवी वैक्सीनेशन जागरूकता पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। ब्लॉक हेल्थ सुपरवाइजर अर्की हिमेंद्र सलारिया ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नशा शारीरिक, मानसिक और सामाजिक जीवन को प्रभावित करता है। विद्यार्थियों को सकारात्मक सोच, अनुशासन और आत्मविश्वास अपनाने की प्रेरणा दी गई। योग दिवस के तहत योग, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास भी करवाया गया। कार्यक्रम में लगभग 200 विद्यार्थियों और शिक्षकगणों ने भाग लिया और स्वास्थ्य जागरूकता पर जोर दिया गया।

पच्छाद खंड में 28 जून को चलेगा पल्स पोलियो अभियान

अनंत ज्ञान, सराहां। राष्ट्रीय पोलियो प्रतिरक्षण दिवस-2026 के तहत 28 जून को पच्छाद खंड में पल्स पोलियो अभियान की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित की गई। एसडीएम डॉ. प्रियंका चंद्रा ने बैठक की अध्यक्षता की। इसमें विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। अभियान के तहत 0 से 5 वर्ष के बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाई जाएगी। खंड में 57 बूथ और एक ट्रांजिट बूथ स्थापित किए जाएंगे। लगभग 3,920 बच्चों को दवा पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। सभी विभागों से सहयोग का आह्वान किया गया।

श्रीखंड यात्रा के दौरान 12 जुलाई से भीम तलाई में श्रद्धालुओं को मिलेगा निशुल्क भोजन

अनंत ज्ञान, दाड़लाघाट। श्रीखंड महादेव सेवादल समिति दाड़लाघाट (धार) की बैठक समिति के प्रधान प्रेमलाल ठाकुर की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि श्रीखंड महादेव यात्रा के दौरान दाड़लाघाट से एक सेवा जत्था 12 जुलाई से प्रभु इच्छा तक भीम तलाई में श्रद्धालुओं के लिए निशुल्क भोजन व्यवस्था उपलब्ध करवाएगा। समिति सदस्यों ने बताया कि यह सेवा कार्य पिछले लगभग 10 वर्षों से लगातार किया जा रहा है। यात्रा के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं को भोजन सहित अन्य आवश्यक सेवाएं प्रदान की जाती हैं। यह भंडारा शिव मंदिर दाड़लाघाट के ब्रह्मलीन बाबा वैष्णो गिरी महाराज की प्रेरणा से संचालित किया जाता है। सदस्यों ने कहा कि इस सेवा कार्य में स्थानीय लोगों का विशेष सहयोग रहता है, जिसके कारण हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को इसका लाभ मिलता है और सेवा की यह परंपरा निरंतर आगे बढ़ रही है। बैठक में डॉ. मुकेश शुक्ला, प्रेमलाल ठाकुर, वीरेन्द्र गौतम, रमेश चंदेल, हेमंत शर्मा, जितेंद्र शर्मा, अश्वनी ठाकुर, मदन, विकास कौशल, पवन शर्मा, श्याम लाल, अरुण ठाकुर, मनोज सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

बीए प्रथम वर्ष की प्रथम मेरिट सूची जारी

अनंत ज्ञान, दाड़लाघाट। राजकीय महाविद्यालय दाड़लाघाट ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए बीए प्रथम वर्ष की प्रथम मेरिट सूची जारी कर दी है। इस वर्ष प्रवेश प्रक्रिया में विद्यार्थियों एवं अभिभावकों की ओर से विशेष रुचि देखने को मिली है, जो महाविद्यालय की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण में बढ़ते विश्वास को दर्शाती है। महाविद्यालय ने गत वर्षों में शैक्षणिक, सांस्कृतिक तथा सह-पाठ्यक्रमीय गतिविधियों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। उच्चतर शिक्षा विभाग हिमाचल प्रदेश ने विद्यार्थियों की सुविधा के लिए प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 30 जून 2026 कर दी है। महाविद्यालय प्रशासन के अनुसार नए शैक्षणिक सत्र से कक्षाएं नवीन भवन में संचालित होंगी, जहां विद्यार्थियों को आधुनिक सुविधाओं सहित बेहतर शिक्षण वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा। प्रवेश प्रक्रिया पारदर्शी और पूर्णतः मेरिट आधारित रखी गई है।

सलोगड़ा पहुंचने पर सांसद डॉ. सिकंदर कुमार का स्वागत

सांसद डॉ. सिकंदर कुमार का स्वागत करते पंचायत प्रतिनिधि। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

सोलन। सलोगड़ा में राज्य सभा सांसद डॉ. सिकंदर कुमार का बीडीसी सदस्य सलोगड़ा एवं मनसार मनीष कुमार के नेतृत्व में ट्रिपल एम (प्रधान मनोज कुमार, बीडीसी सदस्य मनीष कुमार एवं उपप्रधान मोहन लाल) ने मुलाकात की और सलोगड़ा में कार्यकर्ताओं के साथ उनका भव्य स्वागत किया गया।

इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता माया राम, ग्रामीण आईटी संयोजक अनिल राणा, वार्ड नंबर-1 के सदस्य संजय, रामू, रमेश दत्त, पंकज, सुनील, महेंद्र, बलबीर, बाबू राम, संजीव राणा, जय राज, नीरज सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान पंचायत प्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने सांसद डॉ. सिकंदर कुमार को भविष्य में सलोगड़ा में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने का न्योता दिया। इस पर उन्होंने सकारात्मक आश्वासन देते हुए कहा कि वे आगे भी सलोगड़ा क्षेत्र के कार्यक्रमों में भाग लेने का पूरा प्रयास करेंगे तथा क्षेत्र के विकास के लिए सदैव सहयोग करते रहेंगे। इस दौरान सांसद डॉ. सिकंदर कुमार ने कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए क्षेत्र की समस्याओं और विकास कार्यों की जानकारी भी ली। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ हर जरूरतमंद तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने स्थानीय नेतृत्व से आपसी समन्वय बनाकर काम करने की अपील की, ताकि विकास कार्यों में तेजी लाई जा सके।

कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र में सड़क, पानी, स्वास्थ्य और शिक्षा से जुड़ी समस्याओं को भी उनके सामने रखा। सांसद ने संबंधित विभागों से बात कर जल्द समाधान का आश्वासन दिया। इस अवसर पर माहौल काफी उत्साहपूर्ण रहा और कार्यकर्ताओं में आगामी विकास योजनाओं को लेकर उम्मीदें और बढ़ गईं। सभी ने एकजुटता का संकल्प लिया।

रबोन में आधी रात को खड़े चार वाहनों को ट्रक ने मारी टक्कर, चालक फरार

अनंत ज्ञान

सोलन। एनएच-5 चंडीगढ़-शिमला राष्ट्रीय उच्च मार्ग पर सोलन के रबोन क्षेत्र में आधी रात को एक तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क किनारे खड़े चार वाहनों को टक्कर मार दी। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। घटना रात करीब डेढ़ बजे की बताई जा रही है।

वाहनों को हुआ नुकसान। अनंत ज्ञान

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रक की टक्कर से चारों वाहनों को भारी नुकसान पहुंचा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस फरार ट्रक और उसके चालक का पता लगाने में जुटी हुई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि एनएच-5 पर इस तरह की घटनाएं पहले भी कई बार हो चुकी हैं। पूर्व प्रधान अनिल कुमार ने बताया कि इससे पहले भी कई बार वाहन चालक सड़क किनारे खड़े वाहनों को टक्कर मारकर फरार हो चुके हैं। उन्होंने प्रशासन से इस तरह की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है। हालांकि, राहत की बात यह रही कि हादसे के समय किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई और कोई भी व्यक्ति घायल नहीं हुआ। पुलिस मामले की विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है।

पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है ताकि फरार ट्रक की पहचान की जा सके। ट्रक का नंबर ट्रेस करने के प्रयास भी जारी हैं। वहीं, क्षतिग्रस्त वाहनों के मालिकों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने का आश्वासन दिया है।

लक्ष्य कॉन्वेंट स्कूल ने सिल्वर जोन ओलंपियाड एग्जाम में चमक बिखेरी

अनंत ज्ञान

अर्की। लक्ष्य कॉन्वेंट स्कूल नवंबर-दिसंबर 2025 में हुए सिल्वर जोन ओलंपियाड एग्जाम में अपने स्टूडेंट्स के शानदार परफॉर्मेंस पर गर्व से जश्न मना रहा है। स्टूडेंट्स ने अलग-अलग सब्जेक्ट्स में बेहतरीन रैंक और मेडल हासिल करके स्कूल का नाम रोशन किया। इंग्लिश ओलंपियाड में, यशस ठाकुर ने ओलंपियाड रैंक 1 हासिल की और गोल्ड मेडल जीता। यतिका ठाकुर ने रैंक 3 हासिल की और ब्रॉन्ज मेडल जीता। व्योम और अयांश स्टेट टॉपर बने और ब्रॉन्ज मेडल जीता, जबकि दिविजा ठाकुर ने स्टेट रैंक 3 हासिल की और लेवल-2 ओलंपियाड एग्जाम के लिए चुनी गई।

इंग्लिश ओलंपियाड में 13 स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया, जिसमें 6 गोल्ड, 1 सिल्वर और 6 ब्रॉन्ज मेडल की शानदार मेडल टैली थी। कंप्यूटर ओलंपियाड में, अयांश ने स्टेट टॉपर रैंक हासिल की और सिल्वर मेडल जीता, जबकि जसमीन क्लास टॉपर बनीं और उन्हें गोल्ड मेडल मिला। स्कूल ने हिंदी ओलंपियाड में भी शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें 6 गोल्ड, 2 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज मेडल मिले।

अनंत ज्ञान

स्कूल मैनेजमेंट और स्टाफ ने सभी अचीवर्स को उनकी कड़ी मेहनत और लगन के लिए बधाई दी। उनकी सफलता ने लक्ष्य कॉन्वेंट स्कूल को गर्व और सम्मान दिलाया है और दूसरे स्टूडेंट्स को बेहतरीन करने की प्रेरणा दी है। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि इस उपलब्धि के पीछे विद्यार्थियों की निरंतर मेहनत, शिक्षकों का मार्गदर्शन और अभिभावकों का सहयोग महत्वपूर्ण रहा है। प्रधानाचार्य ने सभी विजेता छात्रों को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

उन्होंने कहा कि लक्ष्य कॉन्वेंट स्कूल हमेशा से ही शैक्षणिक उत्कृष्टता और समग्र विकास को प्राथमिकता देता आया है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने भी अपने अनुभव साझा किए और बताया कि नियमित अभ्यास और शिक्षकों की प्रेरणा से ही उन्हें यह सफलता मिली है। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

पृथ्वी सिंह बोले-सीएम ने किया शादी के लिए हेलिकॉप्टर का दुरुपयोग

अनंत ज्ञान

राजगढ़। सिरमौर जिला भाजपा अनुसूचित मोर्चा के पूर्व अध्यक्ष पृथ्वी सिंह ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू पर सिरमौर वासियों को बार-बार निराश करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सिरमौर जिला के हरिपुरधार में प्रसिद्ध मां भंगायणी मेले के समापन समारोह की परंपरा को तार तार करते हुए मुख्यमंत्री हरिपुरधार नहीं आए परंतु गत दिवस एक निजी विवाह समारोह में शामिल होने के लिए हरिपुरधार के निकट टूटटी गांव पहुंच गए।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अपने निजी दौरे पर जनता के पैसे का दुरुपयोग कर हेलीकॉप्टर के माध्यम से हरिपुरधार पहुंचे जिससे यह स्पष्ट हो गया है कि मुख्यमंत्री को इस पिछड़े क्षेत्र के विकास की कोई चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मात्र मित्र मंडली के पोषण में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने शुरू से ही अपने मित्र मंडली के पोषण पर प्रदेश के वित्तीय संसाधनों का दुरुपयोग किया है और प्रदेश के विकास को हाशिये पर धकेल दिया है।

भाजपा नेता ने कहा कि सिरमौर के लोगों ने मां भंगायणी मेला के दौरान परंपरा अनुसार समापन समारोह की अध्यक्षता के लिए मुख्यमंत्री को इस उम्मीद से आमंत्रित किया था कि वह इस इलाके के विकास के लिए कुछ घोषणाएं करेंगे परंतु मुख्यमंत्री ने हरिपुरधार आना भी उचित नहीं समझा। पृथ्वी सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री ने इस क्षेत्र के विकास के लिए पूर्व भाजपा सरकार द्वारा खोले गए सिविल हॉस्पिटल हरिपुरधार, विद्युत मंडल संगड़ाह और विद्युत उपमंडल हरिपुरधार जैसे अनेक सरकारी संस्थाओं को डीनोटिफाई करके बंद किया है।

जिससे इस क्षेत्र के विकास की उम्मीद पर पानी फेर दिया है। पृथ्वी सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री के इस तुगलकी रवैये का खामियाजा 2027 के विधानसभा चुनाव में भुगतना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि जनता अब सरकार की नीतियों से निराश है और बदलाव के लिए तैयार है। क्षेत्रीय विकास ठप पड़ा है। पृथ्वी सिंह ने कहा कि सरकार की नीतियों से ग्रामीण क्षेत्रों में असंतोष बढ़ रहा है और लोग मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विकास योजनाएं केवल कागजों तक सीमित रह गई हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से जनता के बीच जाकर सरकार की नाकामियों को उजागर करने का आह्वान किया।

डॉ. पाठक ने युवाओं को नशे से दूर रहकर सकारात्मक जीवन अपनाने की सलाह दी

अनंत ज्ञान

सोलन। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग सोलन द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के तहत आज यहां जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य चिकित्सा अधिकारी सोलन डॉ. अजय पाठक ने की। डॉ. अजय पाठक ने कहा कि नशीले पदार्थों का सेवन व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। उन्होंने कहा कि नशीले पदार्थ जैसे तम्बाकू, शराब, गुटका, सिगरेट, चरस, गांजा, अफीम व अन्य मादक पदार्थों के सेवन व्यक्ति को मानसिक व शारीरिक रूप से कमजोर बना देता है।

उन्होंने कहा कि नशे के सेवन से हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, कैंसर, फेफड़ों, किडनी रोग इत्यादि समस्या हो सकती है। उन्होंने कहा कि नशे से न केवल शारीरिक नुकसान होते है अपितु तनाव, चिंता, अवसाद, चिड़चिड़ापन, अनिद्रा जैसे मानसिक नुकसान भी होते है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि किसी भी प्रकार के नशे से विद्यार्थियों के जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने और स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का आग्रह किया।

उन्होंने इस अवसर पर अध्यापकों एवं अभिभावकों से आग्रह किया कि विद्यार्थियों की गतिविधियों पर नज़र रखें, उनके व्यवहार में आए परिवर्तन को गम्भीरता से लें और समय-समय पर उचित पारदर्शिता के साथ उनसे संवाद करते रहे ताकि उन्हें नशे से दूर रखा जा सके। डॉ. पाठक ने कहा कि समाज के हर वर्ग को मिलकर नशे के खिलाफ अभियान को सफल बनाना होगा। उन्होंने जागरूकता कार्यक्रमों को नियमित रूप से आयोजित करने पर जोर दिया ताकि युवाओं में सही दिशा में सोच विकसित हो सके और नशा मुक्त समाज का निर्माण किया जा सके। उन्होंने सामुदायिक भागीदारी को भी बेहद आवश्यक बताया।

डॉ. सिकंदर कुमार बोले-मोदी सरकार के 12 वर्ष भारत के लिए स्वर्णिम काल, वैश्विक मंच पर बढ़ी देश की साख

पत्रकार वार्ता करते सांसद सिकंदर कुमार। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

सोलन। राज्यसभा सांसद डॉ. सिकंदर कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में देश की राजनीति की दिशा और दशा में व्यापक परिवर्तन हुआ है। उन्होंने इस अवधि को भारत का स्वर्णिम काल बताते हुए कहा कि आज वैश्विक मंच पर भारत की प्रतिष्ठा और प्रभाव दोनों बढ़े हैं तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की बात को गंभीरता से सुना जाता है। सोलन स्थित लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह में आयोजित प्रेसवार्ता में डॉ. सिकंदर कुमार ने विभिन्न समसामयिक मुद्दों पर केंद्र सरकार का पक्ष रखते हुए विपक्ष के आरोपों का जवाब दिया।

आर्थिक प्रगति और विकसित भारत का लक्ष्य उन्होंने कहा कि भारत तेजी से आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहा है। वर्ष 2027 तक वैश्विक विकास दर में भारत की हिस्सेदारी 20 प्रतिशत रहने का अनुमान है। देश की जीडीपी में लगातार वृद्धि हो रही है, जो विभिन्न क्षेत्रों में हो रहे विकास का संकेत है। उन्होंने कहा कि विज्ञान, तकनीक और कृषि समेत अनेक क्षेत्रों में अभूतपूर्व कार्य किए गए हैं। केंद्र सरकार ने वर्ष 2047 तक भारत को आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसे अमृतकाल की संज्ञा दी गई है।

डॉलर के मुकाबले रुपये की स्थिति पर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि मुद्रा विनिमय दरें में उतार-चढ़ाव अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों से प्रभावित होते हैं। हिमाचल को मिला बड़े प्रोजेक्ट डॉ. सिकंदर कुमार ने कहा कि केंद्र सरकार ने हिमाचल प्रदेश को अरबों रुपये की लागत वाली फोरलेन परियोजनाएं प्रदान की हैं, जिन पर तेजी से कार्य चल रहा है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जब प्रदेश और केंद्र दोनों स्थानों पर कांग्रेस की सरकारें थीं, तब हिमाचल के लिए कितने बड़े प्रोजेक्ट स्वीकृत हुए, इसका जवाब कांग्रेस नेताओं को जनता के सामने देना चाहिए।

फोरलेन निर्माण की गुणवत्ता को लेकर उठे सवालों पर उन्होंने कहा कि यदि कहीं कोई कमी होगी तो केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय उसे दूर करेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के नेतृत्व में विभाग उच्च गुणवत्ता के साथ कार्य कर रहा है। नीट विवाद और गैस आपूर्ति पर भी रखी बात नीट परीक्षा विवाद को लेकर सांसद ने कहा कि केंद्र सरकार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कदम उठाए। उन्होंने कहा कि परीक्षा में सामने आई खामियों को दूर करने के लिए प्रभावित अभ्यर्थियों के हित में दोबारा परीक्षा आयोजित कराई गई।

ब्रह्मकुमारीज नौणी द्वारा छात्रों को दिए खुश रहने और नशामुक्त जीवन के सूत्र

अनंत ज्ञान

नौणी। सेवाकेंद्र नौणी की ओर से स्थानीय धर्जा हाई स्कूल में एक विशेष आध्यात्मिक और नैतिक शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता नौणी सेवाकेंद्र प्रभारी राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी कल्पना ने बच्चों और शिक्षकों को संबोधित किया।

बीके कल्पना ने कहा कि शिक्षकों और अभिभावकों से मिले संस्कारों को जीवन में उतारने के लिए आंतरिक शक्ति की आवश्यकता है, जो श्रेष्ठ विचारों और आध्यात्मिकता से मिलती है। उन्होंने बच्चों को नशे जैसी बुराइयों से दूर रहने के लिए जागरूक करते हुए एक महत्वपूर्ण मंत्र दिया। गलत आदतों या दबाव के आगे कभी हां न कहें। उन्होंने बच्चों को अपने बोल की ऊर्जा को बचाने, व्यर्थ न बोलने और खुद को हमेशा खुश रखने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के दौरान बीके कल्पना ने बच्चों को ध्यान और राजयोग के माध्यम से मन को एकाग्र करने की सरल विधियां भी बताईं। उन्होंने कहा कि नियमित ध्यान करने से मन शांत रहता है और पढ़ाई में एकाग्रता बढ़ती है। उन्होंने विद्यार्थियों को मोबाइल और सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से बचने की सलाह दी और समय का सही उपयोग करने पर जोर दिया। शिक्षकों ने भी इस पहल की सराहना की और कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों के चरित्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने भी अपने अनुभव साझा किए और आध्यात्मिक सीख को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। पूरा माहौल सकारात्मक ऊर्जा और उत्साह से भरा रहा।

न्यूज ब्रीफ

विधायक कालिया से किया गोंदपुर बनेहड़ा से वाया सुंकाली बस चलाने का आग्रह

अनंत ज्ञान, गोंदपुर बनेहड़ा। गोंदपुर बनेहड़ा से वाया बिलू तलाई सुंकाली होकर मुबारकपुर के लिए कोई भी बस सेवा नहीं है यह बहुत पुरानी सड़क है और इस सड़क से रोजाना काफी संख्या में लोगों की आवा जाही है सुंकाली से लोग गोंदपुर बनेहड़ा पटवार सर्कल बैंक आदि अपने कामों के लिए आते हैं इसके अलावा तहसील घनारी जाने के लिए यह रास्ता ही सबसे शार्ट है तथा डेरा बाबा रुद्रानन्द आश्रम अच्युतानंद अमलेहड़ स्वास्थ्य केंद्र अमलेहड़ सुंकाली आवाजाही ही करने के लिए रास्ता सुगम है, कभी इस सड़क पर काफी संख्या में बसों की आवाजाही रहती थी और आज कल यहां पर एक भी बस सेवा नहीं है गोंदपुर बनेहड़ा लो पंचायत की पूर्व सदस्य एडवोकेट राजकुमारी शर्मा बरहमपुर पंचायत सदस्य रेनू वाला पूर्व प्रधान राजेंद्र सिंह गोगा महेंद्र सिंह जसवाल अंकुश जसवाल संदीप चौहान दिनेश शर्मा इलाके के लोगो विभिन्न पंचायत के जनप्रतिनिधियों ने विधायक राकेश कालिया से आग्रह किया है कि गोंदपुर बनेहड़ा से वाया सुंकाली बस सेवा शुरू की जाए, पंचायत सदस्य पूर्व सदस्य एडवोकेट राजकुमारी शर्मा ने बताया कि इस बारे में जल्द एक ज्ञापन स्थानीय विधायक को भेजा जाएगा, स्मरण रहे इस सड़क पर बसों की आवाज यही शुरू होने से काफी गांव के लोगों की जनता को सुविधा मिलेगी।

शोपीस बनकर रह गया चिंतपूर्णी रेलवे स्टेशन

अनंत ज्ञान, गोंदपुर बनेहड़ा। ऊना जिले के गगरेट उपमंडल के अंतर्गत चिंतपूर्णी मार्ग रेलवे स्टेशन पर लंबी दूरी की ट्रेन तो क्या लोकल ट्रेन तक नहीं रुकती, जिससे आम जनमानस में गहरा रोष व्याप्त है। सभी ट्रेनें दौलतपुर से जो दिल्ली अहमदाबाद अंबाला चंडीगढ़ एवं अन्य स्टेशनों पर जाती है, वे चिंतपूर्णी मार्ग रेलवे स्टेशन पर नहीं रुकती। यह स्टेशन मात्र शोपीस बनकर रह गया है। इलाके के प्रबुद्ध वर्ग अनेक पंचायत के प्रतिनिधियों आम जनमानस में रेलवे मंत्री सांसद अनुराग ठाकुर महाप्रबंधक नॉर्दर्न रेलवे डीआरएम अंबाला से आग्रह किया है कि चिंतपूर्णी मार्ग रेलवे स्टेशन पर गाड़ियों के ठहराव की व्यवस्था की जाए इस स्टेशन पर ट्रेन रुकने से रोजाना सैकड़ों की संख्या में लोगों चिंतपूर्णी मंदिर आवाजाही करने वाले श्रद्धालुओं एवं आम जनमानस को सुविधा मिलेगी। मुबारिकपुर पंचायत के प्रधान पुरण ठाकुर भंजाल अपर के उपप्रधान जगमोहन ठाकुर आमजनमानस शशि कुमार विनोद ठाकुर एवं अन्य ने गाड़ियों के ठहराव की व्यवस्था की मांग की है।

कल शुरू होगा जिला स्तरीय पिपलू मेला

अनंत ज्ञान, बंगाणा। 24 से 26 जून तक आयोजित होने वाले ऐतिहासिक जिला स्तरीय पिपलू मेला-2026 को लेकर प्रशासन ने तैयारियां लगभग पूरी कर ली हैं। निर्जला एकादशी के अवसर पर भगवान नरसिंह मंदिर में लगने वाले इस मेले में धार्मिक अनुष्ठानों के साथ-साथ सांस्कृतिक, खेल एवं मनोरंजक गतिविधियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। उपमंडलाधिकारी (ना.) बंगाणा एवं मेला समिति के अध्यक्ष सोनू गोयल ने बताया कि मेले को लेकर सारे इंतजाम लगभग पूरे कर लिए गए हैं। मेले में विभिन्न विभागों की विकासात्मक प्रदर्शनी, खेलकूद प्रतियोगिताएं, स्थानीय एवं उभरती प्रतिभाओं की प्रस्तुतियां तथा सांस्कृतिक संध्याओं का आयोजन किया जाएगा। मेला का शुभारंभ 24 जून को भगवान श्री नरसिंह मंदिर में पूजा-अर्चना और ध्वजारोहण रस्म के साथ होगा। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। 24 जून को प्रसिद्ध लोक गायक काकू राम ठाकुर, 25 जून को सुप्रसिद्ध गायक कुमार साहिल और सुनील मस्ती अपनी प्रस्तुतियां देंगे। वहीं 26 जून को हिमाचली गायक इशांत भारद्वाज और मोहित गर्ग पिपलू में और मेले के अंतर्गत 26 जून की सायं बंगाणा के भलेत में आयोजित कुटलैहड़ महोत्सव में प्रसिद्ध पंजाबी गायक गुलाब सिद्धू और नाटी कुलदीप शर्मा की अपनी प्रस्तुतियों से रंग जमाएंगे। विधायक विवेक शर्मा (विक्कू) ने कहा कि पिपलू मेला क्षेत्र की लोक आस्था, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से बड़ी संख्या में मेले में भाग लेकर इसकी गरिमा बढ़ाने की अपील की है।

खेलकूद स्पर्धा में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। विद्या भारती द्वारा संचालित हिमाचल शिक्षा समिति के तत्वावधान में बिलासपुर एवं हमीरपुर जिला इकाइयों के छह विद्यालयों की एक दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कबड्डी, शतरंज, बैडमिंटन और कुश्ती सहित विभिन्न स्पर्धाओं में करीब 50 खिलाड़ियों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि जिला परिषद सदस्य नम्होल वार्ड सुश्री सुरभि ठाकुर ने विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि खेल व्यक्तित्व निर्माण का सशक्त माध्यम हैं, जो अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना का विकास करते हैं। उन्होंने युवाओं से पढ़ाई के साथ खेल गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। कार्यक्रम में जिला मंत्री ओंकार चंद, प्रबंधक दीप चंद ठाकुर तथा वरिष्ठ भाजपा नेता रोशन ठाकुर सहित कई लोग उपस्थित रहे।

नशे से निपटने के लिए जनभागीदारी जरूरी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने कहा कि नशे की समस्या से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए समाज के सभी वर्गों की सामूहिक भागीदारी जरूरी है। बचत भवन में नशा मुक्त भारत अभियान 2.0 के तहत आयोजित जिला स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने नशे के खिलाफ जन आंदोलन खड़ा करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि जिला में अब तक 2.30 लाख से अधिक लोगों तक जागरूकता संदेश पहुंचाया गया है। 279 जागरूकता गतिविधियां और 1,116 कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। लगभग 31 हजार लोगों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई तथा 88,810 शपथों का ऑनलाइन पंजीकरण हुआ है। उपायुक्त ने कहा कि पंचायत प्रधानों, आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण शिविर लगाकर अभियान को और मजबूत किया जाएगा।

प्रो. राजेंद्र कुमार को मिली पीएचडी की उपाधि

अनंत ज्ञान, झंडूता। राजकीय महाविद्यालय झंडूता के भूगोल विभाग के प्रो. राजेंद्र कुमार ने राजस्थान की कैरियर प्वाइंट यूनिवर्सिटी (कोटा) से पीएचडी प्राप्त की है। उनका शोध बिलासपुर (हिमाचल) में भूमि उपयोग एवं आवरण में बदलाव पर आधारित था, जिसमें उन्होंने जियोस्पेशियल तकनीक का उपयोग किया। इस शोध का निर्देशन डॉ. मोहम्मद हनीफ खान ने तथा सह-निर्देशन डॉ. जगदीश चंद ने किया। प्राचार्य डॉ. संजय कुमार एवं प्राध्यापकों ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि महाविद्यालय में शोध संस्कृति को प्रोत्साहित करेगी तथा विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी।

बिलासपुर वन वृत्त में भर्ती प्रक्रिया शुरू

अनंत ज्ञान, बिलासपुर। वन भूमि एवं वन सीमाओं से संबंधित मामलों के प्रभावी निपटारे, अभिलेखों के अद्यतन तथा सीमांकन कार्यों में तेजी लाने के उद्देश्य से बिलासपुर वन वृत्त में सेवानिवृत्त कानूनगो एवं पटवारियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आदेशानुसार एक सेवानिवृत्त कानूनगो तथा दो सेवानिवृत्त पटवारियों की नियुक्ति की जाएगी। चयनित कर्मियों की सेवाएं वन सीमाओं के सर्वेक्षण, वन भूमि अभिलेखों को राजस्व रिकॉर्ड से मिलान कर अद्यतन करने, अतिक्रमण मामलों के निस्तारण तथा अन्य संबंधित कार्यों में ली जाएंगी। आवेदक के लिए राजस्व विभाग में कम से कम पांच वर्ष का अनुभव, विभागीय जांच से मुक्त होना तथा चिकित्सा फिटनेस प्रमाण पत्र अनिवार्य है। अधिकतम आयु सीमा 65 वर्ष निर्धारित की गई है। चयनित कानूनगो को 50 हजार व पटवारी को 40 हजार प्रतिमाह मानदेय मिलेगा। इच्छुक अभ्यर्थी 6 जुलाई तक आवेदन वन संरक्षक कार्यालय, बिलासपुर में जमा कर सकते हैं।

डीसी के केंद्रीय विद्यालय भवन निर्माण में तेजी लाने के निर्देश

कहा-क्षेत्र के बच्चों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध करवाना प्राथमिकता

अनंत ज्ञान

बंगाणा। उपायुक्त ऊना जतिन लाल ने सोमवार को बंगाणा में निर्माणाधीन केंद्रीय विद्यालय भवन का निरीक्षण कर कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के बच्चों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं और अनुकूल अध्ययन वातावरण उपलब्ध कराना प्राथमिकता है, इसलिए निर्माण कार्य को समयबद्ध ढंग से पूरा किया जाए, ताकि विद्यार्थियों को शीघ्र आधुनिक शैक्षणिक परिसर की सुविधा मिल सके।

इसके उपरांत उपायुक्त ने 24 से 26 जून तक आयोजित होने वाले ऐतिहासिक जिला स्तरीय पिपलू मेला-2026 के आयोजन को लेकर पिपलू मेला स्थल का दौरा कर तैयारियों का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पेयजल, स्वच्छता, यातायात, पार्किंग, विद्युत आपूर्ति और सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

साथ ही मेले के दौरान सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूर्ण करने के लिए कहा। निरीक्षण के दौरान उपमंडलाधिकारी (ना.) बंगाणा एवं जिला स्तरीय पिपलू मेला समिति के अध्यक्ष सोनू गोयल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

केंद्रीय विद्यालय बंगाणा के भवन निर्माण कार्य का निरीक्षण करते उपायुक्त जतिन लाल। अनंत ज्ञान

आयुर्वेदिक आरोग्य मंदिर घनारी को भेंट किया इन्वर्टर

अनंत ज्ञान

घनारी। राजीव कुमार, रमन कालिया और मनोज डोगरा ने समाजसेवा और जनकल्याण की भावना को आगे बढ़ाते हुए आयुर्वेदिक आरोग्य मंदिर घनारी को एक बैटरी इन्वर्टर भेंट किया गया। इस पहल का उद्देश्य विद्युत आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में स्वास्थ्य केंद्र में आने वाले मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाना तथा स्वास्थ्य सेवाओं को निर्बाध बनाए रखना है। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि स्वास्थ्य संस्थानों को इस प्रकार का सहयोग समाज के प्रति जिम्मेदारी और सेवा भाव का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि इन्वर्टर की सुविधा मिलने से अस्पताल में उपचार, जांच तथा अन्य आवश्यक कार्यों में बिजली कटौती के दौरान किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। आयुर्वेदिक आरोग्य मंदिर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने राजीव कुमार, रमन कालिया और मनोज डोगरा का इस सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योगदान मरीजों की सुविधा और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। साथ ही उन्होंने समाज के अन्य लोगों से भी जनहित के कार्यों में आगे आने का आह्वान किया।

अमलेहड़ स्वास्थ्य केंद्र में ओपीडी में हुआ इजाफा

अनंत ज्ञान, गोंदपुर बनेहड़ा। स्वास्थ्य केंद्र पीएचसी अमलेहड़ में डॉ. श्रेया ठाकुर के आने से यहां मरीजों को सुविधा मिल रही है वही उनके कुशल व्यवहार के कारण मरीजों कीओ पी पी डी संख्या में भी वृद्धि हुई है मेडिकल ऑफिसर श्रेया ठाकुर का स्वास्थ्य केंद्र में आने वाले मरीजों के साथ बहुत कुशल व्यवहार है और बहुत अच्छे ढंग से वह आने वाले हर मरीज को अटेंड करती है और उसके सही मार्गदर्शन के कारण लोग इस स्वास्थ्य केंद्र में सपना स्वास्थ्य लाभ पा रहे हैं जो अपने आप में बहुत अनुकरणीय है सरकारी स्वास्थ्य स्वास्थ्य संस्थाओं में इस तरह के मेहंनती मेडिकल ऑफिसर वर्ग की मेहनत के कारण ही सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में लोगों की विश्वसनीयता बढ़ती है, यही नहीं वर्षों पूर्व यहां पर डॉक्टर विनय कुमार भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं जो वर्तमान समय में दौलतपुर स्वास्थ्य केंद्र में तैनात है के कुशल व्यवहार के कारण भी आज भी उनको लोग यहां पर याद कर करते हैं, इस तरह के मेहनती मेडिकल ऑफिसर्स के कारण मरीजो को स्वास्थ्य लाभ स्वास्थ्य के प्रति सही मार्गदर्शन मिलने से उनको राहत मिलती है।

नशा मुक्त समाज का दिया संदेश

आईटीआई चलोला में जागरूकता शिविर का आयोजन

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, ऊना। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग हिमाचल प्रदेश के सौजन्य से जिला कल्याण अधिकारी ऊना तथा जिला क़ानूनी सेवा प्राधिकरण ऊना के संयुक्त सहयोग से शोभित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान चलोला में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान प्रशिक्षु बच्चों को नशे के दुष्प्रभावों, नशे से बचाव के उपायों तथा नशे से संबंधित कानूनी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को जागरूक करते हुए कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार और समाज पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है, इसलिए युवाओं को नशे से दूर रहकर अपने उज्ज्वल भविष्य के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। इस अवसर पर औषधि निरीक्षक जिला अस्पताल ऊना पंकज गौतम, तहसील कल्याण अधिकारी ऊना जतिन्द्र शर्मा तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ऊना के अधिवक्ता कुलबीर कुमार ने प्रशिक्षुओं को नशे के दुष्प्रभाव, इससे बचाव एवं कानून के तहत मिलने वाली सजा के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। तहसील कल्याण अधिकारी ऊना जतिन्द्र शर्मा ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग हिमाचल प्रदेश द्वारा जनकल्याण के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की भी जानकारी विद्यार्थियों को उपलब्ध करवाई।

संस्थान के प्रधानाचार्य देसराज गौतम ने विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने और जीवन में सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने भविष्य में भी इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का आग्रह किया, ताकि अधिक से अधिक युवा नशा मुक्त समाज के निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकें।

शिविर में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागी और आयोजक। अनंत ज्ञान

वादे पूरे करने में असफल रही प्रदेश सरकार : भाजपा

अनंत ज्ञान, ब्यूरो, ऊना। भाजपा कर्मचारी प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों ने प्रदेश सरकार पर कर्मचारियों और पेंशनरों से किए गए वादे पूरा न करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि मुख्यमंत्री ने पेंशन संबंधी गारंटी दी थी, लेकिन कई विभागों में आज भी कर्मचारियों को पेंशन का लाभ नहीं मिल पाया है और वे लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। भाजपा प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक कुलदीप दयाल, ऊना मंडल संयोजक राजीव वशिष्ट, पूर्व कर्मचारी नेता यशपाल रायजादा, किशन चंद ठाकुर, प्रकाश ठाकुर, हरगोविंद, अजय पराशर, शिव मैहन, हरदीप ठाकुर, किशोरी लाल व शशिपाल ने कहा कि कांग्रेस समर्थित कर्मचारी नेता यह भ्रम फैला रहे हैं कि भाजपा सरकार बनने पर ओपीएस बंद कर दी जाएगी। उन्होंने दावा किया कि पूर्व मुख्यमंत्री के बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया जा रहा है, जबकि उन्होंने ऐसा कोई बयान नहीं दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा हमेशा कर्मचारियों की हितैषी रही है और कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए कार्य करती रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार कर्मचारियों और पेंशनरों से झूठे वादे कर रही है। वर्ष 2016 से 2022 तक के एरियर का भुगतान अब तक नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने महंगाई भत्ता 60 प्रतिशत तक पहुंचा दिया है, जबकि प्रदेश सरकार अभी भी 45 प्रतिशत डीए ही दे रही है।

नीट घोटाले पर फूटा कांग्रेस का गुस्सा

धर्मेंद्र प्रधान और मोदी दें इस्तीफा, शिक्षा मंत्री पर दर्ज हो एफआईआर: चौहान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव रमेश चौहान ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि नीट परीक्षा में हुई कथित अनियमितताओं और पेपर लीक प्रकरण ने देश के लाखों युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है। बिलासपुर में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने केंद्र सरकार को पूरी तरह असफल बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से तत्काल इस्तीफे की मांग की।

रमेश चौहान ने कहा कि नीट पेपर लीक की घटना शिक्षा व्यवस्था पर बड़ा कलंक है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की नाक के नीचे पेपर लीक हुआ और इसके कारण कई छात्रों को मानसिक प्रताड़ना झेलनी पड़ी। उन्होंने कहा कि विभिन्न घटनाओं में 10 से 12 विद्यार्थियों द्वारा आत्महत्या किए जाने की खबरें सामने आई हैं, जिसकी नैतिक जिम्मेदारी शिक्षा मंत्री की बनती है। उन्होंने मांग की कि धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जानी चाहिए।

कांग्रेस नेता ने कहा कि केंद्र सरकार केवल शिक्षा व्यवस्था ही नहीं, बल्कि देश की सीमाओं की सुरक्षा के मोर्चे पर भी विफल साबित हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि पड़ोसी देशों से बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ भारत में पहुंच रहे हैं, जिससे युवाओं का भविष्य खतरे में पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार नशे की तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में नाकाम रही है।

रमेश चौहान ने कहा कि कांग्रेस पार्टी देश के उन सभी युवाओं के साथ मजबूती से खड़ी है जो केंद्र सरकार की नीतियों और कथित लापरवाही का खामियाजा भुगत रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं के भविष्य से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा और कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे को लगातार उठाती रहेगी।

पत्रकार वार्ता में कांग्रेस पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष परसराम, जिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष अंजना धीमान, प्रदेश सचिव विकास ठाकुर, झंडूता विधानसभा क्षेत्र के युवा नेता विवेक कुमार, जिला महासचिव अनुराग शर्मा, एपीएमसी अध्यक्ष सतपाल तथा सदर कांग्रेस अध्यक्ष मस्तराम सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पत्रकारों को संबोधित करते हुए रमेश चौहान। अनंत ज्ञान

बलोह फोरलेन के पास एक कार से 17 ग्राम चिट्टा बरामद

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। पुलिस थाना घुमारवीं की टीम ने नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बलोह फोरलेन के समीप एक कार से 17 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद कर दो युवकों को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार, 21 जून को पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त और नाकाबंदी पर थी। सुबह करीब 6 बजे मल्यावर लिंक रोड के पास भगेड़ की ओर से आ रही कार (एचपी 33एफ-5100) को जांच के लिए रोका गया। वाहन में सवार दोनों युवक पुलिस को देखकर घबरा गए और संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। तलाशी के दौरान चालक पवन कुमार (28) निवासी बथेरी, जिला मंडी और परिचालक दमन कपूर (32) निवासी मंडी को पकड़ा गया। फुटमैट के नीचे छिपे पॉलीथीन लिफाफे से 17 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 और 29 के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जांच जारी है और नशे की सप्लाई नेटवर्क का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

न्यू कांप्लेक्स सिस्टम के खिलाफ आंदोलन की रणनीति बनाएगा प्राथमिक शिक्षक संघ

अनंत ज्ञान

स्वारघाट। राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ हिमाचल ने 23 सितंबर, 2025 को जारी न्यू कांप्लेक्स सिस्टम की अधिसूचना का एक बार फिर कड़ा विरोध जताते हुए इसे प्राथमिक शिक्षा और प्राथमिक शिक्षकों के हितों के खिलाफ बताया है। संघ का कहना है कि इस मुद्दे को लेकर पिछले छह महीनों में संघ के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से 14 बार मुलाकात की है। मुख्यमंत्री द्वारा शिक्षकों की मांगों पर विचार के लिए बैठक बुलाने का आश्वासन भी दिया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

संघ के प्रदेश अध्यक्ष रमेश शर्मा ने कहा कि एक ओर सरकार प्राथमिक शिक्षकों की मांगों पर निर्णय लेने में देरी कर रही है, वहीं दूसरी ओर शिक्षा विभाग लगातार ऐसे आदेश जारी कर रहा है, जिनसे प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा प्राथमिक स्तर के छोटे बच्चों के लिए खेल प्रतियोगिताएं शुरू करने की घोषणा के बावजूद विभाग ने केवल अंडर-14 और अंडर-19 खेलों के आयोजन के निर्देश जारी किए हैं, जबकि अंडर-12 वर्ग को फिर से नजरअंदाज कर दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कभी प्राथमिक विद्यालयों की पाठशाला प्रबंधन समितियों को समाप्त करने की बात की जाती है तो कभी प्राथमिक स्कूलों के स्कूल कोड खत्म करने के आदेश जारी किए जा रहे हैं। इन निर्णयों से प्रदेशभर के प्राथमिक शिक्षकों में भारी रोष है।

इन्हीं मुद्दों पर आगामी आंदोलन की रूपरेखा तय करने के लिए राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ का राज्य साधारण अधिवेशन 26 जून, को जगन पैलेस, घुमारवीं में आयोजित किया जाएगा। अधिवेशन में राज्य कार्यकारिणी, प्रदेश के सभी 12 जिलों की कार्यकारिणियां तथा 141 खंड कार्यकारिणियों के 600 से अधिक प्रतिनिधि भाग लेंगे। रमेश शर्मा ने स्पष्ट कहा कि प्राथमिक शिक्षक संघ किसी भी परिस्थिति में न्यू कंपलेक्स सिस्टम को स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि यदि आवश्यकता पड़ी तो संघ अपने अधिकारों और प्राथमिक शिक्षा के हितों की रक्षा के लिए लंबा और बड़ा आंदोलन करने से भी पीछे नहीं हटेगा।

मोदी सरकार के 12 वर्ष विकसित भारत के संकल्प का स्वर्णिम अध्याय: जम्वाल

अनंत ज्ञान

ब्यूरो बिलासपुर। सदर विधानसभा क्षेत्र के विधायक त्रिलोक जम्वाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर इसे विकसित भारत के संकल्प का स्वर्णिम अध्याय बताया। उन्होंने कहा कि यह अवधि सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण, राष्ट्रहित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए हमेशा याद रखी जाएगी। पिछले 12 वर्षों में भारत ने हर क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है और विश्व मंच पर एक मजबूत तथा निर्णायक शक्ति के रूप में अपनी पहचान बनाई है।

जम्वाल ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, स्वच्छ भारत मिशन, जल जीवन मिशन तथा जनधन योजना जैसी योजनाओं ने करोड़ों परिवारों के जीवन स्तर में सुधार किया है। उन्होंने कहा कि आज गरीब, किसान, महिला, युवा और समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि देश में आधुनिक सड़कों, एक्सप्रेस-वे, रेलवे नेटवर्क, वंदे भारत ट्रेनों, हवाई अड्डों के विस्तार और डिजिटल इंडिया अभियान के माध्यम से आधारभूत ढांचे को नई मजबूती मिली है। प्रदेश में भी राष्ट्रीय राजमार्गों, स्वास्थ्य सेवाओं, पर्यटन और ग्रामीण सड़क संपर्क के क्षेत्र में व्यापक विकास हुआ है। जमवाल ने कहा कि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर, हाइड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज, फोरलेन परियोजनाएं और रेलवे विस्तार बिलासपुर के लिए ऐतिहासिक उपलब्धियां हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति के क्षेत्र में भी भारत पहले से अधिक सशक्त और प्रभावशाली बनकर उभरा है।

फोरलेन प्रभावितों के लिए विशेष पैकेज जारी करे सरकार: कौशल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। पूर्व विधायक एवं अखिल भारतीय किसान सभा के अध्यक्ष केके कौशल ने मांग की है कि फोरलेन निर्माण से प्रभावित लोगों, किसानों और छोटे कारोबारियों के लिए सरकार विशेष राहत पैकेज जारी करे। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण विकास के लिए जरूरी है, लेकिन इसके कारण हजारों परिवारों की आजीविका प्रभावित हुई है। बिलासपुर से लेकर मंडी, कुल्लू और कैंची मोड़ तक कई लोगों ने बैंक ऋण लेकर होटल, ढाबे और अन्य व्यवसाय स्थापित किए थे, जो फोरलेन निर्माण के चलते बंद हो गए। कौशल ने कहा कि आर्थिक नुकसान के कारण अनेक लोग मानसिक तनाव का सामना कर रहे हैं। उन्होंने मांग की कि प्रभावित परिवारों को फोरलेन में आने वाली सरकारी भूमि में कम से कम पांच बिस्वा जमीन आवंटित की जाए तथा व्यवसाय दोबारा शुरू करने के लिए नकद सहायता प्रदान की जाए। उन्होंने केंद्र सरकार से वन संरक्षण अधिनियम और अन्य बाधाओं में विशेष छूट देने का आग्रह भी किया। कौशल ने चेतावनी दी कि एनएच-21 प्रभावितों के अधिकारों की रक्षा के लिए किसान सभा जल्द संघर्ष शुरू करेगी।

बेंगलुरु में गूंजी देवभूमि की स्वर लहरियां

अनंत ज्ञान

ब्यूरो बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश अपनी प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध संस्कृति के लिए देशभर में पहचान रखता है। हिमाचल से हजारों किलोमीटर दूर कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में भी देवभूमि की यही सांस्कृतिक विरासत देखने को मिली। कर्नाटक राजभवन में आयोजित एक भव्य समारोह में हिमाचल कर्नाटक कल्याण संघ ने लोकगीतों, नृत्य और देव संस्कृति की शानदार प्रस्तुति देकर सभी का दिल जीत लिया।

कर्नाटक सरकार द्वारा कर्नाटक राजभवन में विभिन्न राज्यों के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य सांस्कृतिक समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश सहित देश के नौ राज्यों ने अपनी सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन किया। करीब 350 से अधिक गणमान्य अतिथियों और विभिन्न राज्यों से पहुंचे प्रतिनिधियों की मौजूदगी में हिमाचल प्रदेश का प्रतिनिधित्व हिमाचल कर्नाटक कल्याण संघ यानी एचकेकेएस ने किया। संस्था वर्षों से बेंगलुरु में रह रहे हिमाचलवासियों को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का कार्य कर रही है। कार्यक्रम के दौरान एचकेकेएस फोक सांग ग्रुप ने इकोज आफ द हिल्स, हिमाचली फोक कोरस शीर्षक से हिमाचली लोकगीतों की मनमोहक प्रस्तुति दी। मधुर सुरों और पारंपरिक संगीत ने उपस्थित दर्शकों को हिमाचल की लोक संस्कृति से रूबरू करवाया।

इसके बाद हिमाचल लोक संस्कृति मंच ने देव संस्कृति, एक पहाड़ी विरासत नामक सांस्कृतिक नृत्य.नाटिका प्रस्तुत की। इस प्रस्तुति में हिमाचल की देव परंपरा, लोक मान्यताओं और आध्यात्मिक विरासत को मंच पर जीवंत रूप में दर्शाया गया। कार्यक्रम का सबसे आकर्षक हिस्सा पारंपरिक हिमाचली नाटी रही। नाटी की प्रस्तुति ने पूरे सभागार को मंत्रमुग्ध कर दिया और विभिन्न राज्यों से आए प्रतिनिधियों ने कलाकारों की जमकर सराहना की। इस अवसर पर कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने हिमाचल प्रदेश को देवभूमि बताते हुए उसकी सांस्कृतिक समृद्धि, प्राकृतिक सौंदर्य और सामाजिक सौहार्द की प्रशंसा की। उधर, हिमाचल कर्नाटक कल्याण संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी सन्नी शर्मा ने बताया कि हिमाचल की संस्कृति को कर्नाटक राजभवन में प्रस्तुत किया गया। हिमाचल के लोग इतने दूर रहकर भी अपनी संस्कृति के साथ जुड़े हुए हैं, यही कारण है कि आज बैंगलुरू में हजारों हिमाचली एकत्रित होकर इस तरह के आयोजन में अपनी भागीदारी प्रस्तुत करते हैं।

बेंगलुरु में हिमाचली कलाकारों ने बांधा समां। अनंत ज्ञान

न्यूज ब्रीफ

जिला रोजगार कार्यालय चंबा में कैंपस इंटरव्यू 1 को

अनंत ज्ञान ब्यूरो, चंबा। जिला रोजगार अधिकारी जितेंद्र सिंह वर्मा ने बताया कि जिला रोजगार कार्यालय चंबा में 1 जुलाई 2026 को भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) द्वारा बीमा सखी योजना/एलआईसी एजेंट के 50 पदों हेतु कैंपस इंटरव्यू आयोजित किया जाएगा। इन पदों के लिए केवल महिला अभ्यर्थी पात्र होंगी। न्यूनतम योग्यता दसवीं पास तथा आयु 18 वर्ष या अधिक निर्धारित है। योजना के तहत प्रथम वर्ष 7 हजार, द्वितीय वर्ष 6 हजार तथा तृतीय वर्ष 5 हजार प्रतिमाह प्रोत्साहन राशि दी जाएगी, साथ ही कमीशन भी मिलेगा। इच्छुक महिलाएं आवश्यक दस्तावेजों सहित सुबह 10 बजे इंटरव्यू में भाग ले सकती हैं।

गदियाड़ा में लखदाता बाबा छिंज मेले का आयोजन

अनंत ज्ञान ब्यूरो,चंबा। जिला चंबा के भटियात क्षेत्र की तारागढ़ पंचायत के गांव गदियाड़ा (कटोरी बांग्ला) में लखदाता बाबा को समर्पित विशाल छिंज मेले का आयोजन किया गया। मेला कमेटी के अध्यक्ष सुमन कुमार ने मुख्य अतिथि प्रधान सतपाल सिंह तथा विशिष्ट अतिथि तिलक (बिल्लो) का हिमाचली टोपी और शॉल पहनाकर स्वागत किया। मेले में पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के पहलवानों ने दमखम दिखाया। फाइनल मुकाबलों में हैप्पी अजनाला ने अली पठानकोट को हराकर पहला मुकाबला जीता। मोहसिन (हरियाणा) और सलमान अन्य विजेता रहे। विजेताओं को नकद पुरस्कार प्रदान किए गए।

पुरथी-छौ मार्ग पर रात को यातायात प्रतिबंधित

अनंत ज्ञान, पांगी। विद्युत उप-मंडल साच के अंतर्गत पुरथी से छौ तक लगभग 1.5 किलोमीटर लंबी 33 केवी भूमिगत केबल बिछाने का कार्य किया जा रहा है। इसके चलते एसकेटीटी सड़क के पुरथी-छौ खंड पर वाहनों की आवाजाही पर अस्थायी प्रतिबंध लगाया गया है। 22 और 23 जून को रात्रि 9:00 बजे से प्रातः 6:00 बजे तक उक्त मार्ग पर सभी प्रकार के वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी। वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध न होने के कारण एंबुलेंस, पुलिस तथा अग्निशमन सेवा सहित सभी आपातकालीन सेवा वाहनों को इस प्रतिबंध से छूट रहेगी।

रविंद्र कुमार ने हासिल की पीएचडी की उपाधि

अनंत ज्ञान, चुवाड़ी (चंबा)। भटियात विधानसभा क्षेत्र की जतरून पंचायत के जंगला गांव निवासी रविंद्र कुमार ने कठिन आर्थिक परिस्थितियों के बावजूद पीएचडी (डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी) की उपाधि प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनके पिता देसराज दिहाड़ी मजदूर हैं, जिन्होंने सीमित संसाधनों के बावजूद शिक्षा में कोई कमी नहीं आने दी। रविंद्र ने हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग से 'पर्यटन के पर्यावरण पर प्रभाव का समकालीन अध्ययनः धर्मशाला विशेष संदर्भ' विषय पर शोध कार्य पूरा किया। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता के संघर्ष और शिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया। उनकी उपलब्धि पर ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने खुशी व्यक्त करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

चंबा में बिजली दरों में बढ़ोतरी के विरोध में प्रदर्शन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, चंबा। हिमाचल प्रदेश में बिजली दरों में वृद्धि और विभिन्न करों के विरोध में सोमवार को चंबा में भाजपा के नेतृत्व में जोरदार प्रदर्शन किया गया। वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य तथा अधिवक्ता जय सिंह के नेतृत्व में बड़ी संख्या में ग्रामीणों और महिलाओं ने बिजली बोर्ड कार्यालय का घेराव कर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपकर बढ़ी हुई बिजली दरें और अतिरिक्त शुल्क वापस लेने की मांग की। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि ईंधन एवं बिजली खरीद समायोजन के नाम पर प्रति यूनिट अतिरिक्त भार डाला जा रहा है, जिससे आम उपभोक्ताओं के बिल बढ़ गए हैं। जय सिंह ने कहा कि सरकार अपने चुनावी वादों से पीछे हट गई है और जनता पर आर्थिक बोझ बढ़ा रही है। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

चंबा नगर परिषद को मिला नया नेतृत्व, भुवनेश्वरी बनी अध्यक्ष

जितेंद्र सूर्या ने उपाध्यक्ष पद की संभाली जिम्मेदारी, ग्रहण की शपथ

अनंत ज्ञान

विधायक नीरज नैय्यर ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष व उपाध्यक्ष को दी बधाई।

चंबा। चंबा नगर परिषद को सोमवार को नया नेतृत्व मिल गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष भुवनेश्वरी गुलाटी और उपाध्यक्ष जितेंद्र सूर्या ने पद एवं गोपनीयता की शपथ लेकर विधिवत कार्यभार संभाल लिया। एसडीएम प्रियांशु खाती ने दोनों को शपथ दिलाई, जिसके बाद उन्होंने अपने-अपने कार्यालयों में जाकर पदभार ग्रहण किया।

शपथ ग्रहण समारोह के बाद अध्यक्ष भुवनेश्वरी गुलाटी ने कहा कि शहर की स्वच्छता, निर्बाध पेयजल आपूर्ति, सीवरेज व्यवस्था और चंबा के सौंदर्यीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि जनता से किए गए वादों को पूरा करना उनका पहला लक्ष्य है और 'विकसित चंबा' की अवधारणा को धरातल पर उतारने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किए जाएंगे। उपाध्यक्ष जितेंद्र सूर्या ने कहा कि नगर परिषद के सभी पार्षदों को साथ लेकर टीम भावना से कार्य किया जाएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि प्राथमिकता के आधार पर शहर की समस्याओं का समाधान कर स्वच्छ, सुव्यवस्थित और स्वस्थ चंबा के निर्माण की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे। इस अवसर पर उपस्थित चंबा सदर के विधायक नीरज नैय्यर ने नव निर्वाचित अध्यक्ष और उपाध्यक्ष को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नगर परिषद के गठन के साथ चंबा के विकास कार्यों को नई गति मिलेगी। उन्होंने सभी पार्षदों को साथ लेकर जनहित के मुद्दों पर समन्वय के साथ कार्य करने का आह्वान किया और कहा कि नगर के समग्र विकास के लिए हरसंभव सहयोग दिया जाएगा।

नप डलहौजी की अध्यक्ष वंदना व उपाध्यक्ष रीना ने ग्रहण की शपथ

अनंत ज्ञान, अजीत सिंह, डलहौजी। लंबी चुनावी प्रक्रिया के बाद नगर परिषद डलहौजी को नया नेतृत्व मिल गया है। सोमवार को आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में वंदना चड्ढा ने नगर परिषद अध्यक्ष तथा रीना जरियाल ने उपाध्यक्ष पद की शपथ ग्रहण की। दोनों को पद एवं गोपनीयता की शपथ एसडीएम डलहौजी अनिल भारद्वाज ने दिलाई। समारोह में नगर परिषद के पार्षदों, गणमान्य व्यक्तियों तथा स्थानीय लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री आशा कुमारी और पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष एवं हिमाचल प्रदेश योजना आयोग के पूर्व सदस्य मनोज चड्ढा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने नवनिर्वाचित अध्यक्ष व उपाध्यक्ष को शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि नया नेतृत्व डल्हौजी के विकास और जनहित के कार्यों को नई दिशा देगा। शपथ ग्रहण के बाद अपनी पहली पत्रकार वार्ता में नगर परिषद अध्यक्ष वंदना चड्ढा ने कहा कि डल्हौजी एक सुंदर, शांत और सुरक्षित पर्यटन स्थल है तथा इसकी विशिष्ट पहचान को और मजबूत करने के लिए नगर परिषद पूरी प्रतिबद्धता से कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार जयपुर 'पिंक सिटी' और जोधपुर 'ब्लू सिटी' के नाम से प्रसिद्ध हैं, उसी प्रकार डल्हौजी को 'ग्रीन सिटी' के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है।

पंचायत समिति भरमौर पर भाजपा का कब्जा, पूजा देवी अध्यक्ष और जयशंकर को चुना उपाध्यक्ष

अनंत ज्ञान, भरमौर (चंबा)। पंचायत समिति भरमौर के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने अपना राजनीतिक वर्चस्व कायम रखते हुए दोनों प्रमुख पदों पर कब्जा जमाया है। सांह सिंयूर वार्ड से निर्वाचित पंचायत समिति सदस्य पूजा देवी को अध्यक्षा तथा गरोला वार्ड से जयशंकर को उपाध्यक्ष चुना गया है। पंचायत समिति में अधिकांश सदस्य भाजपा समर्थित उम्मीदवारों के रूप में निर्वाचित हुए थे। इसके बावजूद संगठन ने आम सहमति से नेतृत्व चयन सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश भाजपा की ओर से विशेष प्रभारी नियुक्त किया था। लंबे मंथन और संगठनात्मक स्तर पर व्यापक चर्चा के बाद अध्यक्ष पद के लिए पूजा देवी के नाम पर सर्वसम्मति बनी। इस अवसर पर भरमौर-पांगी के विधायक डॉ. जनक राज ने नवनिर्वाचित अध्यक्षा पूजा देवी और उपाध्यक्ष जयशंकर को बधाई दी।

युवा भविष्य की तैयारी करे या पेपर लीक का डर सहे?: चेतन चौहान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, चंबा। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं हिमाचल प्रदेश के सह प्रभारी चेतन चौहान ने चंबा दौरे के दौरान युवाओं के भविष्य, शिक्षा और रोजगार के मुद्दों पर केंद्र सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि कांग्रेस की सरकार बनते ही नीट परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार किए जाएंगे और अग्निवीर योजना को समाप्त कर युवाओं के हितों के अनुरूप नई व्यवस्था लागू की जाएगी।

अनंत ज्ञान से बातचीत में चेतन चौहान ने विशेष रूप से नीट पेपर लीक प्रकरण का उल्लेख करते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आज का युवा वर्षों तक दिन-रात मेहनत कर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करता है, अपने भविष्य के सपने संजोता है और परिवार भी उससे बड़ी उम्मीदें रखता है। लेकिन जब पेपर लीक जैसी घटनाएं सामने आती हैं तो केवल एक परीक्षा प्रभावित नहीं होती, बल्कि लाखों विद्यार्थियों का मनोबल और भरोसा भी टूट जाता है। उन्होंने कहा कि युवा पढ़ाई करे, अपने भविष्य की चिंता करे या फिर हर परीक्षा में पेपर लीक होने का डर लेकर बैठे? यह स्थिति देश के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के साथ अन्याय है। इस पूरे मामले में अब तक जवाबदेही तय नहीं हुई है और शिक्षा मंत्री द्वारा इस्तीफा नहीं दिया जाना युवाओं की भावनाओं की अनदेखी है। यह सीधे-सीधे युवाओं के साथ छल है। चेतन ने कहा कि कांग्रेस शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और छात्र-केंद्रित बनाने के पक्ष में है। उनका दावा था कि केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनने पर परीक्षा प्रणाली को मजबूत करने, पेपर लीक पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने और ईमानदार विद्यार्थियों के हितों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। हिमाचल प्रदेश वीर सैनिकों की धरती है, जहां बड़ी संख्या में युवा भारतीय सेना में भर्ती होकर देश सेवा का गौरव प्राप्त करते हैं। ऐसे प्रदेश के युवाओं की भावनाओं और उनके सुरक्षित भविष्य को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस इस योजना को समाप्त कर स्थायी एवं भरोसेमंद भर्ती व्यवस्था लाने की पक्षधर है। उन्होंने हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार का बचाव करते हुए कहा कि राज्य सरकार अपने शेष कार्यकाल में जनता से किए गए वादों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। आयु सीमा में छूट की मांग पर उन्होंने कहा कि इस विषय को सरकार के समक्ष गंभीरता से उठाया जाएगा, ताकि भर्ती परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं को राहत मिल सके।

युद्ध का हवाला देकर एलपीजी महंगी अब राहत कब मिलेगी?: मनीष सरीन

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, चंबा। सामाजिक कार्यकर्ता एवं 2022 डलहौजी विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी मनीष सरीन ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की बढ़ती कीमतों को लेकर केंद्र की एनडीए सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि अंतरराष्ट्रीय तनाव और युद्ध के खतरे के नाम पर कीमतें बढ़ाई जा सकती हैं, तो परिस्थितियां सामान्य होने पर जनता को राहत देने में देरी क्यों हो रही है।

सरीन ने कहा कि हाल के महीनों में पश्चिम एशिया में युद्ध, तेल आपूर्ति को लेकर अनिश्चितता और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ में संभावित व्यवधानों की आशंका के बीच 19 किलोग्राम कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत कई महानगरों में 3,000 रुपए के पार पहुंच गई। इसका सीधा असर होटल, रेस्तरां, ढाबों, बेकरी, कैटरिंग कारोबार और छोटे उद्यमियों पर पड़ा, जिन्हें बढ़ी हुई लागत का बोझ उठाना पड़ा। उन्होंने कहा कि जब उस समय मूल्य वृद्धि का कारण वैश्विक परिस्थितियों को बताया गया था, तो अब क्षेत्रीय हालात में सुधार और आपूर्ति संबंधी चिंताओं में कमी आने के बाद कीमतों की समीक्षा भी उतनी ही तेजी से होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि महंगाई का जीपीएस शायद केवल ऊपर जाने का रास्ता जानता है। तनाव बढ़ते ही कीमतें दौड़ पड़ती हैं, लेकिन हालात सामान्य होने पर राहत का रास्ता कहीं खो जाता है। उन्होंने कहा कि कमर्शियल एलपीजी केवल व्यापारियों का मुद्दा नहीं है। इसकी कीमत बढ़ने से होटलों का खाना, ढाबों की थाली, मिठाइयां, बेकरी उत्पाद और कैटरिंग सेवाएं महंगी हो जाती हैं, जिसका अंतिम बोझ आम उपभोक्ताओं को उठाना पड़ता है।

मनीष सरीन ने केंद्र सरकार से मांग की कि कमर्शियल एलपीजी और अन्य ऊर्जा उत्पादों की कीमतों की पारदर्शी समीक्षा की जाए, मूल्य निर्धारण के आधार सार्वजनिक किए जाएं और यदि अंतरराष्ट्रीय जोखिम कम हुए हैं तो उसका लाभ छोटे व्यापारियों और आम जनता तक तत्काल पहुंचाया जाए।

खरड़ में होटल जी8 एंड चस्का फाइन डाइन फैमिली रेस्टोरेंट का उद्घाटन

अनंत ज्ञान

गुरनाम सागर, खरड़। शिवालिक सिटी में फूड लवर्स के लिए नया ठिकाना खुल गया। 'होटल जी8 एंड चस्का फाइन डाइन फैमिली रेस्टोरेंट' का ग्रैंड ओपनिंग रविवार 21 जून को धूमधाम से किया गया। उद्घाटन सुखमनी साहिब पाठ के साथ पारंपरिक सिख रीति से हुआ, जिसके बाद अरदास कर रिबन काटकर रेस्टोरेंट को आम लोगों के लिए खोला गया।

होटल जी8 एक कॉन्सेप्ट आधारित प्रोजेक्ट है, जिसमें स्टे, फाइन डाइन और फैमिली रेस्टोरेंट की सुविधा एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराई गई है। यह खरड़ लांडरा रोड पर प्राइम लोकेशन पर स्थित है, जो विशाल मेगा मार्ट के सामने और गोपाल स्वीट्स के पास है। ओनर प्रणपाल खोसला ने कहा कि खरड़ तेजी से विकसित हो रहा है और यहां लोगों की लाइफस्टाइल व पर्चेजिंग पावर बढ़ रही है। अब स्थानीय लोगों को फैमिली डाइनिंग के लिए चंडीगढ़ या मोहाली नहीं जाना पड़ेगा, बल्कि उन्हें यही पर बेहतर अनुभव मिलेगा।

पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए मेहनती व ईमानदार नेताओं को आगे लाना जरूरी: बलबीर

अनंत ज्ञान

साहिबजादा अजीत सिंह नगर। पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के दिशा-निर्देशों तथा पार्टी हाईकमान की सोच के अनुरूप कार्य करते हुए पंजाब के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री श्री बलबीर सिंह सिद्धू ने आज एक विशेष कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ नेता श्री नरेंद्र पाल सिंह को ओबीसी (हल्क्ष्ट) सेल के जिला उपाध्यक्ष के रूप में नियुक्ति पत्र सौंपा। यह नियुक्ति पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के दिशा-निर्देशों के तहत पार्टी संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सक्रिय तथा मजबूत बनाने के उद्देश्य से की गई है।

नियुक्ति पत्र सौंपने के अवसर पर ओबीसी सेल के चेयरमैन श्री राजिंदर सिंह धर्मगढ़ विशेष रूप से उपस्थित रहे। उनकी अगुवाई में सेल की गतिविधियों को और अधिक गति मिल रही है। पत्रकारों और पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पूर्व स्वास्थ्य मंत्री बलबीर सिंह सिद्धू ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से हर वर्ग के मेहनती, ईमानदार और वफादार नेताओं का सम्मान करती आई है। उन्होंने कहा कि वर्तमान राजनीतिक दौर में संगठन को ऐसे नेताओं की आवश्यकता है जो जनता की अपेक्षाओं पर खरे उतर सकें। ऐसे में श्री नरेंद्र पाल सिंह जैसे अनुभवी और समर्पित नेता को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने से जिले में पार्टी की गतिविधियों को और मजबूती मिलेगी।

सिद्धू ने नवनियुक्त जिला उपाध्यक्ष श्री नरेंद्र पाल सिंह को इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए हार्दिक बधाई दी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि वे पार्टी द्वारा सौंपी गई इस जिम्मेदारी को पूरी मेहनत, दृढ़ता, ईमानदारी और समर्पण भावना के साथ निभाएंगे। उन्होंने कहा, 'मुझे पूर्ण विश्वास है कि नरेंद्र पाल सिंह ओबीसी समुदाय की समस्याओं को प्रमुखता से उठाएंगे और पार्टी संगठन को पहले से भी अधिक मजबूत बनाने में अपना महत्वपूर्ण और अमूल्य योगदान देंगे।

इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित ओबीसी सेल के चेयरमैन श्री राजिंदर सिंह धर्मगढ़ ने भी नवनियुक्त पदाधिकारी को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि राजा वड़िंग के नेतृत्व में पंजाब कांग्रेस लगातार हर वर्ग को समान प्रतिनिधित्व दे रही है। ओबीसी सेल आने वाले समय में पंजाब के प्रत्येक जिले, विधानसभा क्षेत्र और गांव स्तर तक पहुंचकर पार्टी की नीतियों का प्रचार-प्रसार करेगा।

'मेरे शहर के 100 रतन 2.0' छात्रवृत्ति के परिणाम घोषित 5,100 से अधिक बच्चों को मिली 100 प्रतिशत छात्रवृत्ति

अनंत ज्ञान

गुरनाम सागर, साहिबजादा अजीत सिंह नगर। सोमवार को घोषित क्रैक एकेडमी की छात्रवृत्ति परीक्षा 'मेरे शहर के 100 रतन 2.0' के परिणामों के अनुसार, कक्षा 9वीं से 12वीं तक के 5,100 से अधिक छात्रों को योग्यता के आधार पर 100 प्रतिशत छात्रवृत्ति प्रदान की गई है और 34,000 छात्रों को 75 प्रतिशत छात्रवृत्ति मिलेगी। इसके अतिरिक्त, 85,000 छात्रों को 50 प्रतिशत छात्रवृत्ति मिलेगी।

छात्रवृत्तियां पूरी तरह से मेरिट के आधार पर प्रदान की गई हैं। चयनित विद्यार्थियों ने परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इस पहल के जरिए क्रैक एकेडमी का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को अपने शैक्षणिक और करियर संबंधी लक्ष्यों को हासिल करने के लिए आवश्यक शैक्षणिक सहयोग, मार्गदर्शन और प्रतियोगी माहौल मिल सके। इस पहल का उद्देश्य प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की पहचान कर उन्हें उनकी आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का अवसर उपलब्ध कराना था।

छात्रवृत्ति कार्यक्रम के तहत चयनित विद्यार्थियों को जेईई, नीट, यूपीएससी, एसएससी, बैंकिंग, राज्य सरकार की भर्ती परीक्षाओं और अन्य राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए विशेषज्ञ कोचिंग उपलब्ध कराई जाएगी। यह पहल केवल शैक्षणिक सफलता तक सीमित नहीं है, बल्कि हिमाचल प्रदेश के युवाओं के लिए दीर्घकालिक अवसरों का निर्माण भी इसका प्रमुख उद्देश्य है। यह कार्यक्रम युवाओं को मजबूत शैक्षणिक आधार प्रदान कर उन्हें राज्य के विकास और रोजगार के क्षेत्र में सार्थक योगदान देने के लिए सक्षम बनाता है।

पंजाब में उद्योगपतियों की समस्या का समाधान कर देंगे बेहतर औद्योगिक माहौल: नितिन नवीन

अनंत ज्ञान

लुधियाना। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने लुधियाना में उद्योग जगत से जुड़े प्रमुख उद्योगपतियों और कारोबारियों के साथ अहम बैठक की। बैठक में पंजाब में उद्योगों को बढ़ावा देने, नए निवेश लाने, रोजगार सृजन और उद्योगपतियों के सामने आ रही समस्याओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इस मौके पर पंजाब भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों और भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ भी विशेष रूप से मौजूद रहे।

बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ-साथ लुधियाना के कई प्रमुख उद्योगपतियों और कारोबारियों ने हिस्सा लिया। बैठक के दौरान उद्योगपतियों ने पंजाब में उद्योगों के सामने आ रही चुनौतियों को भाजपा नेतृत्व के सामने रखा। उन्होंने बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर, सुरक्षित औद्योगिक माहौल, आसान व्यापारिक नीतियों, बिजली, टैक्स व्यवस्था, कुशल श्रमिकों और निवेश के लिए अनुकूल वातावरण की मांग की। नितिन नवीन ने कहा कि पंजाब में उद्योगों को बेहतर और सुरक्षित माहौल देने के लिए भाजपा विशेष योजना लेकर आएगी। उन्होंने कहा कि पंजाब कभी उद्योगों के लिए देश के सबसे मजबूत राज्यों में गिना जाता था, लेकिन आज उद्योगपति कई तरह की समस्याओं से जूझ रहे हैं। भाजपा इन समस्याओं को गंभीरता से सुनेगी और उनके समाधान के लिए ठोस नीति तैयार करेगी।

भाजपा नेताओं ने दावा किया कि भाजपा की सरकार बनने पर पंजाब में इंडस्ट्री को नई रफ्तार मिलेगी और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि उद्योगों को मजबूत किए बिना पंजाब की आर्थिक तरक्की संभव नहीं है, इसलिए उद्योग, व्यापार, निवेश और रोजगार भाजपा की प्राथमिकताओं में शामिल रहेंगे। पंजाब भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने कहा कि भाजपा पंजाब में महाराजा रणजीत सिंह के राज जैसा सुशासन, भाईचारा, अमन-शांति और खुशहाली वापस लेकर आएगी। उन्होंने कहा कि पंजाब को दोबारा औद्योगिक रूप से मजबूत बनाने के लिए सरकार, उद्योग जगत और समाज के सभी वर्गों को मिलकर काम करना होगा। बैठक में यह भी कहा गया कि विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए पंजाब उद्योगपतियों की भूमिका बेहद अहम है। भाजपा नेताओं ने भरोसा दिलाया कि पार्टी पंजाब के उद्योगपतियों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर उठाएगी।

पंजाब में निजी स्कूलों की फीस वृद्धि 5% तय

मंत्रिमंडल का फैसला: निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों की फीस वृद्धि पर लगाम, अभिभावकों को मिली राहत

अनंत ज्ञान

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में सोमवार को हुई कैबिनेट की बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए।विद्यार्थियों और अभिभावकों के हितों की रक्षा करने, औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने, डिजिटल गवर्नेंस को मजबूत करने तथा प्रशासनिक पहुंच में सुधार लाने के उद्देश्य से कई अहम निर्णय हुए। कैबिनेट ने निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों की फीस वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए अध्यादेश को मंजूरी दी।

मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों द्वारा फीस में की जाने वाली अनावश्यक और अनुचित बढ़ोतरी को नियंत्रित करने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अगुवाई वाली पंजाब कैबिनेट ने 'पंजाब रेगुलेशन ऑफ फीस ऑफ अन-एडेड एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस (संशोधन) अध्यादेश, 2026' को लाने को मंजूरी दे दी है। यह अध्यादेश 'पंजाब रेगुलेशन ऑफ फीस ऑफ अन-एडेड एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस एक्ट, 2016' में संशोधन करके लाया गया है।

इस कदम का उद्देश्य फीस वृद्धि पर प्रभावी नियंत्रण रखना, विद्यार्थियों और अभिभावकों को मनमानी फीस बढ़ोतरी से सुरक्षा प्रदान करना, फीसों के ढांचे में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना तथा उनके हितों की रक्षा करना है। इन संशोधनों के तहत फीस, फीस वृद्धि और कुल फीस वृद्धि की परिभाषाओं को अधिक स्पष्ट बनाया गया है। साथ ही, निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों द्वारा वार्षिक फीस वृद्धि की अधिकतम सीमा 5 प्रतिशत तय की गई है। 5 प्रतिशत से अधिक फीस बढ़ाने के लिए संबंधित नियामक संस्था की पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा। एक अन्य महत्वपूर्ण निर्णय में कैबिनेट ने राज्य की औद्योगिक नीतियों के तहत कैपिटल सब्सिडी एवं निवेश प्रोत्साहनों के वितरण के लिए 13 नवंबर 2019 के दिशानिर्देशों में संशोधन को भी मंजूरी दी। इन संशोधनों का उद्देश्य सब्सिडी वितरण प्रक्रिया को सरल और सुचारु बनाना, प्रशासनिक दक्षता में सुधार करना तथा पात्र औद्योगिक इकाइयों के साथ समान व्यवहार सुनिश्चित करना है। संशोधित व्यवस्था के अनुसार, दिशानिर्देशों की धारा 1.1 और 1.2 में छूट मिलने के बाद पात्र बनने वाली औद्योगिक इकाइयों को आवश्यक दस्तावेजों के सत्यापन और निर्धारित शर्तों की पूर्ति के आधार पर कैपिटल सब्सिडी जारी की जाएगी।

राज्य के विभिन्न विभागों के अनेक डेटाबेसों को आपस में जोड़ने, किसी भी दोहराव को समाप्त करने और मौजूदा प्रक्रियाओं को अधिक प्रभावी बनाने के लिए कैबिनेट ने पंजाब में स्टेट डेटा इंटीग्रेशन प्लेटफॉर्म (एसडीआईपी) लागू करने को मंजूरी दी है।परियोजना के सुचारु क्रियान्वयन के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में तीन-स्तरीय संचालन समिति गठित की जाएगी। इस संचालन समिति में पंजाब के मुख्य सचिव चेयरपर्सन होंगे, प्रशासनिक सचिव (गुड गवर्नेंस) मैंबर कनवीनर होंगे तथा विभिन्न विभागों के प्रशासनिक सचिव सदस्य के रूप में शामिल होंगे।

कैबिनेट ने जिला होशियारपुर के अंतर्गत आने वाले दसूहा उपमंडल के लिए अतिरिक्त उपायुक्त (जनरल) तथा अन्य सहायक स्टाफ के पद सृजित करने को भी मंजूरी दे दी है। इस निर्णय से क्षेत्र के उन लोगों को बड़ी राहत मिलेगी जिन्हें जिला स्तरीय प्रशासनिक कार्यों, अनुमतियों, राजस्व मामलों तथा जन शिकायतों के निपटारे के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी। इससे लोगों के समय और धन दोनों की बचत होगी तथा जनहित से जुड़े मामलों का निपटारा भी तेजी से हो सकेगा। इसलिए जनसुविधा को ध्यान में रखते हुए जिला होशियारपुर के अंतर्गत दसूहा उपमंडल में अतिरिक्त उपायुक्त (जनरल) सहित सहायक स्टाफ के कुल पांच पद सृजित करने की स्वीकृति प्रदान की गई है।

मिड-डे मील वर्कर्स ने घेरा सचिवालय

केंद्र व राज्य सरकार के खिलाफ किया प्रदर्शन, कहा-17 साल से नहीं बढ़ा मानदेय

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश के सरकारी विद्यालयों में बच्चों के लिए मध्याह्न भोजन तैयार करने और पोषण योजना को सफल बनाने में अहम भूमिका निभा रहे मिड-डे मील वर्करों का वर्षों से चला आ रहा असंतोष राजधानी शिमला में खुलकर सामने आया। प्रदेश के विभिन्न जिलों से हजारों की संख्या में पहुंचे मिड-डे मील वर्करों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर राज्य सचिवालय का घेराव किया और केंद्र व राज्य सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वे पिछले डेढ़ दशक से अधिक समय से विद्यालयों में नियमित सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन आज भी उन्हें मात्र 4500 रुपए मासिक मानदेय दिया जा रहा है। बढ़ती महंगाई और जीवनयापन की बढ़ती लागत के बीच यह राशि उनके परिवारों के भरण-पोषण के लिए अपर्याप्त साबित हो रही है।

प्रदर्शन से पहले सीटू के बैनर तले टॉलैंड से राज्य सचिवालय तक विशाल आक्रोश रैली निकाली गई। रैली में बड़ी संख्या में महिला कर्मियों ने भाग लेते हुए हाथों में झंडे और मांगों से जुड़े बैनर लेकर अपनी आवाज बुलंद की। राजधानी की प्रमुख सड़क कार्ट रोड पर रैली के कारण यातायात भी प्रभावित रहा और वाहनों की आवाजाही कुछ समय तक धीमी गति से चलती रही। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि विद्यालयों में बच्चों के लिए भोजन तैयार करने, स्वच्छता बनाए रखने और अन्य जिम्मेदारियां निभाने के बावजूद उन्हें न तो सम्मानजनक मानदेय मिल रहा है और न ही किसी प्रकार की सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध करवाई जा रही है।

मिड-डे मील वर्करों का आरोप है कि पिछले 17 वर्षों से उनके मानदेय में कोई उल्लेखनीय वृद्धि नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के हजारों परिवार इस आय पर निर्भर हैं, लेकिन सरकारें उनकी समस्याओं के समाधान के प्रति गंभीर नजर नहीं आतीं। प्रदर्शनकारियों ने यह भी कहा कि हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा दो बार एमडीएम वर्करों को 12 माह का मानदेय देने के आदेश जारी किए जा चुके हैं, लेकिन इन आदेशों को लागू करने के बजाय मामले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी गई। इससे वर्करों में निराशा और असंतोष बढ़ा है। उनका कहना है कि शिक्षा व्यवस्था और पोषण कार्यक्रम का महत्वपूर्ण हिस्सा होने के बावजूद उन्हें लगातार उपेक्षा का सामना करना पड़ रहा है।

मांगों को लेकर राज्य सचिवालय का घेराव करते मिड-डे मील वर्कर्स।

मांगें न माने जाने पर आंदोलन होगा तेज

प्रदर्शनकारी वर्करों ने मानदेय में सम्मानजनक वृद्धि, वर्ष के सभी 12 महीनों का भुगतान, सामाजिक सुरक्षा लाभ, सेवा सुरक्षा, सेवानिवृत्ति लाभ तथा लंबे समय से लंबित अन्य मांगों को शीघ्र पूरा करने की मांग उठाई। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो प्रदेशभर में आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

हिमाचल में साहसिक, ईको व धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा दे रही सरकार : सीएम

विश्वभर के पैराग्लाइडिंग प्रेमियों के लिए प्रमुख आकर्षण बना बीड़-बिलिंग

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल सरकार पर्यटन क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए लगातार गंभीर प्रयास कर रही है। धार्मिक पर्यटन के साथ-साथ साहसिक, ईको, सीमावर्ती और एस्ट्रो-टूरिज्म को बढ़ावा देने की दिशा में उठाए गए कदमों के सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार पर्यटन अधोसंरचना को मजबूत बनाने और पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने पर विशेष ध्यान दे रही है। हिमाचल प्रदेश की प्राकृतिक सुंदरता और अनुकूल जलवायु देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित करती रही है।

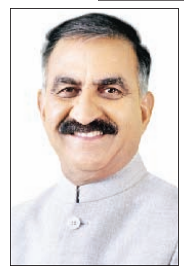

जानकारी के अनुसार राज्य सरकार अब पर्यटन के पारंपरिक स्वरूप से आगे बढ़कर नए आयाम स्थापित करने की दिशा में कार्य कर रही है। इसी कड़ी में बिलासपुर स्थित गोबिंदसागर झील में पहली बार क्रूज, शिकारा, हाउस बोट, जेट स्की और वॉटर स्कूटर जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। इसके अलावा हरनौड़ा से तत्तापानी तक लगभग 30 किलोमीटर लंबा क्रूज मार्ग विकसित करने की योजना भी तैयार की गई है। इसके अलावा प्रदेश में साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। हमीरपुर के नादौन और शिमला जिले की सतलुज नदी में एशियन राफ्टिंग चैंपियनशिप आयोजित की जा चुकी है। वहीं, कांगड़ा जिले का बीड़-बिलिंग विश्वभर के पैराग्लाइडिंग प्रेमियों के लिए प्रमुख आकर्षण बना हुआ है। शिमला जिले के जुन्गा में पैराग्लाइडिंग वर्ल्ड कप के आयोजन ने भी प्रदेश को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान दिलाई है।

वहीं, प्रदेश सरकार ने ईको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए नई ईको-टूरिज्म नीति लागू की है। इस नीति का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के अवसर सृजित करना है। साथ ही सीमावर्ती क्षेत्र शिपकी ला को पर्यटन गतिविधियों के लिए खोलने और लाहौल-स्पीति के काजा में स्टार गेजिंग सुविधा शुरू करने जैसे कदम पर्यटन के नए विकल्प तैयार कर रहे हैं। खास बात यह है कि कांगड़ा जिले को पर्यटन राजधानी घोषित करने के बाद यहां कई बड़ी परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है। कांगड़ा हवाई अड्डे के विस्तार के साथ-साथ प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में हैलीपोर्ट विकसित करने की दिशा में प्रयास जारी हैं। देहरा उपमंडल के बनखंडी में लगभग 619 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा दुर्गेश अरण्य वन्य प्राणी उद्यान भी पर्यटकों के लिए प्रमुख आकर्षण बनने की ओर अग्रसर है।

युवाओं के लिए खुलेंगे स्वरोजगार के नए द्वार

मुख्यमंत्री पर्यटन स्टार्ट-अप योजना के तहत नई पर्यटन इकाइयों और होमस्टे परियोजनाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है। योजना के अंतर्गत ऋण पर ब्याज अनुदान की सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी। शहरी क्षेत्रों में 3 प्रतिशत, ग्रामीण क्षेत्रों में 4 प्रतिशत और जनजातीय क्षेत्रों में 5 प्रतिशत तक ब्याज उपदान का प्रावधान किया गया है। इससे पर्यटन क्षेत्र में निवेश बढ़ने के साथ-साथ युवाओं के लिए स्वरोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

राजधानी के सौंदर्यकरण पर किया जा रहा फोकस

शिमला में भी पर्यटन सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। शहर के सौंदर्यीकरण और आधुनिक आधारभूत ढांचे के विकास के लिए 246 करोड़ रुपये की भूमिगत यूटिलिटी डक्ट परियोजना पर कार्य जारी है। सरकार का मानना है कि इससे शिमला शहर का स्वरूप बदलेगा और पर्यटकों के अनुभव में भी सुधार होगा।

राज्यपाल ने समाजसेवी राज कुमार के निधन पर जताया गहरा शोक

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने सोलन जिले के अर्की निवासी एवं प्रख्यात समाजसेवी राज कुमार के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। 85 वर्षीय राज कुमार के निधन को समाज के लिए अपूरणीय क्षति बताते हुए राज्यपाल ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। राज कुमार सेना प्रशिक्षण कमान, शिमला में वरिष्ठ लेखा अधिकारी के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने अपना जीवन सामाजिक एवं मानव कल्याण कार्यों के लिए समर्पित कर दिया। वे विभिन्न धर्मार्थ संस्थाओं और आश्रमों से जुड़े रहे तथा अपने गांव के जरूरतमंद और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को नियमित रूप से राशन व अन्य आवश्यक सहायता उपलब्ध कराते थे। राज्यपाल ने कहा कि राज कुमार रेडक्रॉस से भी सक्रिय रूप से जुड़े रहे और जीवनभर मानवता की सेवा के लिए कार्य करते रहे। उन्होंने कहा कि गरीबों और जरूरतमंदों की सहायता के प्रति उनका समर्पण तथा करुणा की भावना समाज के लिए प्रेरणास्रोत रहेगी। राज्यपाल ने दिवंगत राज कुमार को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की कि शोकाकुल परिवार को इस दुःख की घड़ी में धैर्य एवं संबल प्रदान करें।

हिमाचल में अब कम लगेंगे बिजली कट

आधुनिक तकनीक से मजबूत होगा वितरण तंत्र, पहले से तेजी से बहाल होगी आपूर्ति

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश के लाखों बिजली उपभोक्ताओं के लिए राहत भरी खबर है। राज्य में आने वाले वर्षों में बिजली आपूर्ति पहले से अधिक स्थिर, भरोसेमंद और पारदर्शी बनने जा रही है। राज्य विद्युत नियामक आयोग ने वर्ष 2030-31 तक बिजली वितरण व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए नया रोडमैप मंजूर किया है। इस योजना के तहत बिजली कटौती की अवधि और उसकी आवृत्ति में लगातार कमी लाने का लक्ष्य तय किया गया है, जिससे घरेलू उपभोक्ताओं, किसानों, व्यापारियों, पर्यटन क्षेत्र और उद्योगों को बड़ा लाभ मिलेगा।

आयोग ने वित्त वर्ष 2025-26 से 2030-31 तक बिजली आपूर्ति की विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है। प्रदेश में अक्सर बिजली बाधित होने और आपूर्ति बहाल होने में लगने वाले समय को लेकर उपभोक्ताओं की शिकायतें सामने आती रही हैं। नए रोडमैप के लागू होने के बाद ऐसी समस्याओं में उल्लेखनीय कमी आने की उम्मीद है। बिजली व्यवस्था को अधिक जवाबदेह और उपभोक्ता केंद्रित बनाने के लिए तकनीकी सुधारों पर विशेष जोर दिया जाएगा।

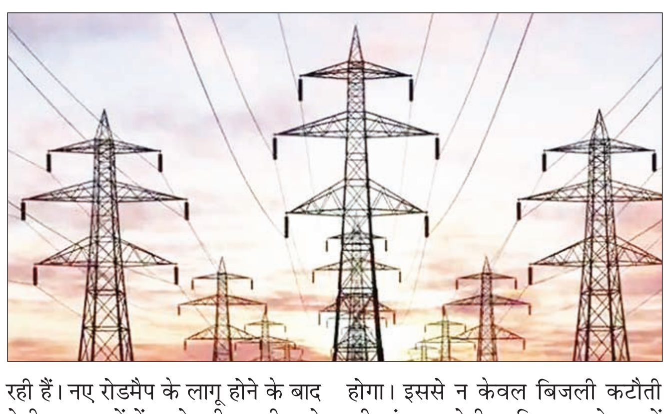

योजना के तहत शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए अलग-अलग प्रदर्शन मानक निर्धारित किए गए हैं। बिजली बोर्ड को हर वर्ष निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप अपनी सेवाओं में सुधार करना होगा। इससे न केवल बिजली कटौती की संख्या घटेगी, बल्कि उपभोक्ताओं को लंबे समय तक बिजली बाधित रहने की समस्या से भी राहत मिलेगी। आयोग का मानना है कि बेहतर वितरण प्रणाली प्रदेश की आर्थिक गतिविधियों और जनजीवन दोनों को मजबूत करेगी।

बिजली व्यवस्था को आधुनिक स्वरूप देने के लिए स्मार्ट तकनीकों का उपयोग बढ़ाया जाएगा। फीडरों, ट्रांसफार्मरों और उपभोक्ताओं के स्मार्ट मीटरों से सीधे आंकड़े प्राप्त किए जाएंगे, जिससे किसी भी तकनीकी खराबी की तुरंत पहचान कर उसका समाधान किया जा सकेगा। इससे बिजली आपूर्ति की निगरानी अधिक प्रभावी होगी और उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं मिल सकेंगी।

बिजली उपभोक्ताओं को मिलेगी राहत

नियामक आयोग ने ग्राहक औसत व्यवधान अवधि और ग्राहक औसत व्यवधान आवृत्ति जैसे महत्वपूर्ण मानकों में सुधार के निर्देश दिए हैं। इसका सीधा अर्थ है कि भविष्य में बिजली जाने की घटनाएं कम होंगी और यदि किसी कारणवश आपूर्ति बाधित होती भी है तो उसे कम समय में बहाल किया जाएगा। इससे आम लोगों की दैनिक गतिविधियों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों और औद्योगिक इकाइयों पर पड़ने वाला असर कम होगा।

मनीषा हत्याकांड : आरोपियों का रिमांड तीन दिन और बढ़ा

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। शिमला के संजौली स्थित सरस्वती पैराडाइज स्कूल की संचालिका मनीषा मित्तल हत्याकांड के दोनों शूटरों को सोमवार को कोर्ट में पेश किया गया। पुलिस की मांग पर अदालत ने दोनों को तीन दिन के रिमांड पर भेजा है। शिमला पुलिस ने कोर्ट को बताया कि अन्य दोषियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इससे पहले बीते सोमवार को कोर्ट ने दोनों को सात दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा था। सात दिन का रिमांड आज खत्म हो गया था। लिहाजा आज फिर से कोर्ट में पेश किया गया।

पुलिस का दावा है कि इस केस की गुत्थी को जल्द सुलझा दिया जाएगा। हालांकि, अब तक शिमला पुलिस मास्टरमाइंड के नाम का खुलासा नहीं कर पाई। अब अगले तीन दिनों के दौरान दोनों से पूछताछ कर कड़ियां जोड़ने का प्रयास होगा। सूत्रों के अनुसार- इस मामले में संलिप्त लोगों के खिलाफ पुलिस साक्ष्य जुटा रही है और मास्टरमाइंड तक पहुंचने के प्रयास कर रही है।

पुलिस ने मामले की गुत्थी को जल्द सुलझाने का किया दावा

बता दें कि शिमला पुलिस ने मनीषा मित्तल हत्याकांड में बीते 13 जून को हरियाणा के झज्जर के दुजाना गांव के आशीष अहलावत (22) और रोहतक के सुनियारा खल फैसी निवासी दीपक (25) को जिला अदालत में गिरफ्तार किया। बीते 14 जून को दोनों को शिमला लाया गया और इसी दिन कोर्ट में पेश किया गया था। बता दें कि बीते 13 जून को सरस्वती पैराडाइज स्कूल के गेट पर मनीषा मित्तल (42) की दोनों आरोपियों ने गोलियों से हत्या कर दी थी। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए थे। मनीषा मूल रूप से हरियाणा की रहने वाली थी। वह शिमला में अपनी बेटी के साथ रह रही थी।

बिजली बोर्ड में महिलाओं को अप्रेंटिसशिप से हर महीने मिलेगा 12,300 रुपए का स्टाइपेंड

कुल 98 पदों पर होगा चयन, 13 जुलाई तक कर सकेंगी आवेदन

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश की युवतियों के लिए करियर निर्माण का एक महत्वपूर्ण अवसर सामने आया है। हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड ने महिला अभ्यर्थियों के लिए एक वर्षीय अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा की है। इस योजना के तहत चयनित प्रशिक्षुओं को हर माह 12,300 रुपये का स्टाइपेंड दिया जाएगा, जिससे उन्हें आर्थिक सहायता के साथ-साथ तकनीकी और व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त होगा। बोर्ड द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 13 जुलाई निर्धारित की गई है। आवेदन करने वाली अभ्यर्थी की आयु 31 मई 2026 तक न्यूनतम 18 वर्ष और अधिकतम 30 वर्ष होनी चाहिए। इच्छुक उम्मीदवार केवल एक ट्रेड या विषय के लिए आवेदन कर सकेंगी। चयन प्रक्रिया पूरी तरह मेरिट आधारित होगी और समान अंक होने की स्थिति में अधिक आयु वाली अभ्यर्थी को प्राथमिकता दी जाएगी। प्रदेशभर में कुल 98 पदों पर प्रशिक्षुओं का चयन किया जाएगा। इनमें इलेक्ट्रिकल, सिविल, सूचना प्रौद्योगिकी, मानव संसाधन, वित्त एवं लेखा, विधि, प्रबंधन अध्ययन, सामाजिक विज्ञान और हाइड्रो इंजीनियरिंग जैसे विभिन्न क्षेत्रों को शामिल किया गया है। शिमला में सर्वाधिक 40 प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण का अवसर मिलेगा, जबकि हमीरपुर, मंडी, सुंदरनगर, धर्मशाला, कांगड़ा, सोलन, नाहन, रामपुर, रोहड़ू, डलहौजी, देहरा, ऊना, बिलासपुर और कुल्लू सहित अन्य केंद्रों में भी नियुक्तियां की जाएंगी। विशेष बात यह है कि अभ्यर्थियों को आवेदन पत्र में अपनी पसंद के तीन प्रशिक्षण केंद्र चुनने की सुविधा दी गई है। हालांकि अंतिम केंद्र आवंटन सीटों की उपलब्धता और मेरिट के आधार पर होगा।

ननखड़ी कॉलेज बंद करने का फैसला वापस ले सरकार : जयराम

पूर्व मुख्यमंत्री बोले- प्रदेश के दुर्गम क्षेत्रों के विद्यार्थियों के भविष्य से नहीं होना चाहिए खिलवाड़

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने प्रदेश सरकार पर शिक्षा और दुग्ध क्षेत्र को लेकर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री को शिक्षण संस्थानों को बंद करने के बहाने खोजने के बजाय उनमें छात्र संख्या बढ़ाने और सुविधाएं मजबूत करने पर ध्यान देना चाहिए। ननखड़ी क्षेत्र से भाजपा नेता कौल नेगी के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के दौरान जयराम ठाकुर ने कहा कि राजकीय महाविद्यालय ननखड़ी जैसे दुर्गम क्षेत्र के संस्थान स्थानीय विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा का प्रमुख आधार हैं। ऐसे संस्थानों को बंद करना दूरस्थ क्षेत्रों के युवाओं के भविष्य के साथ अन्याय है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में वर्षों से एक ही बच्चे के लिए स्कूल खोलने की परंपरा रही है, लेकिन वर्तमान सरकार शिक्षा के विस्तार की बजाय संस्थानों पर ताले लगाने में व्यस्त दिखाई दे रही है।

नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियों में न तो स्पष्टता दिखाई देती है और न ही समानता। उन्होंने कहा कि एक ओर सरकार छात्र संख्या और संसाधनों का हवाला देकर स्कूल और कॉलेज बंद कर रही है, वहीं दूसरी ओर राजनीतिक दबाव पड़ने पर अपने ही फैसलों को बदल रही है। हाल ही में बंद किए गए कुछ महाविद्यालयों को दोबारा खोलने का निर्णय इस बात का प्रमाण है कि सरकार के पास कोई पारदर्शी और एक समान नीति नहीं है। जयराम ठाकुर ने कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान के भविष्य का निर्णय राजनीतिक हितों के आधार पर नहीं बल्कि क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों, स्थानीय आवश्यकताओं, विद्यार्थियों की संख्या और जनभावनाओं को ध्यान में रखकर लिया जाना चाहिए।

उन्होंने प्रदेश सरकार से आग्रह किया कि ननखड़ी महाविद्यालय को बंद करने के फैसले पर तत्काल पुनर्विचार किया जाए और विद्यार्थियों के हितों को देखते हुए इसे शीघ्र बहाल किया जाए। उन्होंने कहा था कि सरकार की जिम्मेदारी शिक्षा के अवसरों का विस्तार करना है, न कि उन्हें सीमित करना। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि दूरस्थ क्षेत्रों के शिक्षण संस्थान बंद किए गए तो इसका सीधा असर गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के बच्चों की पढ़ाई पर पड़ेगा तथा उच्च शिक्षा तक उनकी पहुंच प्रभावित होगी।

दूध खरीद पर कैपिंग लगाकर पशुपालकों के हितों को पहुंचाया जा रहा आर्थिक नुकसान

दूध खरीद के मुद्दे पर भी जयराम ठाकुर ने सरकार को घेरते हुए कहा कि मुख्यमंत्री प्रदेश भर में दूध खरीद को लेकर बड़े-बड़े दावे कर रहे हैं, जबकि जमीनी स्तर पर हालात अलग हैं। उन्होंने कहा कि दूध खरीद पर कैपिंग लगने से पशुपालकों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। जिन किसानों ने अधिक पशुधन पाल रखा है और जिनका उत्पादन अधिक है, उनके सामने अतिरिक्त दूध के निस्तारण की समस्या खड़ी हो गई है।

हादसों को न्योता दे रही सरकाघाट डिपो की बदहाल व्यवस्था : दिलीप

अनंत ज्ञान

सरकाघाट। भटेड़ा चौकी के समीप हुई सरकारी बस दुर्घटना ने एक बार फिर सरकाघाट डिपो की खस्ताहाल व्यवस्थाओं की पोल खोल दी है। इस हादसे में चालक, परिचालक एवं एक यात्री घायल हो गए। दुर्घटना की सूचना मिलते ही विधायक दिलीप ठाकुर अस्पताल पहुंचे और घायलों का कुशलक्षेम जाना तथा उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। उन्होंने कहा कि ईश्वर की कृपा से एक बड़ा हादसा टल गया, लेकिन यह घटना परिवहन विभाग की लापरवाही और संसाधनों की कमी पर गंभीर सवाल खड़े करती है। दिलीप ठाकुर ने कहा कि सरकाघाट डिपो के हालात लगातार खराब होते जा रहे हैं, लेकिन सरकार इस ओर आंखें मूंदे बैठी है। विधानसभा में भी उन्होंने इस गंभीर विषय को उठाते हुए सरकार का ध्यान आकर्षित किया था, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि सरकाघाट डिपो में लगभग 12 बसें जीरो वैल्यू कर दी गई हैं, नई बसें भेजी नहीं गईं जिस कारण बसों की कमी है तथा करीब 35 चालक पद खाली पड़े हैं। डिपो में मैकेनिकल स्टाफ की भारी कमी के कारण बसों के रखरखाव की व्यवस्था भी चरमराई हुई है। स्थिति इतनी गंभीर है कि किसी बस का पटा तक टूट जाए तो उसे बदलने वाला कर्मचारी उपलब्ध नहीं होता। यही कारण है कि कई बसें रास्तों और मोड़ों पर खराब होकर खड़ी रहने को मजबूर हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व भाजपा सरकार के समय से सुचारू रूप से चल रहे कई बस रूटों को भी वर्तमान सरकार के कार्यकाल में बंद कर दिया गया है। इसका सबसे अधिक नुकसान ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को उठाना पड़ रहा है। स्कूल जाने वाले विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों, बुजुर्गों और मरीजों को रोजाना भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

समय-सीमा ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर अनिवार्य हुई जीपीडीपी अपलोडिंग प्रक्रिया

प्रदेश में पंचायतों को 15 अगस्त तक अपलोड करनी होंगी विकास योजनाएं

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल की ग्राम पंचायतों के लिए आगामी वित्तीय वर्ष की विकास योजनाओं को लेकर महत्वपूर्ण प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। केंद्र सरकार के पंचायती राज मंत्रालय ने सभी पंचायतों को निर्देश दिए हैं कि वे वर्ष 2026-27 की ग्राम पंचायत विकास योजना तैयार कर 15 अगस्त तक ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड करें। जानकारी के अनुसार मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के बाद हिमाचल की पंचायतों में भी विकास योजनाओं को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया तेज हो गई है। इस बार पंचायतों को अपनी योजनाओं

गांवों की जरूरतों के अनुसार ही निर्धारित होंगी विकास कार्यों की प्राथमिकताएं

में पेयजल, स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार सृजन, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे क्षेत्रों को प्राथमिकता देने के लिए कहा गया है। पंचायती राज मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि 16वें वित्त आयोग की सिफारिशों को ध्यान में रखते हुए ई-ग्राम स्वराज पोर्टल में कई तकनीकी सुधार और नए प्रावधान जोड़े गए हैं। इन्हीं बदलावों के कारण योजना अपलोडिंग प्रक्रिया में कुछ विलंब हुआ, जिसके चलते पंचायतों को अतिरिक्त समय प्रदान किया गया है। पोर्टल पर अपलोड की जाने वाली योजनाएं भविष्य में वित्तीय संसाधनों के आवंटन और विकास कार्यों की स्वीकृति का आधार बनेंगी। बता दें कि ग्राम पंचायत विकास योजनाएं गांवों की वास्तविक जरूरतों और जनता की अपेक्षाओं का प्रतिबिंब होती हैं। ग्राम सभाओं, महिला समूहों, युवाओं और अन्य स्थानीय हितधारकों की सहभागिता से तैयार होने वाली ये योजनाएं ग्रामीण स्वशासन को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इससे विकास कार्यों में पारदर्शिता बढ़ने के साथ-साथ जवाबदेही भी सुनिश्चित होती है।

गांवों में होगा आधारभूत सुविधाओं का विस्तार

जानकारों का मानना है कि राज्य की सभी यदि पंचायतें समयबद्ध तरीके से गुणवत्तापूर्ण विकास योजनाएं तैयार कर पोर्टल पर अपलोड करती हैं तो ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार, रोजगार सृजन और सामाजिक विकास के नए अवसर पैदा होंगे। ऐसे में आगामी 15 अगस्त की समय-सीमा राज्य के गांवों के भविष्य की विकास रूपरेखा तय करने वाला महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हो सकती है।

हिमाचल प्रदेश की बदहाली का जवाब दे कांग्रेस : अजय

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, मंडी। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अजय ठाकुर ने कांग्रेस नेताओं द्वारा नीट मामले को लेकर केंद्र सरकार पर लगाए जा रहे आरोपों को दुर्भाग्यपूर्ण और राजनीतिक अवसरवाद बताया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को भाजपा पर हमला करने से पहले अपने शासनकाल के घोटालों को याद करना चाहिए। यूपीए सरकार भ्रष्टाचार और घोटालों के लिए जानी जाती थी, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्ष सेवा, सुशासन, विकास और विश्वास के लिए याद किए जाएंगे। अजय ठाकुर ने कहा कि केंद्र सरकार ने गरीब, किसान, युवा, महिला और समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए ऐतिहासिक कार्य किए हैं। आज भारत विश्व में एक मजबूत और विश्वसनीय राष्ट्र के रूप में स्थापित हुआ है। कांग्रेस को यह विकास रास नहीं आ रहा है, इसलिए उसके नेता निराधार बयानबाजी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं को केंद्र सरकार को कोसने के बजाय हिमाचल प्रदेश की वर्तमान स्थिति पर जवाब देना चाहिए। प्रदेश में विकास कार्य प्रभावित हैं, शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है तथा कानून व्यवस्था को लेकर भी लगातार प्रश्न उठ रहे हैं। कांग्रेस सरकार अपने चार वर्षों की कोई उल्लेखनीय उपलब्धि जनता के सामने नहीं रख पा रही है।

अजय ठाकुर ने मंडी में कांग्रेस नेताओं द्वारा दिए गए बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कुछ नेता केवल मीडिया की सुर्खियों में बने रहने के लिए इस प्रकार की बयानबाजी कर रहे हैं। न तो कांग्रेस संगठन उन्हें गंभीरता से लेता है और न ही प्रदेश की जनता।